राधिका मदान: एक्ट्रेस ने बयां किया दर्द, सुनाया बचपन का किस्सा; बताया कैसे खुद को ट्रोलिंग से बचाया

रॉयल बुलेटिन

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

तापमान - अधिक्तम - 32
न्यूनतम - 22

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 285 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर बुधवार 14 अक्टूबर 2026 | आश्विन शुक्ल 4 विक्रमी संवत | पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रूपया

चतुर्थ दिन

मां कूष्मांडा

मां कूष्मांडा को सृष्टि की आदिशक्ति माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उन्होंने अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की। अष्टभुजा देवी सिंह पर विराजमान रहती हैं। इनकी पूजा से आरोग्य, ऊर्जा, समृद्धि और उत्साह प्राप्त होने की मान्यता है। भक्त जीवन में खुशहाली के लिए इनका आशीर्वाद मांगते हैं।

राहुल गांधी के घर चाय पर जुटे विपक्षी नेता

- सीईसी के खिलाफ आंदोलन की रणनीति पर की चर्चा
- 7 दिन में 5 प्रदर्शन किए, एसआईआर पर बनाई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर इंडी गठबंधन के नेताओं, छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी के सदस्यों के लिए चाय का आयोजन किया। इस दौरान विपक्ष के नेताओं ने कहा, सीईसी ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र को कुचलने का काम किया है। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग के साथ ही सरकार पर हमला करते हुए कहा, प्रदर्शन एक मिशन के साथ जारी है। हम सभी लोकतंत्र को मचाने के मिशन में लगे हैं। आम आदमी के अधिकार छीने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र को तबाह कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा, हम जंतर-मंतर के लिए संघर्ष करेंगे। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना हमारा मिशन है। हम उम्मीद करते हैं कि सुप्रीम कोर्ट अपना काम करे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, हम पूरी ताकत से एक साथ हैं। आंदोलन पूरी ताकत के साथ जारी रहेगा। प्रशांत भूषण ने कहा, सिविल सोसायटी साथ में है। अब इस आंदोलन में किसान और ट्रेड यूनियन भी साथ आएंगे। प्रोटस्ट करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। तृणमूल कांग्रेस सांसद सागरिका घोष ने कहा, एसआईआर वोट चोरी के लिए बनाया गया। हम इंडी गठबंधन के साथ खड़े हैं। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने कहा, ज्ञानेश कुमार एक ऐसा माफिया है, जिसने पूरे सिस्टम का अपराधीकरण किया है। आईशा अध्यक्ष नेहा बोरा ने कहा, ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र के दुश्मन हैं। सभी विपक्ष के नेता एकजुट हैं। राहुल गांधी के आवास पर चाय पर चर्चा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, शशि थरूर और सचिन पायलट समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। इंडी गठबंधन के नेताओं में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और मनोज झा, सपा सांसद और नेता, टीएमसी की महुआ मोइत्रा शामिल रहीं।

यूपीआई पर 0.4 फीसदी चार्ज दीवाली तक टला

त्योहारी सीजन को देखते हुए मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाला चार्ज दीवाली तक टाल दिया गया है। इसमें दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करने पर 0.4 फीसदी चार्ज लगना था। आम लोगों के बीच ट्रांजेक्शन पहले की तरह फ्री रहेगा। एनपीसीआई ने त्योहारी सीजन को देखते हुए इसे टालने का फैसला लिया है। एनपीसीआई ने कहा है कि इसे दीवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, लेकिन अभी तारीख नहीं बताई है। अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4 फीसदी का एमडीआर चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रतिशत के बजाय अधिकतम फ्लैट चार्ज लागू होगा।

संक्षिप्त समाचार

राहुल के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई रुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई पर रोक लगा दी। यह केस 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए बयानों से जुड़ा है। मामला महाराष्ट्र की ट्रायल कोर्ट में चल रहा था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की बेंच ने महाराष्ट्र सरकार और शिकायतकर्ता एमएच श्रीश्रीमल को नोटिस जारी किया है। राहुल गांधी के खिलाफ देशभर में दर्ज आपराधिक मानहानि के मामलों की कुल संख्या 16 है। इसमें से 15 मामले उन्होंने अपने 2024 के लोकसभा चुनावी हलफनामे में घोषित किए हैं, और 1 मामला पुणे में सावरकर परिवार द्वारा दायर किया गया है। राहुल गांधी ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 8 सितंबर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ जारी समन रद्द करने से इनकार किया था। राहुल गांधी की ओर से वकील अभिषेक सिंघवी पेश हुए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला दिया।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन का इस्तीफा राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ी

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना और प्रसारण, संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पीएम मोदी को 5 पेज की चिट्ठी में उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ने की बात कही है। मुरुगन ने चिट्ठी में लिखा- मुझे जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाए। मैं तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने के लिए अपना समय देना चाहता हूं। मुरुगन ने लिखा, 'आपके नेतृत्व में देश और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। वे गरीब परिवार से आते हैं और उनके माता-पिता मजदूरी करते थे।' तमिलनाडु के रहने वाले मुरुगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था।

पाकिस्तान में बड़ा रेल हादसा, 6 लोगों की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के मुल्तान में मंगलवार को बड़ा रेल हादसा हुआ है। ये हादसा तब हुआ, जब रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इस घटना में अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि स्थानीय प्रशासन ने की है। वहीं 40 से ज्यादा लोग इस एक्सीडेंट में घायल हुए हैं।

ओवैसी का समाजवादी पार्टी के सबसे मजबूत गढ़ पर अटैक

लखनऊ/आजमगढ़ (एजेंसी)। हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने नौ दिनों तक इंतजार किया और फिर समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सपा ने यूपी विधानसभा चुनावों में तालमेल के उनके खुले ऑफर को ठुकराया तो ओवैसी ने भी जैसे अबकी बार उनकी चुनावी जड़ें ही उखाड़ने की ठान ली है। असदुद्दीन ओवैसी ने सपा और अखिलेश यादव को टारगेट करने के लिए सबसे पहले आजमगढ़ को चुना है, जिसे मुलायम सिंह यादव ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक अपना अभेद्य किला बनाकर रखा था। एआईएमआईएम एमपी असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी के मुसलमानों से कहा है कि वे यादव परिवार की लाल टोपी की गुलामी करना बंद कर दें।

एक ओर बम-बम बाजार, दूसरी ओर महंगाई की मार

- शेयर मार्केट की बुल रफ्तार, 1100 अंक तक उछला सेंसेक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में गजब की तेजी दिखी है। मार्केट बंद के दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1109.10 अंक यानी कि 1.54 फीसदी बढ़त के साथ हरे निशान में 73,033.78 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों निफ्टी 358.60 अंक यानी कि 1.60 फीसदी चढ़कर 22,721.95 पर बंद हुआ। मार्केट बंद के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और सिर्फ तीन शेयरों में गिरावट दिखी। इनमें टॉप गेनर एचसीएल टेक में 8.28 फीसदी की तेजी और टॉप लूजर कोटक महिंद्रा बैंक में 0.90 फीसदी की गिरावट दिखी।

मार्केट की इस बढ़त में निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस बीच सेंसेक्स पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़कर अब 469 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

आईएमएफ ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ ने साल 2026 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। दुनियाभर में तनाव-सुस्ती और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग और सर्विसेज सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। आईएमएफ का यह अनुमान भारत को उन कई एनर्जी-इंपोर्ट करने वाले उभरते देशों से अलग खड़ा करता है, जो सुस्ती का सामना कर रहे हैं। आईएमएफ ने अपनी अक्टूबर 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा कि भारत पॉजिटिव बदलावों के साथ सबसे अलग नजर आ रहा है, जो देश की मजबूत ग्रोथ क्षमता को दर्शाता है। आईएमएफ ने भारत की ग्रोथ तेजी से बढ़ाई है।

रिटेल महंगाई की मार, लगातार 11वें महीने बढ़ी

आलू, प्याज, टमाटर महंगे हुए, चांदी के गहने सस्ते

सितंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.54 फीसदी पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82 फीसदी थी। आलू, प्याज, टमाटर जैसी सब्जियों और खाने-पीने की चीजों के दाम चढ़े हैं। मिडिल ईस्ट में तनाव की वजह से कच्चा तेल भी महंगा हुआ है। इन कारणों से महंगाई लगातार 11वें महीने बढ़ी है। महंगाई पर लगाम लगाने के लिए आरबीआई ने इसी महीने 2023 के बाद पहली बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। आरबीआई ने साफ कर दिया है कि मौजूदा हालात को देखते हुए आने वाले समय में ब्याज दरों में कटौती की कोई संभावना नहीं है। बैंक की आगे की नीति या तो ब्याज दरें बढ़ाने की होगी या फिर इन्हें इसी स्तर पर बरकरार रखा जाएगा। सरकार महंगाई दर तय करने के लिए एक बास्केट बनाती है। इसमें खाना, राशन, कपड़ा, मकान का किराया, पढ़ाई और इलाज जैसी चीजें शामिल होती हैं। लेकिन गांव और शहर के लोगों का खर्च करने का तरीका अलग होता है, इसलिए दोनों जगह महंगाई की तय करने के लिए बास्केट में सामानों का वेटेज अलग-अलग होता है। ग्रामीण इलाकों में लोग अपनी कमाई का आधा से ज्यादा हिस्सा केवल खाने-पीने और राशन पर खर्च करते हैं। इसलिए जब बारिश कम होने या फसल खराब होने से अनाज और सब्जियां महंगी होती हैं, तो गांव वालों का पूरा बजट बिगड़ जाता है। इसी वजह से ग्रामीण महंगाई तय करने के लिए बास्केट में खाने-पीने की चीजों का वेटेज ज्यादा होता है। शहर में रहने वालों के कुल बजट का एक बड़ा हिस्सा मकान के किराए आदि में खर्च हो रहा है।

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष की याचिका में मिलीं कुल 14 खामियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत 11 विपक्षी नेताओं की ओर से दायर एसआआईआर याचिका में करीब 14 खामियां बताई हैं। यह याचिका एसआईआर में बड़े पैमाने पर नाम हटाने और गड़बड़ियों के आरोपों से जुड़ी है। इन खामियों के कारण मंगलवार को याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, रजिस्ट्री ने याचिका के साथ जमा किए गए दस्तावेजों में भी खामियां बताई। कुछ पन्ने पढ़ने लायक नहीं हैं, जबकि कुछ पन्ने गायब हैं। इसके अलावा, कोर्ट फीस भी 220 रुपए कम जमा की गई है। रजिस्ट्री ने कुल 14 खामियां दर्ज की हैं। रजिस्ट्री ने कहा है कि याचिका दाखिल करने वाले वकील से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पहचान पत्र की साफ कॉपी मांगी है। इसके अलावा, 9 याचिकाकर्ताओं से याचिका दायर करने के लिए लिखित सहमति भी मांगी है। 12 अक्टूबर को दायर याचिका में भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी को पक्षकार बनाया गया है।

आशुतोष रांका और सौरव दास को जंतर-मंतर से किया गिरफ्तार

सरकार ने कल से ही यहां प्रोटेस्ट बैन किया, सीजेपी नेता अड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों सीजेपी समर्थकों के साथ जंतर-मंतर पर पहुंचे और नारेबाजी कर रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया। सीजेपी ने हिरासत में लिए गए नेताओं का वीडियो जारी किया। रांका ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक प्रोटेस्ट जंतर-मंतर पर ही होगा। आज 10 लोग आए हैं, कल 1000 आएंगे, परसों 10,000 आएंगे। जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकते। केंद्र सरकार ने सोमवार को इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया था। सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर और एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था, लेकिन पहुंच नहीं पाए थे। **दीपके बोले- तिरंगा लहराना कब से वायलेशन हो गया-** सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- तिरंगा लहराना कब से वायलेशन हो गया जो भी ये सोचता है तिरंगा लहराना जंतर-मंतर पर वायलेशन है, वो देशद्रोही है।

छात्रों को हिरासत में लेने आई वैन के साथ ही कर दिया 'खेला'

- गजब है बिहार, पुलिस वैन की चाबी लेकर भाग गया छात्र, दूसरी बस बुलानी पड़ी

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने पटना में प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों को हिरासत में लिया। लेकिन छात्रों को ले जाने के लिए लाई गई वैन की चाबी ही गायब हो गई। बताया गया कि मौके का फायदा उठाते हुए एक छात्र पुलिस वैन की चाबी लेकर भाग गया, जिसके बाद दूसरी बस बुलाई गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलकर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया। कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने की भी जानकारी सामने आई है। इस दौरान पुलिस छात्राओं को खींचकर ले गई। वहीं, डाकबंगला चौराहे पर लगी बैरिकेडिंग को तोड़कर प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके कारण छात्रों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। इस दौरान वैन चालक की ओर से मीडियाकर्मियों से दुर्व्यवहार भी किया गया। प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचीं छात्रा अंजली ने कहा कि संविधान से एक व्यक्ति-एक वोट का जो अधिकार मिला है, वो बरकरार रहना चाहिए। लेकिन ये सरकार इस अधिकार को छीनना चाहती है। सरकार नहीं चाहती कि यहां लोकतंत्र बरकरार रहे। वो वो भारत को जर्मनी और नॉर्थ कोरिया जैसा बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि फ्रीडम फाइटर्स अपनी कुर्बानी देकर देश को आजाद कराया, अब वो लोग इसे दोबारा गुलाम नहीं बनने देंगे। छात्रों-युवाओं का फर्ज बनता है कि सभी भारत को डिक्टेटरशिप मुक्त कराएं। अंजली ने एक कविता के माध्यम से देश के फ्रीडम फाइटर्स को याद किया और देश की आजादी को बरकरार रखने के लिए संघर्ष करने का ऐलान किया।

पुलिस की रोक के बावजूद आगे बढ़ने की कोशिश- जानकारी के अनुसार, आईसा से जुड़े छात्र मंगलवार को पटना के गांधी मैदान स्थित गेट नंबर 10 पर एकत्र हुए थे। यहां से उन्हें लोक भवन की ओर मार्च करना था। हालांकि, प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी।

भारत ने दुनिया को सस्ती दवाएं और टैलेंट दिया

- पीएम मोदी ने कहा-बदले में क्रेडिट-रॉयल्टी भी नहीं ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी। दिल्ली में पहली बार हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में मोदी ने 25 मिनट स्पीच दी। पीएम ने कहा कि भारत की ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, वैक्सीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका का जिक्र किया। तीन दिन का यह कार्यक्रम 15 अक्टूबर को खत्म होगा। इस साल फोरम की थीम 'बदलती दुनिया में ताकत के नए स्रोत तय करना' है।

सरकार का उद्देश्य नागरिकों को निर्भर बनाना नहीं

मोदी ने कहा- सरकार के पास अधिकार है, लेकिन उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को व्यवस्था पर निर्भर बनाना नहीं होना चाहिए। बल्कि, उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को सशक्त और सशक्त बनाना होना चाहिए, और भारत इसी राह पर चल रहा है। पीएम बोले- भारत की 7.8 फीसदी ग्रोथ रही है। आज हमारा फॉरेन रिजर्व 700 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। भारत का कॉन्फिडेंस ऊंचाई पर है। हमने इन्सॉल्वेंसी लॉ बनाया है। बिजनेस से जुड़ी छोटी-मोटी गलतियों को डिस्टेबिलाइज किया है। रिफॉर्म्स हमारा कन्विक्शन है। पीएम ने कहा- इतिहास में अनेक वैश्विक संगठन बने। उनके अपने-अपने हित रहे हैं।

पीएम बोले- अवसर पैदा करें, देशों को जोड़े

ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व इस बात में है कि उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाता है। भारत दूसरों के लिए अवसर पैदा करने और देशों को जोड़ने में विश्वास रखता है। कोविड के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन पहुंचाई। भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल पूरी मानवता के फायदे के लिए करना चाहता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ सप्लाई चेन, ऊर्जा, खनिज और तकनीक भी देशों के बीच दबाव बनाने के साधन बन रहे हैं। दुनिया को भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत है। सरकार का उद्देश्य लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करना है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में भारत ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। स्टार्टअप के मौके छोटे शहरों तक पहुंचे हैं। आर्थिक सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की विकास दर 7.8 फीसदी रही और विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से ज्यादा है। कारोबार को आसान बनाना और सुधार करना सरकार की प्रतिबद्धता है। 2014 के बाद मोबाइल डेटा सस्ता हुआ है। इससे छोटे शहरों और कस्बों के छात्रों को मदद मिलेगी।

चीन ने लद्दाख की 28 जगहों को अपना बताया

- भारत ने नाम बदले थे, इनमें गोगरा-हॉट स्प्रिंग, जहां दोनों देशों की सेनाएं टकराई थीं

बीजिंग/नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने लद्दाख की 28 जगहों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति जताई है। चीन ने मंगलवार को कहा कि ये इलाके उसके हैं और भारत के नाम बदलने या रखने से जमीन पर मालिकाना हक नहीं बदलेगा। भारत ने 2 अक्टूबर को इन जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर तय किए थे। इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग जैसे इलाके भी शामिल हैं, जहां 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव हुआ था। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा कि चीन लद्दाख को भारत की ओर से बनाया गया केंद्र शासित प्रदेश नहीं मानता। चीन ने भारत के इस कदम को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि सीमा के पश्चिमी हिस्से के ये इलाके उसके हैं।

अनमोल वचन

आदमी के जीवन में असंतोष और अशांति क्यों पैदा होते हैं? इसका कोई एक उत्तर नहीं दिया जा सकता। मानव जीवन में दृश्य-अदृश्य अनेक कारण हैं, जो अशांति और असंतोष पैदा कर देते हैं। फिर भी मनुष्य की दुविधाग्रस्त स्थिति, यथार्थ से आँखें मूँदकर कल्पना लोक में विचरण करना, जीवन जीने का अस्वाभाविक मार्ग अपनाना, तृष्णा, अपने आपके प्रति अनजान रहना, असंतुलित मन, निरुद्देश्य जीवन ऐसे मुख्य कारण हैं जिनसे मनुष्य जीवन अशांत और असंतुष्ट रहता है।

अशांति, असंतोष मनुष्य जीवन में तब पैदा हो जाते हैं जब उसके आंतरिक और बाह्य मन में एकरूपता, समता नहीं होती। अंतर्मन कुछ और चाहे और बाह्य मन कुछ और करे, ऐसे लोग असंतुष्ट और अशांत रहेंगे। उनका दुविधापूर्ण स्थिति में पड़े रहना भी स्वाभाविक है। कई लोग अंतर्मन से बड़े आदर्शवादी होते हैं परंतु बाह्य मन की प्रेरणा से अपने आदर्श के प्रतिकूल कार्य कर बैठते हैं। कई बार मनुष्य की नैतिक बुद्धि तो प्रबल होती है परंतु असंस्कृत मन पूर्व संस्कारों के कारण अनैतिक कार्य की प्रेरणा देकर मनुष्य को उस ओर ही प्रवृत्त कर देता है और वही द्वंद्वात्मक स्थिति उसकी अशांति का कारण बन जाती है।

एक करोड़ की स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, मुठभेड़ में एक को लगी गोली

कूकड़ी ग्राउंड के पास पुलिस पर फायरिंग कर भागने की कोशिश, 590 ग्राम स्मैक, तमंचा और बाइक बरामद, एसएसपी ने पुलिस टीम को दिया 20 हजार का इनाम

मुजफ्फरनगर। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नई मंडी पुलिस और मिशन शक्ति की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन कथित स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को कूकड़ी ग्राउंड के पास पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो अन्य को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से 590 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ दस लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने एक मोटरसाइकिल, 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस भी बरामद किया है। एसपी सिटी अमृत जैन ने पुलिस कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी। वहीं, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने कार्रवाई करने वाली टीम को 20 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

महिलाओं ने दी थी नशे के कारोबार की सूचना

एसपी सिटी अमृत जैन ने बताया कि ऑपरेशन सवेरा और मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत पुलिस टीम क्षेत्र में जागरूकता अभियान चला रही थी। इसी दौरान स्थानीय महिलाओं ने मिशन शक्ति की टीम को एनएच-58 के आसपास मादक पदार्थों की कथित तस्करी होने की जानकारी दी। महिलाओं ने चिंता जताई कि नशे के कारोबार का असर क्षेत्र के युवाओं पर पड़ रहा है और कई परिवार इससे प्रभावित हो रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने गोपनीय तरीके से जानकारी जुटाई

और संदिग्धों की गतिविधियों पर निगरानी शुरू कर दी। मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध कूकड़ी ग्राउंड के पास मौजूद हैं। इसके बाद नई मंडी पुलिस और मिशन शक्ति की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दी। पुलिस के मुताबिक, टीम को देखकर आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो अन्य को घेराबंदी के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उस्मान पुत्र इखलाक निवासी खेमपुर, थाना मंगलौर, हरिद्वार, उत्तराखंड, बाबर पुत्र फैय्याज और जहीर लंगड़ा पुत्र नसीर निवासी कुंगरपट्टी सुजड़ू, थाना खालापार, मुजफ्फरनगर के रूप में की है।

मंगलौर से स्मैक लाकर एनएच-58 के आसपास करते थे सप्लाई

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ के अनुसार, आरोपी मंगलौर से स्मैक खरीदकर लाते थे और मांग के आधार पर एनएच-58 के आसपास तथा अन्य स्थानों पर ऊंचे दामों में सप्लाई करते थे। इससे होने वाले अवैध मुनाफे को आपस में बांट लेते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी मंगलवार को भी स्मैक की सप्लाई करने के इरादे से पहुंचे थे, लेकिन घेराबंदी के दौरान पकड़े गए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों को मादक पदार्थ कहां से मिलता था और इस कारोबार में उनके साथ कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। आरोपियों के आगे और पीछे के संपर्कों की जांच की जा रही है, ताकि तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पुलिस के जारी विवरण के अनुसार, आरोपी जहीर लंगड़ा के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ चोरी, हत्या के प्रयास, मारपीट, बलवा, शस्त्र अधिनियम, गैंगस्टर अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम समेत विभिन्न मामलों का उल्लेख है। वहीं, आरोपी बाबर के खिलाफ वर्ष 2021 में कोतवाली नगर थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी गई है। इस मामले में थाना नई मंडी में मुकदमा अपराध संख्या 481/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) और एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं 8/21/29/60 में मुकदमा दर्ज किया गया है।

युवक के सिर पर भारी वस्तु से हमला कर किया लहूलुहान, चार आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

बधाई खुर्द में घर लौटते समय घेर के सामने हुई वारदात, घायल होकर बेहोश हुआ युवक; परिजनों के पहुंचने पर जान से मारने की धमकी देकर भागने का आरोप

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के गांव बधाई खुर्द में घर लौट रहे एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। युवक का आरोप है कि गांव के तीन युवकों और शामली निवासी एक अन्य व्यक्ति ने उसके साथ गाली-गलौज की। इसी दौरान एक आरोपी ने पीछे से किसी भारी वस्तु से उसके सिर पर जोरदार वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गया। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल युवक ने उपचार कराने के बाद पुलिस को तहरीर दी। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

घर लौटते समय घेर के सामने किया हमला

गांव बधाई खुर्द निवासी आकाश पुत्र बिट्टू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि घटना 4 अक्टूबर 2026 की शाम करीब आठ बजे की है। वह घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव में अपने मित्र के घेर के सामने उसकी मुलाकात मोनू पुत्र ऋषिपाल, कुलदीप पुत्र सुरजीत, पवन पुत्र मुनीश और शामली जिले के हरड़ निवासी संदीप से हुई। आरोप है कि चारों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

पीछे से सिर पर किया वार, बेहोश होकर गिरा युवक

आकाश के अनुसार, कहासुनी के दौरान कुलदीप ने पीछे से किसी भारी वस्तु से उसके सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया और मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। शोर-शराबा सुनकर उसके परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। आरोप है कि परिजनों के पहुंचने पर आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

उपचार के बाद पुलिस को दी तहरीर

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि हमले में घायल होने के बाद वह अपना उपचार करा रहा था। हालत में कुछ सुधार होने के बाद उसने 12 अक्टूबर को कोतवाली नगर पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के पीछे की वजह और आरोपों से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरिनगर में रेत सप्लाई को लेकर विवाद, कारोबारी पर फावड़े से हमला

बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर रेत उतरवाने के दौरान दो दुकानदारों पर मारपीट और जानलेवा हमले का आरोप, हाथ में आई गंभीर चोटें

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरिनगर में रेत सप्लाई को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर रेत उतरवा रहे कारोबारी से दो स्थानीय दुकानदारों ने दूसरी दुकान पर रेत उतारने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। बात बढ़ने पर गाली-गलौज की गई और फावड़े से हमला कर कारोबारी को घायल कर दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से उस पर वार किए और बाद में मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुरकाजी कस्बे के मोहल्ला उत्तरी चमारान निवासी समद पुत्र प्रवेज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रेत सप्लाई का काम करता है। 11 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब आठ बजे वह रेत से भरी गाड़ी लेकर गांव हरिनगर में मनीष की बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर पहुंचा था। गाड़ी को आजाद पुत्र इलियास निवासी पुरकाजी चला रहा था। समद के अनुसार, वह मनीष की दुकान पर रेत उतरवा रहा था, तभी गांव हरिनगर निवासी रजत और आदित्य पुत्र रामकुमार वहां पहुंच गए। शिकायत के मुताबिक, रजत और आदित्य भी गांव में बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान चलाते हैं। आरोप है कि दोनों ने समद से कहा कि रेत से भरी गाड़ी उनकी दुकान पर उतरवाई जाए और वे हरिनगर में किसी अन्य व्यक्ति की रेत नहीं बिकने देंगे। समद ने उन्हें बताया कि उसने मनीष का ऑर्डर लिया है और उसी के यहां रेत उतार रहा है। आरोप है कि इस बात पर दोनों नाराज हो गए और विवाद बढ़ गया। समद ने तहरीर में आरोप लगाया कि रजत और आदित्य ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की नीयत से फावड़े से वार करने लगे। हमले में उसके हाथ में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित के अनुसार, मौके पर मौजूद दुकानदार मनीष, गाड़ी चालक आजाद और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर उसे बचाया।

समद का कहना है कि यदि लोग समय पर बीच में नहीं आते तो आरोपी उसकी जान ले सकते थे।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि हमले के बाद भी आरोपी उसे धमकी देकर गए कि मौका मिलने पर उसे जान से मार देंगे। गंभीर चोटें आने के बाद समद ने 12 अक्टूबर को पुरकाजी थाने पहुंचकर शिकायत दी और रजत तथा आदित्य के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। समद की तहरीर के आधार पर पुरकाजी थाना पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रेत सप्लाई को लेकर हुए विवाद, कथित हमले और जान से मारने की धमकी के आरोपों की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भौराकलां में मंदिर के पुजारी स्वामी देवानंद भारती की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने मंदिर पहुंचकर दी थी आवाज, कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचा पीआरडी जवान तो फरार मिले हमलावर

मुजफ्फरनगर। भौराकलां थाना क्षेत्र में आईआईटीआई भौराकलां स्थित शिव मंदिर के 81 वर्षीय पुजारी स्वामी देवानंद भारती की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मंदिर परिसर में हुई इस वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शुरूआती जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार दो युवक मंदिर पहुंचे थे और उन्होंने पुजारी को आवाज दी थी। इसके कुछ देर बाद पास में बने क्वार्टर में तैनात पीआरडी जवान ने गोली चलने की आवाज सुनी। जब तक वह मौके पर पहुंचता, हमलावर वहां से फरार हो चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने हत्याकांड के खुलासे के लिए सर्विलांस, एसओजी और थाना पुलिस की टीमों को लगाया है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से कुछ अहम साक्ष्य मिले हैं, जिनके आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

मोटरसाइकिल से आए थे दो युवक, पुजारी को आवाज देने के बाद चली गोली

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, स्वामी देवानंद भारती शिव मंदिर में पुजारी थे। वारदात से पहले दो युवक मोटरसाइकिल से मंदिर पहुंचे थे। बताया गया है कि दोनों ने पुजारी को आवाज दी थी। इसी दौरान पास के क्वार्टर में तैनात पीआरडी जवान ने गोली चलने की आवाज सुनी। जवान के मौके की ओर पहुंचने से पहले ही दोनों युवक वहां से निकल गए थे। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों युवक कौन थे, वे मंदिर क्यों पहुंचे थे और पुजारी से उनका क्या संबंध था। हमलावरों के आने-जाने के रास्ते और वारदात से पहले तथा बाद की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक हत्या के पीछे की वजह और आरोपियों की पहचान को लेकर पुलिस ने कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है। हत्याकांड की सूचना मिलने पर डीआईजी सहारनपुर अभिषेक सिंह मौके पर पहुंचे। एसएसपी सूरज कुमार राय और एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी ली।

वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस टीमों को साक्ष्य जुटाने और घटना के शीघ्र खुलासे के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआईजी अभिषेक सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वारदात को अंजाम देने वाला व्यक्ति स्वामी देवानंद भारती को पहले से जानता हो सकता है।

प्रेमपुरी में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रात में घर के बाहर खड़ी की थी हीरो स्प्लेंडर, महज आधे घंटे बाद गायब मिली बाइक; काफी तलाश के बाद भी नहीं लगा सुराग

मुजफ्फरनगर। शहर के खालापार थाना क्षेत्र के प्रेमपुरी में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। बाइक स्वामी ने घर के बाहर से मोटरसाइकिल गायब मिलने पर आसपास काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रेमपुरी निवासी इरफान अली पुत्र मोहम्मद तालिब ने खालापार थाने में दी तहरीर में बताया कि 10 अक्टूबर 2026 को रात करीब 3:50 बजे उसने अपनी काले रंग की हीरो स्प्लेंडर बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। बाइक का पंजीकरण नंबर यूपी-12-एवी-9452 है। पीड़ित के अनुसार, करीब 4:20 बजे जब उसने घर के बाहर आकर देखा तो बाइक वहां से गायब थी।

काफी तलाश की, नहीं मिला बाइक का सुराग

बाइक गायब मिलने पर इरफान अली ने आसपास के इलाके में तलाश की और जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पीड़ित ने 12 अक्टूबर को खालापार थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की और बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

अज्ञात चोर की तलाश में जुटी पुलिस

पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और चोरी गई बाइक का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी होने की इस घटना से वाहन सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

खेत जोतने के विवाद में खूनी संघर्ष, ट्रैक्टर चढ़ाकर जान लेने की कोशिश; तीन पर गंभीर हमले का आरोप

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के गांव कासमपुर में खेत जोतने को लेकर चल रहे विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। खेत पर पानी चलाने और गन्ने की फसल को बांधने पहुंचे दो भाइयों के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। शिकायत के अनुसार, पहले एक भाई पर ट्रैक्टर चढ़ाकर उसकी जान लेने का प्रयास किया गया और फिर लोहे की रॉड, बलकटी व डंडों से हमला कर दूसरे भाई को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव कासमपुर निवासी तैय्यबा पत्नी स्वर्गीय मुशर्रफ अली ने छपार थाने में दी तहरीर में बताया कि उनके बेटे नोमान और अम्मान अपने खेत पर पानी चलाने और गन्ने की फसल को बांधने के लिए गए थे। आरोप है कि उसी खेत में कुदरत अली उर्फ पप्पू और उसके बेटे अजहर पासा व ताबिश भी मौजूद थे। खेत को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था।

विरोध करने पर ट्रैक्टर चढ़ाने का आरोप

तैय्यबा के मुताबिक, खेत पर अजहर पासा कथित तौर पर जबरदस्ती जुताई करने लगा। नोमान और अम्मान ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान अजहर पासा ने अम्मान को जान से मारने की नीयत से उसके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। अम्मान ने किसी तरह खुद को बचाया और उसकी जान बाल-बाल बची। तहरीर में आगे आरोप लगाया गया कि इसके बाद अजहर पासा ट्रैक्टर से लोहे की रॉड निकालकर लाया। आरोप है कि ताबिश ने धारदार हथियार बलकटी से, कुदरत अली ने डंडे से और अजहर पासा ने लोहे की रॉड से नोमान के सिर पर गंभीर वार किए। हमले में नोमान लहूलुहान हो गया और उसकी शर्ट खून से भीग गई। घटना के बाद घायल की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में एक अन्य गंभीर आरोप भी लगाया है। उसके अनुसार, घटना की जानकारी मिलने पर कुदरत अली के बेटे आसिफ ने फोन कर धमकी दी कि वह वहां आ रहा है और पहुंचते ही अम्मान को जान से मार देगा। तहरीर में आसिफ के नोएडा में ठेकेदारी करने की बात भी कही गई है। पुलिस से इस मामले में भी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। तैय्यबा ने पुलिस को बताया कि खेत को लेकर दोनों पक्षों में पहले से विवाद चला आ रहा है।

आरोप है कि इससे पहले भी उनके बेटों पर हमला किया गया था, जिसके संबंध में 28 नवंबर 2025 को तहरीर दी गई थी। हालांकि, उस समय गांव के लोगों ने दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया था। पीड़िता के अनुसार, गंभीर रूप से घायल बेटे नोमान को अस्पताल में भर्ती कराने की वजह से वह तत्काल तहरीर नहीं दे सकी और बाद में 9 अक्टूबर को थाने पहुंचकर शिकायत दी।

भावभीनी श्रद्धांजलि

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि

श्री विनय कुमार वर्मा

(वाइस प्रेजिडेंट हिमाल्यन ग्रुप ऑफ कंपनीज़)

का दिनांक 8 अक्टूबर 2026 को निधन हो गया।

दिवंगत आत्मा की शांति हेतु शोक सभा आयोजित है।

शोक सभा

हवन — दिनांक : 15 अक्टूबर 2026, समय : प्रात: 9 बजे, स्थान : निज निवास

दिनांक : 15 अक्टूबर 2026, दिन : गुरुवार, समय : दोपहर 2 बजे, स्थान : आशीर्वाद बैंक्ट हॉल, लक्ष्मण विहार जानसठ पुल के निकट, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

शोकाकुल परिवार

बलवान सिंह (पिता) पूर्व प्रबंधक, जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मुजफ्फरनगर

राजेंद्र कुमारी (माता)

विनिता कुमारी (पत्नी)

वंशप्रिया (बेटी)

डॉ. संजीव चौधरी 'गोल्डी' (भाई) (अध्यापक, पत्रकार, स्वतंत्र लेखक) इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप जनसत्ता। 98370 16865

डॉ. गीतांजलि वर्मा (भाभी) जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, मुजफ्फरनगर +91 96340 92094

नवयांजलि वर्मा (भतीजी)

नवराज वर्मा (भतीजा)

निवास : 10-ए रामपुरम कॉलोनी, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

एनएचएम संविदा कर्मियों का पांचवें दिन भी धरना, बरेली की घटना पर भड़का आक्रोश

लखनऊ आंदोलन में जा रहे मुजफ्फरनगर के कर्मचारियों को 16 घंटे रोके रखने का आरोप, मोबाइल लेने और परिजनों से संपर्क नहीं होने की शिकायत

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा स्वास्थ्य कर्मियों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर चल रहा धरना मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन और अन्य सेवा सुविधाओं की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे कर्मचारियों ने बरेली में लखनऊ जा रहे स्वास्थ्य कर्मियों को कथित तौर पर 16 घंटे तक रोके जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताया। कर्मचारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। धरने को भारतीय मजदूर संघ सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने समर्थन दिया। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि मांगों पर ठोस निर्णय होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

लखनऊ जा रहे कर्मचारियों को बरेली में रोकने का आरोप

एनएचएम संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. सचिन जैन ने आरोप लगाया कि 11 अक्टूबर को लखनऊ में प्रस्तावित आंदोलन में शामिल होने जा रहे मुजफ्फरनगर के संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की बस को बरेली के फतेहगंज क्षेत्र में रोक लिया गया। उनके अनुसार, कर्मचारियों को थाने ले जाया गया और करीब 16 घंटे तक वहां रोके रखा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रात के समय कर्मचारियों के मोबाइल फोन ले लिए गए, जिससे वे अपने परिजनों से संपर्क नहीं कर सके।.डॉ. सचिन जैन के मुताबिक, जब कर्मचारियों को घर लौटने की अनुमति नहीं मिली और परिजनों से संपर्क नहीं हो पाया तो उन्होंने थाने के बाहर विरोध जताया। बाद में मुजफ्फरनगर पुलिस के पहुंचने पर बस पुलिस की निगरानी में वापस लौटी। कर्मचारी संगठन ने इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

धरने पर मौजूद कर्मचारियों ने कहा कि वे अपनी लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे। ऐसे में उन्हें घंटों रोके रखने और परिजनों से संपर्क नहीं हो पाने की शिकायत गंभीर है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई करने की मांग की। हालांकि, बरेली में कर्मचारियों को रोके जाने के मामले में लगाए गए आरोपों पर संबंधित पक्ष का बयान सामने नहीं आया है। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष मयंक ठाकुर की 12 अक्टूबर को स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य और मिशन निदेशक के साथ वार्ता हुई थी। लेकिन कर्मचारियों की प्रमुख मांगों पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना जारी रखने का निर्णय लिया गया। मुजफ्फरनगर में भी कर्मचारियों ने धरना जारी रखने का ऐलान किया है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, लेकिन नियमितीकरण, वेतन और सेवा सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। उनका आग्रह है कि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर स्पष्ट निर्णय ले। धरने के दौरान संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन और

अन्य सेवा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग दोहराई। कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में समान जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद सेवा शर्तों और सुविधाओं में अंतर बना हुआ है। उन्होंने सरकार से संविदा कर्मियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। धरना स्थल पर पहुंचे भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य केके शर्मा ने संविदा स्वास्थ्य कर्मियों के आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि संविदा कर्मियों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई की गई तो संगठन जिले में चक्का जाम करने को बाध्य होगा।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः

◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

सूचना

1. यह कि मैं शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरा नाम श्रीमती बाला पत्नी स्व० श्री राजेश निवासी अमित बिहार कूकड़ा, थाना- नई मण्डी, तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर की हूँ और निम्नलिखित बयान करती हूँ।

2. यह कि मैं शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरा पुत्र सन्नी व मेरी पुत्रवधू श्रीमती रीटा मेरे कहने सुनने से बाहर हैं जिनका उठना बैठना गलत संगत के प्रवृत्ति के लोगों के साथ है और जिनका आचरण शपथकर्ता व उसके परिजनों के विरुद्ध कठोर हो गया है। जिस कारण शपथकर्ता ने इनकी गलत हरकतों को देखते हुए अपने पुत्र व पुत्रवधू से अपने सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद करते हुए अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद से शपथकर्ता का कोई मतलब-वास्ता इनसे नहीं होगा। शपथकर्ता का पुत्र व पुत्रवधू उक्त अपने किसी भी प्रकार के लेन-देन एवं आपराधिक कृत्य के प्रति स्वयं जिम्मेदार होंगे।

॥ रस्म तेरहवीं ॥

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीय माता जी श्रीमती रश्मि अग्रवाल पत्नी स्व. श्री अजय अग्रवाल (बघरे वाले) का स्वर्गवास दिनांक 03-10-2026 दिन सनिवार को हो गया था। प्रभु श्री ऐसी इच्छा थी। रस्म तेरहवीं दिनांक 14-10-2026 दिन बुधवार को तय की गयी है।

हवन - प्रात: 9 बजे (निज निवास, 190/4, साउथ सिविल लाइन, होटल गैलेक्सी के सामने, मुजफ्फरनगर)

रस्म पगड़ी व शोक सभा - 2:00 बजे

स्थान - आशिवाद बैंकट हॉल, जानसत रोड, मुजफ्फरनगर

शोकाकुल परिवार

संजय अग्रवाल (बघरे वाले) पूर्व प्रत्याशी - अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, पूर्व जिला महामंत्री भाजपा (मुजफ्फरनगर)

तनिष अग्रवाल (पुत्र)

आयुषी अग्रवाल-उदित शर्मा (पुत्री-दामाद), संजय अग्रवाल-अलका अग्रवाल (देवर-देवरानी), अर्पित अग्रवाल-अनुश्री गुप्ता (भतीजा-बहू), तरणी अग्रवाल-पीयूष बंसल (भतीजी-दामाद), तन्विल-हेतोरा (प्रपौता-पोती), समस्त बघरा परिवार

संपर्क सूत्र - 9412111248, 9897285541, 9027400667

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
बुधवार 14 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

शाकर हत्याकांड में देवर-भाभी को उम्रकैद, एक लाख दस हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया

तीन साल पहले प्रेम संबंधों का विरोध करने पर की थी शाकर की गला घोंटकर हत्या, निमार्णाधीन मकान के शौचालय के गड्ढे में छिपाया था शव

मुजफ्फरनगर। अवैध प्रेम संबंधों का विरोध करना एक व्यक्ति को इतना भारी पड़ा कि उसे अपनी जान गंवानी पड़ी। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव मांडला में करीब तीन साल पहले हुए शाकर हत्याकांड में अदालत ने उसकी पत्नी आसिया और सगे देवर सुहैल को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोनों पर एक लाख दस हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आसिया और सुहैल के बीच प्रेम संबंध थे। छह जून 2023 को शाकर ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके बाद रास्ते का कांटा समझे जा रहे शाकर की चारपाई पर सोते समय चुनरी से गला घोंटकर हत्या कर दी गई और शव को निमार्णाधीन मकान के शौचालय के गड्ढे में छिपा दिया गया। पुलिस ने नौ दिन बाद शव बरामद कर मामले का खुलासा किया था। विशेष न्यायालय एससी-एसटी एक्ट के पीठासीन अधिकारी डॉ. विजय कुमार तालियान ने एक अक्टूबर को दोनों को दोषी करार दिया था। अब अदालत ने दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार त्यागी के अनुसार, पुरकाजी क्षेत्र के गांव मांडला निवासी शाकर की पत्नी आसिया और उसके देवर सुहैल के बीच प्रेम संबंध थे। आरोप था कि दोनों शाकर की गैरमौजूदगी में मिलते थे। परिवार के भीतर चल रहे इन संबंधों की जानकारी शाकर को छह जून 2023 को हुई, जब उसने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया। इस घटना के बाद शाकर ने उनके संबंधों का विरोध किया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, इसी विरोध के चलते आसिया और सुहैल ने शाकर की हत्या करने का फैसला किया। मामले में आरोप था कि दोनों को यह आशंका थी कि शाकर उनके संबंधों में बाधा

बनेगा और विरोध जारी रखेगा। इसी के चलते उन्होंने उसकी हत्या की योजना बनाई। एक ओर पति और दूसरी ओर देवर के साथ प्रेम संबंधों के बीच उपजे इस विवाद का अंत शाकर की हत्या के रूप में हुआ। पुलिस जांच में सामने आए घटनाक्रम के अनुसार, वारदात को अंजाम देने के बाद शव को छिपाने की कोशिश भी की गई, जिससे किसी को घटना का पता न चल सके। रात में चारपाई पर सोते समय घोंटा गला

अभियोजन के अनुसार, छह जून 2023 की रात शाकर चारपाई पर सो रहा था। इसी दौरान आसिया और सुहैल ने मिलकर उसकी चुनरी से गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपियों ने शव को खुले में छोड़ने के बजाय उसे ठिकाने लगाने की कोशिश की। इसके लिए शव को निमार्णाधीन मकान में बने शौचालय के गड्ढे में डाल दिया गया। हत्या के बाद शव को इस तरह छिपाया गया था कि घटना का तत्काल पता न चल सके। शाकर की हत्या और शव को गड्ढे में छिपाने की घटना ने मामले को गंभीर बना दिया।

पुलिस ने जांच के दौरान घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ते हुए आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया। बाद में आरोपियों की निशानदेही पर शव बरामद होने से मामले की जांच को अहम आधार मिला। शाकर की हत्या छह जून 2023 को हुई थी, जबकि उसका शव 15 जून 2023 को बरामद किया गया। यानी वारदात के नौ दिन बाद पुलिस ने निमार्णाधीन मकान में बने शौचालय के गड्ढे से शव बरामद किया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार त्यागी के मुताबिक, पुलिस ने आसिया और सुहैल की निशानदेही पर शव बरामद किया था। उस समय मृतक का बड़ा भाई शोएब भी मौजूद था।।शव बरामद होने के बाद मामले की गंभीरता और बढ़ गई।

थार से स्टंटबाजी कर रहे तीन युवक गिरफ्तार, छात्राओं और महिलाओं में फैला रहे थे दहशत

मिशन शक्ति टीम और मंसूरपुर पुलिस की संधावली कट पर कार्रवाई, महिला सुरक्षा हेल्पलाइन की जानकारी देकर किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर क्षेत्र में थार गाड़ी से सड़क पर स्टंटबाजी और हुड़दंग कर राहगीरों में दहशत फैलाने वाले तीन युवकों को मिशन शक्ति टीम और मंसूरपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवकों की हरकतों से सड़क से गुजरने वाली छात्राओं, महिलाओं और आम लोगों में भय का माहौल बना हुआ था। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ शांतिभंग एवं अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार को थाना मंसूरपुर की महिला मिशन शक्ति टीम एंटी रोमियो स्क्वॉड के साथ संधावली कट के पास अभियान चला रही थी। इसी दौरान थार गाड़ी में सवार तीन युवक सरेआम सड़क पर स्टंटबाजी और हुड़दंग करते हुए पाए गए। उनकी लापरवाही से सड़क पर चलने वाले लोगों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो रहा था और किसी बड़ी दुर्घटना की

आशंका बनी हुई थी। मौके पर मौजूद मिशन शक्ति टीम और पुलिस ने युवकों को रोककर समझाने का प्रयास किया। उनकी गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के विरुद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल पुत्र शहजाद, उम्र करीब 20 वर्ष, जोनेन्द्र पुत्र आबाद, उम्र करीब 21 वर्ष और करण पुत्र सलीम, उम्र करीब 25 वर्ष के रूप में हुई है। तीनों ग्राम संधावली के निवासी बताए गए हैं। पुलिस कार्रवाई के दौरान मिशन शक्ति टीम ने मौके पर मौजूद बालिकाओं और महिलाओं को महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। टीम ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस सहायता के लिए 112, महिला हेल्पलाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और महिला हेल्पलाइन 181 का उपयोग किया जा सकता है। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य सड़क पर स्टंटबाजी और अराजक गतिविधियों पर अंकुश लगाना तथा महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

भोकरहेड़ी में स्वच्छता अभियान की उखड़ी सांसें: गलियों में गंदगी और कीचड़ का अंबार, नारकीय जीवन जीने को मजबूर ग्रामीण

नगर पंचायत भोकरहेड़ी में स्वच्छता अभियान कागजों तक सीमित : स्कूल जाने वाले मासूम बच्चों को हाथों में उठाकर रास्ता पार करा रहे लाचार अभिभावक

मोरना (मुजफ्फरनगर)। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छता को लेकर चलाए जा रहे तमाम अभियानों और दावों को नगर पंचायत भोकरहेड़ी में प्रशासनिक उपेक्षा का ग्रहण लगता दिख रहा है। कस्बे के मुख्य मार्गों से लेकर अंदरूनी गलियों तक में चारों तरफ गंदगी और जलभराव का साम्राज्य कायम है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाने के कारण स्थानीय निवासियों का जीना दूभर हो गया है। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद समाधान न होने से आक्रोशित नागरिकों ने अब जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त कराने की पुरजोर मांग की है। सबसे ज्यादा खराब स्थिति कस्बे के मोहल्ला सुभाष चौक की बनी हुई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, गलियों में कई-कई दिनों तक कूड़े-कचरे के ढेर लगे रहते हैं और नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। लगातार बने कीचड़ और जलजमाव

के कारण क्षेत्र में बदबू का आलम है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियां फैलने का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सफाई कर्मचारियों की लापरवाही के चलते यह समस्या लगातार विकराल रूप धारण करती जा रही है। स्थानीय नागरिक सुनील सहरावत और कमरुज्जमा ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि मोहल्ला सुभाष चौक की स्थिति बेहद दयनीय हो चुकी है। गलियों में जमे भारी कीचड़ के कारण सुबह स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे मासूम बच्चों का पैदल चलना भी नामुमकिन हो गया है। अभिभावकों को रोजाना मजबूरन अपने बच्चों को गोद में उठाकर या कंधों पर बैठाकर इस गंदे पानी और कीचड़ के बीच से निकालकर मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है।

कई बार बच्चे फिसलकर गंदे पानी में गिर भी जाते हैं, जिससे उनके कपड़े और बस्ते खराब हो जाते हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार नगर पंचायत प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर साफ-सफाई कराने और नालियों के पानी की निकासी का स्थायी समाधान करने की गुहार लगाई, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा।

संप्रेक्षण गृह में किशोरों के हुनर को निखारने पर जोर, शिक्षा के साथ सर्वांगीण विकास की पहल

प्रबंधन समिति की बैठक में आवासित किशोरों के भविष्य को लेकर हुआ मंथन, बच्चों से संवाद कर उपहार भेंट किए और कौशल विकसित करने के लिए किया प्रेरित

मुजफ्फरनगर। राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर), मुजफ्फरनगर में मंगलवार को प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संप्रेक्षण गृह में आवासित किशोरों की शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उनके सर्वांगीण विकास, कौशल संवर्धन और भविष्य को बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने किशोरों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप हुनर विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। बैठक के बाद समिति के सदस्यों ने आवासित किशोरों से संवाद किया और उन्हें उपहार भेंट कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही संप्रेक्षण गृह के प्रभारी को निर्देश दिए गए कि किशोरों को मौसम के अनुकूल भोजन और वस्त्र उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उनकी आवश्यकताओं का उचित ध्यान रखा जा सके। राजकीय संप्रेक्षण गृह में आयोजित बैठक का उद्देश्य आवासित किशोरों की शिक्षा और उनके समग्र विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करना रहा। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि किशोरों को केवल औपचारिक शिक्षा तक सीमित न रखते हुए उनके अंदर छिपी प्रतिभा और कौशल को भी विकसित करने के अवसर दिए जाने चाहिए। इससे वे अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ सकेंगे और भविष्य में अपने पैरों पर खड़े होने की दिशा में प्रयास कर सकेंगे। बैठक के उपरांत समिति के सदस्यों ने संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों से बातचीत की। उनके साथ संवाद कर शिक्षा के महत्व को समझाया गया और अपनी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान किशोरों को उपहार भी भेंट किए गए। सदस्यों ने उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने तथा अपने हुनर और कौशल को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

किशोरों की जरूरतों और सुविधाओं पर विशेष जोर

प्रबंधन समिति की बैठक में आवासित

किशोरों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं पर भी चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने संप्रेक्षण गृह के प्रभारी मोहित कुमार को निर्देशित किया कि किशोरों को मौसम के अनुकूल भोजन और वस्त्र उपलब्ध कराए जाएं। बदलते मौसम को ध्यान में रखते हुए उनकी दैनिक जरूरतों का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया गया। बैठक में किशोरों की शिक्षा के साथ उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को भी महत्वपूर्ण माना गया। इस बात पर जोर दिया गया कि संप्रेक्षण गृह में रहने वाले किशोरों को ऐसा वातावरण मिले, जहां वे अपनी क्षमताओं को पहचान सकें और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों।

अधिकारियों और समिति सदस्यों ने लिया हिस्सा

राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) में आयोजित प्रबंधन समिति की बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार, डॉ. राजीव कुमार, श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती हेमलता, डॉ. हर्ष विनायक, मनोज कुमार और शारिक शामिल हुए। सभी सदस्यों ने किशोरों की शिक्षा, कौशल विकास और सर्वांगीण विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की। बैठक के बाद किशोरों से संवाद और उन्हें उपहार भेंट करने की गतिविधि के माध्यम से उनका उत्साह बढ़ाया गया। समिति के सदस्यों ने किशोरों को अपनी प्रतिभा पहचानने और शिक्षा के साथ हुनर सीखने के लिए प्रेरित किया।

प्रभारी ने जताया आभार

राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) के प्रभारी मोहित कुमार ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के कर्मचारी सुरजीत और प्रदीप सहित पुलिसकर्मी एवं सुरक्षाकर्मी भी उपस्थित रहे।।बैठक के माध्यम से किशोरों की शिक्षा, कौशल विकास और आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। समिति ने स्पष्ट किया कि आवासित किशोरों की जरूरतों का ध्यान रखने के साथ उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना भी महत्वपूर्ण है।

मुजफ्फरनगर में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई: 3.5 टन से ज्यादा मिलावटी मसाले और कुट्टू का आटा सीज, 14 खाद्य पदार्थों के सैंपल लैब भेजे

नवरात्र पर्व के मद्देनजर तीन प्रमुख प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान तेज

मुजफ्फरनगर। आगामी पावन शारदीय नवरात्र पर्व के दौरान व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ रोकने और बाजारों में मिलावटखोरी पर कड़ाई से अंकुश लगाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने जिले में बड़ा अभियान चलाया है। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय अर्चना धीरान और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय प्रधान के नेतृत्व में विभागीय टीम ने छपार, शामली रोड स्थित गौशाला मोहल्ला और पचेंडा रोड पर तीन अलग-अलग खाद्य प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गुणवत्ता में भारी गड़बड़ी और संदेह पाए जाने पर 3,570 किलोग्राम (3.5 टन से अधिक) मसाले, कुट्टू का आटा और व्रत की सामग्री को मौके पर ही सीज कर दिया गया। साथ ही कुल 14 खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला (लैब) भेजे गए हैं।

छपार और पचेंडा रोडः संदीप ट्रेडर्स व मनोज प्रोविजन स्टोर से कुट्टू का आटा सीज

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सबसे पहले कस्बा छपार स्थित संदीप सिंह के

प्रतिष्ठान 'संदीप ट्रेडर्स' पर छापा मारा। यहां से टीम ने व्रत में इस्तेमाल होने वाले कुट्टू के आटे, हल्दी पाउडर, किशमिश और सॉस का एक-एक नमूना एकत्र किया। मौके पर रखे कुट्टू के आटे की गुणवत्ता बेहद संदिग्ध लगने पर 2,000 रुपये कीमत का 20 किलोग्राम कुट्टू का आटा सीज कर दिया गया। इसके पश्चात पचेंडा रोड स्थित 'मनोज प्रोविजन स्टोर' का निरीक्षण किया गया। नवरात्र व्रत के मद्देनजर यहां से कुट्टू का आटा, कुट्टू की गिरी और साबूदाना के नमूने जांच के लिए लिए गए। दुकान से 25,200 रुपये मूल्य का 210 किलोग्राम कुट्टू का आटा और 385 रुपये कीमत की 3.5 किलोग्राम कुट्टू की गिरी जब्त कर सीज की गई।

गौशाला मोहल्ले में मसाला निर्माणशाला पर छापा

इस कार्रवाई की सबसे बड़ी श्रृंखला शामली रोड स्थित गौशाला मोहल्ले में देखने को मिली, जहां नफीस अहमद की मसाला निर्माणशाला पर टीम ने दबिश दी। जांच के दौरान यहां भारी मात्रा में पिसे और साबुत मसालों का भंडारण मिला। टीम ने यहां से साबुत हल्दी, पिसी हल्दी, साबुत लाल मिर्च, पिसी लाल मिर्च और साबुत धनिया के एक-एक तथा पिसे धनिया के दो नमूने सहित कुल सात सैंपल सीज किए। घटिया गुणवत्ता और मिलावट की प्रबल आशंका को देखते हुए अधिकारियों ने 3,50,400 रुपये मूल्य के 2,860 किलोग्राम पिसे व साबुत मसालों को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आते ही होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई

खाद्य विभाग की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से जिले भर के मिलावटखोरों और मुनाफाखोर व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि नवरात्र के दौरान फलाहार और व्रत से जुड़े खाद्य पदार्थों की बिक्री अत्यधिक बढ़ जाती है, जिसका फायदा उठाकर कुछ असमाजिक तत्व घटिया और मिलावटी कुट्टू का आटा व मसाले बाजार में खपाने की कोशिश करते हैं।

मामला दर्ज हुआ

सहायक आयुक्त अर्चना धीरान ने स्पष्ट किया कि सीज किए गए सभी 14 नमूनों को राज्य खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होते ही संबंधित कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत न्यायालय में वाद दायर कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह चेकिंग अभियान पूरे त्योहार सत्र के दौरान निरंतर जारी रहेगा।

घरेलू विवाद का नया मोड़, मारपीट के वीडियो वायरल होने के बाद पत्नी पहुंची एसएसपी कार्यालय

चांदपुर गांव में पति-पत्नी के बीच पेड़ बेचने के पैसों को लेकर हुआ था विवाद, अब पत्नी ने ससुराल पक्ष पर लगाए मारपीट, प्रताड़ना और जान से मारने की कोशिश के गंभीर आरोप

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के गांव चांदपुर में पति-पत्नी के बीच चल रहा घरेलू विवाद अब नया मोड़ लेता नजर आ रहा है। पारिवारिक विवाद के बीच सोशल मीडिया पर मारपीट के वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। एक ओर वायरल वीडियो को लेकर पति मांगेराम के साथ मारपीट किए जाने की बात सामने आई, वहीं दूसरी ओर उसकी पत्नी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई और सुरक्षा की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि उसे और उसकी करीब 13 वर्षीय बेटी को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है तथा घर से निकालने की कोशिश की जा रही है। महिला ने अपने जेठ, ससुर और परिवार के अन्य सदस्यों पर पति को नशीली चीजें खिलाकर उसके साथ मारपीट कराने और खुद अपनी बेटी के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। उधर, पुलिस के मुताबिक, 12 अक्टूबर

को बेचे गए पेड़ के पैसों को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। पति का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें सामान्य चोटें आई हैं। दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिए जाने के बाद पुलिस मामले की जांच और काउंसलिंग करा रही है। नई मंडी थाना क्षेत्र के गांव चांदपुर निवासी एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के बीच चल रहा पारिवारिक विवाद सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया। मंगलवार को प्रसारित एक वीडियो को लेकर दावा किया गया कि उसमें कुछ महिलाएं एक महिला के साथ मारपीट करती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में महिला घर के अंदर जाने का प्रयास करती नजर आती है, जबकि दूसरी महिलाएं उसे बाहर निकालने की कोशिश करती दिखाई देती हैं। वीडियो को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। इससे पहले भी इसी पारिवारिक विवाद से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था। उस वीडियो में एक व्यक्ति ने आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी और बेटी ने सड़क पर दुपट्टे से उसका गला घोंटकर जान से मारने की कोशिश की। अब पिंकी के सामने आकर अपनी शिकायत दर्ज कराने और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाने के बाद मामला एक नया मोड़ लेता नजर आ रहा है। हालांकि, सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए आरोपों के संबंध में अंतिम स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

मंगलवार को एक महिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर अपने साथ हो रहे कथित उत्पीड़न की शिकायत की।

महिला ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा खुद और अपनी नाबालिग बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की। महिला के मुताबिक, उसकी शादी करीब 16 साल पहले गांव चांदपुर निवासी एक व्यक्ति के साथ हुई थी। उसकी एक बेटी है, जिसकी उम्र करीब 13 वर्ष बताई गई है। महिला का आरोप है कि उसका पति अक्सर शराब के नशे में रहता है और उसके साथ मारपीट करता है।

मुजफ्फरनगर में आईपीएल सट्टे में लाखों हारने के बाद पति बना हैवान: 1 लाख रुपये व बाइक के लिए पत्नी को पीटा, तीन पर मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। जनपद के थाना नई मंडी क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली और समाज को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। आईपीएल सट्टे की लत में मोटी रकम गंवाने के बाद एक पति ने अपनी भरपाई के लिए पत्नी पर अतिरिक्त दहेज लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता के साथ जमकर गाली-गलौज व मारपीट की और उसे जबरन मायके छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता की गुहार पर पुलिस ने पति, सास और ससुर के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना नई मंडी क्षेत्र के गांव कूकड़ा निवासी पीड़िता का विवाह 2 मई 2020 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार सहारनपुर जिले

के देवबंद कस्बे की टीचर कॉलोनी निवासी तुषार के साथ हुआ था। विवाहिता ने पुलिस को सौंपी गई अपनी शिकायत में बताया कि शादी के समय उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत से बढ़कर सोने-चांदी के आभूषण, कीमती कपड़े, गृहस्थी का सामान और भारी नकदी दी थी। शादी के बाद पीड़िता ने एक बेटे को जन्म दिया, जो अब करीब साढ़े चार साल का है। हालांकि, दिए गए दान-दहेज से ससुराल वाले कभी संतुष्ट नहीं हुए और आए दिन ताने मारते रहे। विवाहिता ने आरोप लगाया कि उसका पति तुषार आईपीएल मैचों के दौरान बड़े पैमाने पर सट्टा खेलता था और हाल ही में सट्टेबाजी में मोटी रकम हार गया था। इस नुकसान की भरपाई करने के लिए पति तुषार, सास रीटा और ससुर अशोक ने पीड़िता पर मायके से 1 लाख रुपये नकद और एक नई मोटरसाइकिल लाने का अनुचित दबाव बनाना शुरू कर दिया।

जब पीड़िता ने मायके वालों की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए असमर्थता जताई, तो उसके साथ आए दिन अमानवीय व्यवहार, गाली-गलौज और मारपीट की जाने लगी। पीड़िता ने अपने बच्चे के भविष्य और वैवाहिक रिश्ते को बचाने के लिए काफी सहने का प्रयास किया, लेकिन उत्पीड़न बढ़ता ही चला गया।

इस उत्पीड़न की हदें तब पार हो गईं जब 23 दिसंबर 2025 की दोपहर करीब ढाई बजे पति और सास-ससुर ने मिलकर विवाहिता के साथ बेरहमी से मारपीट की।

मुजफ्फरनगर में उफान पर सोलानी नदी: जलस्तर बढ़ने से तीन गांवों का संपर्क मार्ग कटा, जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त

मुजफ्फरनगर। जिले के पुरकाजी विकासखंड अंतर्गत शेरपुर खादर क्षेत्र में सोलानी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से तटीय इलाकों के ग्रामीणों की मुश्किलें एक बार फिर बेहद बढ़ गई हैं। पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हुई बारिश के बाद नदी के उफान पर आने से रामनगर, शेरपुर खादर और नगला गांव को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। सड़क पर कई फीट पानी भर जाने के कारण इन तीनों गांवों का कटऑफ मुख्य मार्ग से हो गया है। रोजमर्रा के आवश्यक कार्यों के लिए भी ग्रामीणों का गांव से बाहर निकलना दूभर हो गया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार हर साल मानसून और बारिश के दिनों में यह त्रासदी दोहराई जाती है, लेकिन प्रशासन द्वारा

अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। सोलानी नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ने वाले सभी रास्ते पानी में डूब गए हैं। सामान्य दिनों में जिन रास्तों से ग्रामीण आसानी से आवाजाही करते हैं, वहां अब बहता हुआ पानी नजर आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बंद होने से उन्हें लंबे और पथरीले वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे समय और धन दोनों की भारी बबार्दी हो रही है। कई स्थानों पर आपात स्थिति में लोग बहते पानी के बीच से ही जान जोखिम में डालकर रास्ता पार करने को विवश हैं, जिससे दुर्घटना का अंदेशा लगातार बना हुआ है। मार्गों पर भारी जलभराव का सबसे बुरा असर स्कूली बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहा है। पानी के तेज बहाव और गहराई का सटीक अंदाजा न होने के कारण अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं। समय पर स्कूल न पहुंच पाने और हादसों के डर से बच्चों की नियमित पढ़ाई बाधित हो रही है।

ग्रामीणों ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि जल्द ही पक्के और ऊंचे विकल्प की व्यवस्था नहीं की गई, तो बच्चों का पूरा शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो जाएगा। अस्पताल पहुंचना हुआ दूभर, मंडी तक फसल न पहुंचने से किसान भी बेहाल संपर्क मार्ग टूटने का सीधा असर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं और कृषि गतिविधियों पर पड़ा है। गांवों में अचानक किसी व्यक्ति या बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ने पर उसे एम्बुलेंस या निजी वाहन से अस्पताल ले जाना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है।

संपादकीय

भारतीय नाविकों की मौत, कब तय होगी जवाबदेही?

पश्चिम एशिया संघर्ष में 16 भारतीय नाविकों की मौत से चिंता बढ़ी। भारत को अपने नागरिकों की सुरक्षा और हमलों की जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। पश्चिम एशिया और फारस की खाड़ी में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने के साथ-साथ अब मानवीय संकट भी बढ़ता जा रहा है। समुद्री मार्गों में अपना प्रभाव मजबूत करने के लिए संघर्षरत पक्षों की ओर से भारत समेत अन्य देशों के नागरिकों को भी निशाना बनाया जा रहा है।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, फारस की खाड़ी और काला सागर में हमलों के दौरान अब तक सोलह भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या किसी युद्ध में आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सीधा उल्लंघन नहीं है?क्या इन हमलों के लिए वैश्विक स्तर पर संबंधित पक्षों की जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? दूसरी ओर, भारत के शासन की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। बिना किसी उकसावे के हो रहे इन हमलों में भारतीयों की मौत पर महज औपचारिक चिंता व्यक्त करने के बजाय भारत को ऐसी घटनाओं के खिलाफ कड़ा प्रतिरोध दर्ज करना चाहिए।इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम एशिया भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। फारस की खाड़ी के देशों में काम करने वाले भारतीय देश की अर्थव्यवस्था में भी अहम योगदान देते हैं। विदेश से भेजी जाने वाली उनकी कमाई देश के लिए विदेशी मुद्रा का एक बड़ा स्रोत है। इसलिए इस क्षेत्र में संघर्ष और अस्थिरता का सीधा असर भारत के नागरिकों की सुरक्षा और आर्थिक हितों पर पड़ना स्वाभाविक है।सरकार का दावा है कि होर्मुज जलमार्ग क्षेत्र से अब तक चार हजार से अधिक भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाया गया है। अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से इस जलमार्ग और फारस की खाड़ी के कुछ हिस्सों में जहाजों पर हमले लगातार बढ़े हैं। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार, युद्ध में शामिल पक्षों के लिए सैनिकों और आम नागरिकों के बीच अंतर करना अनिवार्य है।किसी तीसरे देश के नागरिकों को निशाना बनाना भी नियमों के खिलाफ है।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

(ललित गर्ग)

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है।

हिमालय केवल पर्वतों की एक श्रृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर

वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में 'कैरी मी बैक' अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि 'जितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकास' की सोच को 'जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन' में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।

हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बर्बादी लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं। ऐसे निर्माण में सरकारी स्तर पर सतर्कता की जो उम्मीद की जाती है, उसे नजरअंदाज किया गया।

हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है। आस्था और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। धार्मिक यात्रा का वास्तविक संस्कार तभी पूर्ण होगा जब तीर्थयात्री मंदिर से लौटते समय अपने साथ प्रसाद ही नहीं, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी लेकर लौटे। सरकारें व्यवस्था करें, स्थानीय समुदाय भागीदारी निभाएं और श्रद्धालु अपना कचरा वापस लाने का संकल्प लें-तभी हिमालय की पवित्रता सुरक्षित रह सकेगी। हिमालय को केवल देवभूमि कहने से उसकी रक्षा नहीं होगी, उसे देवभूमि की तरह व्यवहार देकर ही उसकी पवित्रता बचाई जा सकती है।

सितारों के विज्ञापन पर कौन रखेगा नजर? सेहत से खिलवाड़ करने वाले प्रचार पर जवाबदेही जरूरी

(मोनिका शर्मा)

पिछले दिनों राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिल्मी कलाकारों से आग्रह किया कि वे ऐसी चीजों का प्रचार न करें, जिनसे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

यह व्यावहारिक तथ्य है कि लोकप्रियता अपने साथ जिम्मेदारी भी लाती है। फिल्मी दुनिया हो या खेल जगत, राजनीति का पटल हो, समाज सुधार से जुड़े चर्चित व्यक्तित्व-कमोबेश सभी क्षेत्रों से जुड़े सफल चेहरों की बातें और बर्ताव न केवल चर्चा का विषय बनते हैं, बल्कि उनका अनुसरण करने की मानसिकता भी खूब देखने को मिलती है। विशेषकर युवाओं पर उनकी हर गतिविधि का असर होता है। लोकप्रिय चेहरों की ओर से आमजन को प्रभावित करने के इस मोर्चे पर फिल्मी सितारे सबसे आगे होते हैं।

यहां तक कि परदे पर दिखती कोई भूमिका भी लोगों के मन में उतर जाती है। उनके व्यक्तिगत जीवन की बातों का भी आमजन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में सोशल मीडिया की बढ़ती पहुंच के कारण फिल्मी सितारों के माध्यम से आभासी मंचों पर परोसी गई सामग्री भी युवाओं के मानस पर दस्तक देने लगी है। पल-पल सामने आते अपने पसंदीदा चेहरों द्वारा किए गए विज्ञापन बहुत सरलता से उन्हें किसी बुरी लत, नकारात्मक बर्ताव या जीवन को असहज करने वाली आदत का अनुसरण करने के मार्ग पर धकेल देते हैं।

सेहत से खिलवाड़ करने वाले उत्पादों का प्रचार करते ही क्यों हैं?

पिछले दिनों राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिल्मी कलाकारों से आग्रह किया कि वे ऐसी चीजों का प्रचार न करें, जिनसे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। जाहिर है, लोकप्रिय चेहरों का हानिकारक उत्पादों का प्रचार करना पूरी सामाजिक व्यवस्था पर असर डालता है। यही कारण है कि सोच-समझकर पूरे योजनागत ढंग से चर्चित हस्तियों को ऐसे प्रचार का हिस्सा बनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से भी कहा जा चुका है कि दुनिया भर में हर साल तंबाकू उत्पादों के सेवन से लगभग अस्सी लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। आम लोगों को बहकाने के लिए विज्ञापन रणनीतियों का सहारा लिया जाता है, जिन पर अरबों रुपये खर्च किए जाते हैं।

इसमें दोराय नहीं कि नामी-गिरामी हस्तियों की खास छवि की जनमानस में गहरी पैठ होती है। जन-कल्याण से जुड़ी सजगता का संदेश देने वाले विज्ञापन हों या विशुद्ध व्यावसायिक उत्पादों का प्रचार, लोकप्रिय चेहरों की पहुंच और प्रभाव दोनों असरकारी साबित होते हैं। यही वजह है कि कंपनियां मोटी धनराशि चुकाकर इन सितारों को अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चुनती हैं। इससे मिलने वाली रकम के लालच में अधिकतर चर्चित चेहरे बिना किसी मापदंड के किसी भी उत्पाद या सेवा के उपयोग की सलाह देते दिखाई पड़ते हैं। ऐसे में किसी प्रचार के माध्यम से समाज को संदेश देने से पहले उसके असर को समझना लोकप्रिय चेहरों का दायित्व होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट और डब्ल्यूएचओ ने भी पहले चेताया है

आज की बदलती जीवनशैली में स्थान बना चुके बहुत से उत्पादों-सेवाओं के नुकसान किसी से छिपे नहीं हैं। विशेषकर मादक पदार्थों, शीतल पेय और अन्य तरह की ऑनलाइन गतिविधियों के खतरे जग-जाहिर हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कुछ समय पहले तंबाकू उत्पादों की खुलेआम बिक्री पर कड़ी नाराजगी जताई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कई बार चेताया है कि धीमा जहर कहे जाने वाले तंबाकू उत्पाद कई जानलेवा बीमारियों की जड़ हैं।

शराब की आदत भी दुर्घटनाओं और अपराधों के आंकड़े बढ़ाने से लेकर स्वास्थ्य बिगाड़ने तक कई जोखिम साथ लाती है। ऐसे में लोकप्रिय सितारों को जनता से मिले प्रेम, सराहना और विश्वास के भाव की अनदेखी करने के बजाय अपने दायित्व को समझना चाहिए। उन्हें हानिकारक उत्पादों का प्रचार कर उनका बाजार बढ़ाने की वकालत करने का रास्ता चुनने से बचना चाहिए।

कलाकारों को अपने प्रभाव के साथ ही कानून का सम्मान करते हुए किसी उत्पाद, व्यवहार या आदत का प्रचार करते समय अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रचार की मायावी दुनिया का खेल ही छलावे के दम पर चलता है। आमतौर पर इस छलावे का शिकार उपभोक्ता बनते हैं। गौर करने वाली बात है कि फिल्म और मनोरंजन जगत के जिन चर्चित चेहरों को लेकर उत्पाद या सेवा को प्रचारित किया जाता है, वे स्वयं इसका इस्तेमाल नहीं करते।

विशेषकर तब, जब कोई उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो। यह दुखद है कि उत्पादों-सेवाओं के प्रचार को लेकर किसी भी तरह की जिम्मेदारी की भावना कभी रही ही नहीं। यही वजह है कि हिंदी सिनेमा के कई सितारे पान मसाला और कई अन्य हानिकारक उत्पादों का प्रचार वर्षों से करते आ रहे हैं। कानूनी तौर पर भी ऐसे प्रचार को लेकर कार्रवाई बहुत कम देखने को मिलती है।

खेती के भविष्य से लेकर हमारी थाली तक अहम है बीज पर अधिकार का सवाल

वर्ष 2023 में सूचना के अधिकार के तहत दी गई जानकारी में सामने आया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के पास आयातित फल-सब्जियों में जीएम उत्पादों की जांच का ठोस डेटा नहीं था। मई, 2025 में प्राधिकरण ने जीएम खाद्य पदार्थों के आयात पर परामर्श पत्र जारी किया, लेकिन निगरानी पर सवाल अभी भी बने हुए हैं। क्या लोगों को यह जानने का अधिकार है कि उनकी थाली में क्या पहुंच रहा है? बीज का मसला खेत से अलग नहीं है। उसके साथ मिट्टी, पानी, खाद, कीटनाशक और खेती की पूरी लागत जुड़ी है।

(निमिषा सिंह)

बीजों की बदलती दुनिया में किसान के अधिकार, आत्मनिर्भरता, जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा को बचाए रखते हुए नई कृषि तकनीकों और स्थानीय बीजों के बीच संतुलन बनाना क्यों जरूरी है। समय के साथ खेती बदली और इस बदलाव के साथ बीज की कहानी भी बदलती चली गई। आज बीज सिर्फ खेत में बोया जाने वाला दाना नहीं रह गया। उसके साथ बाजार, तकनीक, पेटेंट और कंपनियां जुड़ गई हैं। जाहिर है, जब बीज की दुनिया इतनी बदल गई, तो उस पर बहस भी होनी थी। यह बहस सिर्फ बीज की किस्मों तक सीमित नहीं रही, बल्कि किसान की पसंद, उसके अधिकार और खेती के भविष्य तक पहुंच गई। इसे समझने के लिए थोड़ा पीछे लौटना होगा-वहीं, जहां से खेती शुरू होती है, बीज से। पारंपरिक खेती में किसान अच्छी फसल से कुछ बीज अगली बुआई के लिए बचाकर रखता था। बेहतर किस्म के बीजों का आपस में आदान-प्रदान भी होता रहा। इससे अच्छे बीज एक किसान के खेत तक सीमित नहीं रहते थे। कौन-सा बीज किस मिट्टी में अच्छा फलेगा, कम पानी में कौन-सी किस्म टिकेगी और उसे वर्षों तक कैसे सुरक्षित रखना है, यह ज्ञान पीढ़ियों के अनुभव से बना था। यानी बीज सिर्फ फसल की शुरुआत नहीं, बल्कि किसान की अपनी तैयारी और आत्मनिर्भरता का हिस्सा था।

विकल्प बनाम निर्भरता – बीज जब खेत से निकलकर बाजार में पहुंचा, तो खेती

के बदलते दौर के साथ बीजों की दुनिया भी बदली। हरित क्रांति में अधिक उत्पादन देने वाली हाइब्रिड किस्मों और उन्नत बीजों का इस्तेमाल बढ़ा, जिनमें अलग-अलग किस्मों के अच्छे गुणों को संकरण के जरिए एक साथ लाने की कोशिश की जाती है। इससे कई फसलों में बेहतर पैदावार मिली, लेकिन अगली पीढ़ी में वही गुण कायम रहें, यह जरूरी नहीं है। ऐसे में किसान को नया बीज खरीदना पड़ सकता है। फिर सवाल उठा कि बदलते बीज बाजार ने किसानों के लिए विकल्प बढ़ाए हैं या उनकी आत्मनिर्भरता को कमजोर किया है। इसके बाद बहस जीएम यानी आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों तक पहुंचती है। इनमें पौधे के आनुवंशिक गुणों में वैज्ञानिक तरीके से बदलाव कर कोई खास गुण लाने की कोशिश की जाती है- जैसे कीट प्रतिरोध, रोग-सहनशीलता या पोषण संबंधी गुण। भारत में जीएम बीजों की बहस मुख्यतः बीटी कपास के अनुभव से जुड़ी रही है, जिसके परिणामों को लेकर भी अलग-अलग मत हैं। जीएम फसलों के खुले में उत्पादन को लेकर चिंताएं कम नहीं हैं। आशंका है कि अगर ये फसलें खुले में उगाई गईं, तो पर-परागण के कारण भारत की मूल प्राकृतिक फसलें हमेशा के लिए खत्म हो सकती हैं। इसी बीच, एचटी-बीटी जैसे अनधिकृत जीएम बीजों की बिक्री और खेती की खबरें भी सामने आती रही हैं। इससे एक बुनियादी सवाल उठता है कि जब अनधिकृत बीज नियमन से बाहर बाजार तक पहुंच सकते हैं, तो नई बीज तकनीकों की निगरानी और किसानों तक सही जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था कितनी मजबूत है?

स्वायत्तता का सवाल – यहीं से बीज की बहस एक विवादित तकनीक तक पहुंचती है- 'टर्मिनेटर सीड'। इसे 'जेनेटिक यूज रेस्ट्रिक्शन टेक्नोलॉजी' कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें, तो इसमें पौधे की अगली पीढ़ी के बीजों को इस तरह तैयार किया जा सकता है कि वे दोबारा बोने लायक न रहें। यानी किसान फसल तो पैदा करे, लेकिन उसके बीज को संरक्षित कर अगली फसल के लिए इस्तेमाल न कर सके। इसी वजह से यह तकनीक किसान की बीज-स्वायत्तता और जैव विविधता को लेकर विवाद में है। देश में ऐसी तकनीक से तैयार बीज की किस्मों के पंजीकरण पर कानूनी रूप से रोक है। जैव विविधता के संरक्षण से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते में भी सावधानी का रुख अपनाते हुए पर्याप्त वैज्ञानिक आकलन के बिना ऐसे बीजों की खेती के परीक्षण और व्यावसायिक इस्तेमाल को मंजूरी न देने की बात कही गई है। इसलिए 'टर्मिनेटर सीड' आज भारत में कोई सामान्य कृषि तकनीक नहीं है, लेकिन इसकी बहस एक बड़ा सवाल जरूर छोड़ती है कि खेती में बीज सिर्फ खरीदने-बेचने की वस्तु है या उस पर किसान का अपना अधिकार भी होना चाहिए?

सेहत की फिक्र – खेती और बीजों की बहस आखिरकार हमारी थाली और स्वास्थ्य से भी जुड़ती है। किसी फसल का हाइब्रिड और उन्नत या जीएम होना अकेले उसकी स्वास्थ्य-सुरक्षा तय नहीं करता। यह भी देखना जरूरी है कि उसे उगाने में क्या इस्तेमाल हुआ। भोजन में उसके अवशेष कितने बचे और स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ा। हर उत्पाद की अलग जांच जरूरी है। बहस डर की नहीं, जांच और पारदर्शिता की होनी चाहिए। वर्ष 2023 में सूचना के अधिकार के तहत दी गई जानकारी में सामने आया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के पास आयातित फल-सब्जियों में जीएम उत्पादों की जांच का ठोस डेटा नहीं था।

शामली में मिशन शक्ति की मिसाल: 7वीं की छात्रा अलीशा बनीं एक दिन की बीएसए, हुमा कुरैशी को मिली बालिका शिक्षा समन्वयक की कमान

बीएसए दफ्तर में बैठकर सुनीं जनसमस्याएं और सीखी प्रशासनिक कार्यप्रणाली

शामली। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेटियों के सशक्तिकरण, स्वावलंबन और उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति' विशेष अभियान के तहत जनपद शामली में एक प्रेरणादायक और ऐतिहासिक पहल देखने को मिली है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बनत में कक्षा 7 की होनहार छात्रा अलीशा को सांकेतिक रूप से 1 दिन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) शामली की महत्वपूर्ण प्रशासनिक कुर्सी सौंपी गई। वहीं, इसी विद्यालय की छात्रा हुमा कुरैशी को 1 दिन के लिए जिला समन्वयक बालिका शिक्षा का प्रभार सौंपा गया।

बीएसए संतोष कुमार ने सिखाए प्रशासनिक गुण

इस विशेष अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शामली, श्री संतोष कुमार जी ने छात्रा अलीशा का स्वागत किया और उन्हें पद की गरिमा, दायित्वों, दैनिक प्रशासनिक कार्यप्रणाली तथा विभागीय फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में बारीकी से समझाया। बीएसए की कुर्सी संभालते ही छात्रा अलीशा पूरी गंभीरता के साथ प्रशासनिक कामकाज में जुट गई। उसने दफ्तर में आयोजित जनसुनवाई में आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण की पूरी व्यवस्था को करीब से समझा। इसके अलावा, शिक्षा विभाग का अन्य विभागों के साथ किस प्रकार अंतर-विभागीय समन्वय रहता है, इसकी भी प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

बेटियों के आत्मनिर्भर भविष्य की रची गई नींव

'एक दिन के अफसर' के इस अनूठे व जीवंत अनुभव ने न केवल छात्रा अलीशा और हुमा कुरैशी के भीतर आत्मविश्वास का संचार किया, बल्कि उनके अंदर निर्णय लेने की क्षमता, प्रशासनिक दृष्टि और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी मजबूत बनाया। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि 'प्रतीकात्मक नेतृत्व' का यह अनुभव अन्य छात्राओं के लिए भी एक बड़ा प्रेरणास्त्रोत बनेगा, जिससे वे उच्च पदों पर पहुंचने और देश सेवा करने के अपने सपनों को पंख दे सकेंगी। बेटियों को ऐसा नेतृत्व प्रदान करना ही एक सशक्त, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार भविष्य की वास्तविक नींव है।

भट्टे पर मजदूरी कर जुटाए 1.08 लाख, घर से नकदी-जेवर चोरी

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर की जांच, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य; खुलासे के लिए टीम गठित

थानाभवन। गांव मनट में घर में सो रहे परिवार को निशाना बनाकर चोरों ने नकदी, सोने-चांदी के जेवर और तीन मोबाइल चोरी कर लिए। चोरों ने अलमारी का ताला खोलकर भट्टे पर मजदूरी कर जुटाए गए ₹1.08 लाख भी पार कर दिए। घटना की सूचना मिलते ही थाना भवन पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह रावत ने घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द खुलासा किया जाएगा।

गांव मनट निवासी पप्पी ने थाना भवन थाने में तहरीर देकर बताया कि बीती रात वह और उसके परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर किसी समय घर में घुस आए। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का ताला खोलकर उसमें रखे ₹1 लाख 8 हजार रुपये चोरी कर लिए। इसके अलावा घर में रखे सोने-चांदी के जेवर और तीन मोबाइल भी चोरी कर लिए।

पीड़ित के मुताबिक, चोरी हुई नकदी उसने ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करके जमा की थी। मेहनत की कमाई चोरी होने से परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ है। चोरी किए गए तीन मोबाइल में से दो पास के खेत से बरामद हुए हैं।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, खुलासे के लिए टीम गठित

घटना की सूचना मिलने पर थाना भवन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस आसपास के साक्ष्यों और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

इंस्पेक्टर बोले- जल्द होगा खुलासा

थाना भवन थाना प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

शामली में दिनदहाड़े मोबाइल लूट का आरोप, बाइक सवार दो युवकों पर फोन छीनने का दावा; पुलिस जांच में जुटी

शामलीः जनपद की सदर कोतवाली क्षेत्र के सिटी के पानीपत खटीमा हाईवे मार्ग पर दिनदहाड़े एक युवक से दो बाइक स्वरों ने एक मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया है।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुड़ गई है। हालांकि पुलिस लूट के मामले को संदिग्ध मान रही है। आपको बता दे कि मामला शामली जनपद के पानीपत खटीमा हाईवे मार्ग का है जहा दिन दहाड़े आज शामली से गांव जाने वाले युवक रवि के साथ बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम देते हुए उसका मोबाइल फोन छीन लिया दिनदहाड़े हुई मोबाइल लूट की घटना जहां पुलिस के कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है वहीं पुलिस की ग्रस्त का भी पोल खोल रही है जबकि मात्र कुछ ही दूरी पर एसपी आवास भी है पीड़ित ने घटना के बाद जहां पुलिस को सूचना दी है। वहीं पीड़ित ने तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है पीड़ित ने बताया कि कैराना रोड पर ब्रेकप्वाइंट रेस्टोरेंट से आगे और पेट्रोल पंप के नजदीक उसके साथ दो बाइक सवार ने लूट की घटना को अंजाम दिया पुलिस अब मामले की जांच पड़ताल करते हुए आगे की कार्रवाई कर रही है हालांकि पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है।

शामली में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के बाद एक्शन मोड में प्रशासन: एसडीएम ने ली मान्यता प्राप्त दलों व बीएलओ की बैठक, घर-घर सत्यापन के सख्त निर्देश

पुरानी सूची से कटे नामों का घर-घर जाकर होगा भौतिक सत्यापन, फॉर्म-6 भरकर पुनः जोड़े जाएंगे वैध मतदाताओं के नाम

शामली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के प्राप्त निदेशों के क्रम में जिला प्रशासन शामली पूरी तरह हरकत में आ गया है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के पश्चात आगामी विशेष अभियानों को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, शामली की अध्यक्षता में दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया। प्रथम चरण में तहसील शामली के सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्षों व प्रतिनिधियों के साथ सुबह 11:00 बजे संवाद स्थापित किया गया, जबकि द्वितीय चरण में विधानसभा क्षेत्र 10-शामली के समस्त बीएलओ को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए।

राजनीतिक दलों की मौजूदगी में तीन प्रमुख बिंदुओं पर हुई सहमति

तहसील शामली के सभागार में आयोजित प्रथम बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बैठक में कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से सुभाष चंद, बहुजन समाज पार्टी से विक्रांत बर्मन एवं समाजवादी पार्टी से हरेंद्र जावला उपस्थित रहे। उपजिलाधिकारी की मौजूदगी में राजनीतिक दलों के साथ निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर रणनीति तय की गई। इसमें ऐसे मतदाता जिनका नाम पुरानी मतदाता सूची में शामिल था, परंतु वर्तमान मतदाता सूची में प्रदर्शित नहीं हो रहा है, उनकी पृथक सूची तैयार कर घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन किया जाएगा। वहीं भौतिक सत्यापन के दौरान यदि मतदाता पूर्व पते पर ही निवास करता पाया जाता है, तो उसका तत्काल फॉर्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में नाम पुनः सम्मिलित किया जाएगा। इसके अलावा सत्यापन के दौरान छूटे हुए सभी पात्र नागरिकों और नए युवा मतदाताओं से अनिवार्य रूप से फॉर्म-6 भरवाया जाएगा।

एक सप्ताह में अधिकतम संपर्क का लक्ष्य

इसके उपरांत आयोजित दूसरी महत्वपूर्ण बैठक में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 10-शामली के समस्त बूथ लेवल अधिकारियों (BLOs) को उपजिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा स्पष्ट एवं कड़े निर्देश दिए गए। इसमें बीएलओ अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में घर-घर जाकर शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करेंगे। उसी पते पर निवास कर रहे छूटे हुए मतदाताओं का फॉर्म-6 भरवाकर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराया जाएगा। 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नवीन युवा मतदाताओं तथा छूटे हुए नागरिकों के आवेदन प्राथमिकता के आधार पर भरवाए जाएंगे। इसके अलावा प्रत्येक बीएलओ एक सप्ताह की समय-सीमा के भीतर अधिक से अधिक मतदाताओं से अनिवार्य रूप से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करेंगे। दोनों ही महत्वपूर्ण बैठकों के दौरान नायब तहसीलदार श्री अमन कुमार, सुश्री रितु सिंह तथा श्री त्रिपुरेश मणी त्रिपाठी सहित तहसील प्रशासन के अन्य अधिकारीगण और कर्मचारी उपस्थित रहे।

लक्सर में 28 अक्टूबर को जुटेगा गुर्जर समाज, सरदार पटेल की जयंती पर उठेंगी तीन प्रमुख मांगें

राष्ट्रीय गुर्जर महासभा उत्तराखंड का भव्य आयोजन, 36 कौमों को एक मंच पर लाकर सामाजिक एकता और राष्ट्रीय अखंडता का दिया जाएगा संदेश

हरिद्वार। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय गुर्जर महासभा, उत्तराखंड की ओर से 28 अक्टूबर 2026 को चन्दन पैलेस, लक्सर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन में गुर्जर समाज सहित सभी 36 कौमों के लोगों के शामिल होने की अपील की गई है। कार्यक्रम के माध्यम से सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करने के साथ सामाजिक एकता, राष्ट्रीय अखंडता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर महासभा केंद्र सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें भी उठाएगी।

राष्ट्रीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रविंदर सिंह गुर्जर ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आजादी के बाद देशी रियासतों का भारत में विलय कराकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व के कारण उन्हें लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का योगदान केवल रियासतों के एकीकरण तक सीमित नहीं था। बारडोली किसान आंदोलन में उनके नेतृत्व ने किसानों के अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी। उनका जीवन संघर्ष, संगठन, जनसेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। आज की युवा पीढ़ी को उनके विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

सरदार पटेल के सम्मान में उठेंगी तीन मांगें

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी एडवोकेट यशवीर सिंह गुर्जर ने बताया कि कार्यक्रम में समाज और राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही केंद्र सरकार से तीन प्रमुख मांगें उठाई जाएंगी।

पहली मांग अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम पुनः सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर रखने की है। महासभा का कहना है कि देश की एकता और अखंडता में सरदार पटेल के ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए स्टेडियम का नाम उनके नाम पर बहाल किया जाना चाहिए।

दूसरी मांग नोएडा के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम अमर शहीद धन सिंह कोतवाल गुर्जर के नाम पर रखने की है। महासभा का कहना है कि स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को उचित सम्मान देने के लिए यह कदम उठाया जाना चाहिए।

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर ओवरस्पीडिंग का कहर, दो महीने में 2500 वाहनों के चालान

100 किमी प्रति घंटे की तय सीमा, 170 से 220 की रफ्तार से दौड़ रहे वाहन; हादसों का बढ़ा खतरा

शामली। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर वाहन चालकों की लापरवाही और तेज रफ्तार सड़क हादसों का खतरा बढ़ा रही है। कॉरिडोर पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा 100 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित है, लेकिन इसके बावजूद कई वाहन चालक 170 से 220 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन दौड़ा रहे हैं। तेज रफ्तार के कारण वाहन चालकों के साथ दूसरे लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। यातायात पुलिस की जांच में सामने आया है कि पिछले दो महीनों में शामली क्षेत्र में ओवरस्पीडिंग करने वाले करीब 2,500 वाहनों के चालान किए गए हैं। पुलिस इसके लिए इंटरसेप्टर लेजर स्पीड गन का इस्तेमाल कर रही है। निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार मिलने पर वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

वीकेंड पर बढ़ जाते हैं ओवरस्पीडिंग के मामले

पुलिस जांच के अनुसार, शुक्रवार और शनिवार को दिल्ली से देहरादून जाने वाले वाहनों में तेज रफ्तार के मामले अधिक देखने को मिलते हैं। वहीं, रविवार रात और सोमवार सुबह देहरादून से दिल्ली लौटने वाले वाहनों की गति भी अधिक रहती है। वीकेंड पर घूमने-फिरने की जल्दबाजी और कारोबार के सिलसिले में समय पर पहुंचने की कोशिश में कई चालक यातायात नियमों की अनदेखी करते हैं।

लग्जरी गाड़ियां भी शामिल

कॉरिडोर पर ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहनों में लग्जरी गाड़ियां भी शामिल हैं। चालक कई बार जल्दबाजी में निर्धारित गति सीमा को पार कर जाते हैं। तेज रफ्तार के दौरान जरा-सी चूक भी बड़े सड़क हादसे का कारण बन सकती है। पुलिस के अनुसार, ओवरस्पीडिंग के कारण पहले भी हादसे हो चुके हैं।

जुमार्ने के साथ हो रही कार्रवाई

शामली टीएसआई लाल विराट भारद्वाज ने बताया कि दो महीने में ओवरस्पीडिंग के करीब 2,500 चालान किए हैं। दिसंबर में भी ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहने की जानकारी दी गई है। नियमों का उल्लंघन करने पर बड़े वाहनों पर चार हजार रुपये और छोटे वाहनों पर दो हजार रुपये तक का जुमार्ना किए जाने का उल्लेख किया गया है। टीएसआई लाल विराट भारद्वाज का कहना है कि कॉरिडोर पर निर्धारित गति सीमा का पालन करना जरूरी है। वाहन चालकों को अपनी और दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तेज रफ्तार से बचना चाहिए।

रंग संसार

राधिका मदानः एक्ट्रेस ने बयां किया दर्द, सुनाया बचपन का किस्सा; बताया कैसे खुद को ट्रोलिंग से बचाया

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाव झेलने पर बात की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के लुक को ट्रोल करने पर भी काफी कुछ कहा। जानें क्या बोलीं राधिका मदान ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपना निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा, ह्यमैंने फिल्म 'पटाखा' के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और 'शिद्दत' व 'अंग्रेजी मीडियम' के लिए मैं वह वजन घटा रही थी। इस दौरान मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई हूं और हीरोइन कैसे बन सकती हूं? इसके बाद लगातार शूटिंग करते हुए मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल हड्डियों का ढांचा बन गई। आगे अपने इंटरव्यू में राधिका ने कहा, मैंने खुद से पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की कोशिश क्यों कर रही हूं, जबकि वे कभी खुश नहीं होंगे? इसलिए, मैंने एक खास शारीरिक बनावट पाने की चाहत के बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं करती, क्योंकि आप समझदार हो जाते हैं। आपको नहीं पता कि उनकी आलोचना किस असुरक्षा से उपजी है। लेकिन मुझे इस बात का सुकून है कि अब मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हूं। अपनी बातचीत में राधिका मदान ने कहा, मुझे खुद से प्यार करने का विचार थोड़ा घिसा-पिटा लगता है, लेकिन आपको खुद को स्वीकार करना होगा। अपनी खूबियों के बारे में सोचना होगा। स्कूल के दिनों में मेरी भौहें जुड़ी हुई थीं और बहुत ज्यादा बाल थे। चूंकि मेरे माता-पिता का व्यवहार बहुत पॉजिटिव था, इसलिए मुझे इतना बढ़ावा दिया गया कि मुझे लगा कि लोगों को यह नहीं पता कि मैं कितनी सुंदर हूं।

राज काज

श्रम व रोजगार मंत्रालयः ईपीएफओ की माफी योजना, ट्रस्टों को छूट नियमित करने का मिला सुनहरा मौका

श्रम व रोजगार मंत्रालय ने भविष्य निधि ट्रस्टों के लिए एक महत्वपूर्ण माफी योजना पेश की है। यह योजना कर्मचारी भविष्य निधि योजना 2026 के तहत शुरू की गई है। इसका उद्देश्य उन ट्रस्टों को एक बार का अवसर देना है जिनके पास औपचारिक छूट आदेश नहीं है। यह प्रावधान 29.06.2026 को अधिसूचित किए गए थे। इन्हें एक संक्रमणकालीन उपाय के रूप में लागू किया गया है। इन प्रावधानों से उन भविष्य निधि ट्रस्टों को लाभ मिलेगा जो आयकर अधिनियम, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त हैं। हालांकि, इन ट्रस्टों के पास कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 की धारा 17 के तहत औपचारिक छूट आदेश नहीं है। इसी तरह, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 143 के तहत भी उनके पास यह आदेश नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने इस बारे में अधिकतम जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए पहल की है। संगठन ने देश भर में व्यापक बहु-चैनल अभियान चलाए हैं।क्या है यह माफी योजना और किसे मिलेगा लाभ? यह माफी योजना भविष्य निधि ट्रस्टों के लिए एक विशेष अवसर है। यह उन्हें अपनी छूट की स्थिति को नियमित करने में मदद करेगी। कई ट्रस्ट आयकर अधिनियम, 1961 के तहत पंजीकृत हैं। लेकिन उनके पास ईपीएफ और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 या सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत औपचारिक छूट आदेश नहीं है। यह एक बार का मौका है ताकि ऐसे ट्रस्ट अपनी स्थिति को कानूनी रूप से सही कर सकें। ईपीएफओ ने इस योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। संगठन ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (आईसीएआई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) जैसे प्रमुख उद्योग निकायों के साथ बैठकें की हैं।चार्टर्ड अकाउंटेंट और वैधानिक लेखा परीक्षकों को योग्य भविष्य निधि ट्रस्टों की पहचान करने और उनकी सहायता करने के लिए शामिल किया गया है। इसके साथ ही, ईपीएफओ के क्षेत्रीय और आंचलिक कार्यालयों ने भी देशव्यापी सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

दैनिक राशिफल बुधवार 14 अक्टूबर 2026

मेष – परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष – जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्ककुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

कर्क – किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

सिंह– भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

कन्या – शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला – जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

वृश्चिक – स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

धनु – बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

मकर – संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढने.के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है।

कुंभ – महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन – शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

14 अक्टूबर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

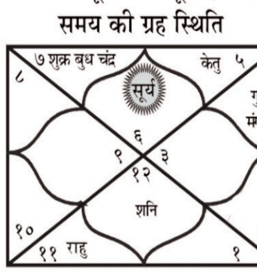

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	तुला में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.20 बजे से
वृश्चिक	08.34 ब.से
धनु	10.50 बजे से
मकर	12.55 बजे से
कुंभ	14.42 बजे से
मीन	16.15 बजे से
मेष	17.45 बजे से
वृष	19.25 बजे से
मिथुन	21.23 बजे से
कर्क	23.37 बजे से
सिंह	01.53 बजे से
कन्या	04.05 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 286 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 23.28 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 01.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 20.24 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 10.47 बजे तदनन्तर गर 23.28 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 2.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 07° 42' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872861 **जूलियन दिन** 2461326.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरियों का सम्मानः सीएम योगी ने की 5 लाख के मुफ्त कैशलेस स्वास्थ्य बीमा की घोषणा, अधिकारियों ने दिए प्रशस्ति पत्र

बरेली में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का हुआ सीधा प्रसारणः मंत्रियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रशस्ति पत्र देकर बढ़ाया प्रहरियों का मान

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशन में मंगलवार को मुजफ्फरनगर पुलिस लाइन परिसर के मंदिर प्रांगण में जनपद के समस्त ग्राम प्रहरियों (चौकीदारों) के लिए एक भव्य एवं गरिमामयी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जनपद बरेली में आयोजित राज्यस्तरीय मुख्य कार्यक्रम से मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का सजीव प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) मुजफ्फरनगर में दिखाया गया, जिसे उपस्थित सभी ग्राम प्रहरियों और अधिकारियों ने एकाग्रता से सुना। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशभर के ग्राम प्रहरियों के कल्याण के लिए 5 लाख रुपये के मुफ्त कैशलेस स्वास्थ्य बीमा की ऐतिहासिक घोषणा की, जिससे जनपद के ग्रामीण सुरक्षाकर्मियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार और राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सराहा योगदान

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने ग्राम प्रहरियों के योगदान को कानून-व्यवस्था की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आंचल में शांति व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों की सटीक सूचना पुलिस तक पहुंचाने में ग्राम प्रहरी सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। वहीं, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि ग्राम प्रहरी पुलिस और आम जनता के बीच एक मजबूत सेतु की तरह कार्य करते हैं। उन्होंने सभी चौकीदारों से पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का

आह्वान किया।

ग्राम प्रहरी सुरक्षा तंत्र का अभिन्न अंगः जिलाधिकारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था की अंतिम कड़ी ग्राम प्रहरी ही हैं। उनकी सजगता से स्थानीय स्तर पर सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान संभव हो पाता है, जिससे कई संभावित अपराधों को समय रहते रोका जा सकता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर सूरज कुमार राय ने कहा कि ग्राम प्रहरी पुलिस प्रणाली के बेहद महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। वे गांव-गांव में पुलिस की आंख और कान के रूप में काम करते हैं। एसएसपी ने उन्हें सतर्कता और तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रशस्ति पत्र देकर बढ़ाया मनोबल

समारोह के दौरान मंच पर मौजूद अतिथियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने जनपद के समस्त ग्राम प्रहरियों को प्रशस्ति पत्र और आवश्यक उपयोगी सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं समन्वय एसपी क्राइम (मिशन शक्ति नोडल अधिकारी) श्रीमती इंदु सिद्धार्थ द्वारा किया गया।

एसएसपी ने पौधे भेंट कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने उपस्थित मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों को पौधे भेंट कर सम्मानित किया और समाज में हरित परिवेश तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का संदेश दिया। कार्यक्रम में एसपी सिटी अमृत जैन सहित पुलिस व प्रशासन के अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीरामलीला में फूल बगिया प्रसंग एवं धनुष प्राप्ति की लीला का भव्य मंचन

शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु, अनिल बिंदल और कुश पुरी ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी नई मंडी के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य श्री रामलीला महोत्सव में फूल बगिया प्रसंग एवं भगवान शिव के दिव्य धनुष की प्राप्ति से संबंधित लीला का मनोहारी मंचन किया गया। इस दौरान कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। लीला देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उद्यमी अनिल बिंदल एवं प्रमुख समाजसेवी कुश पुरी ने दीप प्रज्वलित कर तथा भगवान श्रीराम की आरती उतारकर किया। इसके बाद श्री श्यामा श्याम ब्रज लोक लीला संस्थान के कलाकारों ने धार्मिक प्रसंगों का सजीव मंचन प्रस्तुत किया। लीला के अंतर्गत गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर प्रभु श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण के साथ राजा जनक की पुष्प वाटिका में पूजा के लिए फूल लेने पहुंचते हैं। वहां माता सीता को अपनी सखियों के साथ देखकर प्रभु श्रीराम मुग्ध हो जाते हैं। वहीं माता सीता भी प्रभु श्रीराम के दिव्य स्वरूप को

देखकर मन ही मन उन्हें अपने पति के रूप में स्वीकार कर लेती हैं। इस भावपूर्ण प्रसंग का कलाकारों ने सुंदर अभिनय किया, जिसे देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। इसके पश्चात राजा जनक को भगवान शिव का दिव्य धनुष प्राप्त होने से संबंधित प्रसंग का मंचन किया गया। श्री श्यामा श्याम ब्रज लोक लीला संस्थान के कलाकारों ने अपनी अभिनय कला, संवाद और प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से धार्मिक प्रसंग को जीवंत कर दिया। मंचन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए और वातावरण भक्तिमय हो गया।

कमेटी पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु रहे मौजूद

इस अवसर पर श्री रामलीला कमेटी नई मंडी के अध्यक्ष संजय मित्तल, मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, बृज गोपाल छारिया, प्रवीण कुमार एडवोकेट, राजीव अग्रवाल, अभिषेक कुच्छल, उपेंद्र मित्तल, विदित गुप्ता, संजय जिंदल काका, विनोद संगल, राजेश गोयल, विवेक गर्ग, मुकेश गुप्ता, शरद गोयल, विवेक बंसल और राजेंद्र सिंघल सहित कमेटी के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं देने की तैयारी, स्पोर्ट्स स्टेडियम के निर्माण कार्यों पर प्रशासन की नजर

सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने चौधरी चरण सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम का किया औचक निरीक्षण, सिंथेटिक ट्रैक समेत अन्य कार्यों की गुणवत्ता परखी; तय समय में काम पूरा करने के सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिले के खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में चौधरी चरण सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्यों पर प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने स्टेडियम का औचक स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित मानकों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सिंथेटिक ट्रैक सहित अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाए और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं।

निर्माण की गुणवत्ता और प्रगति की बारीकी से जांच

चौधरी चरण सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट ने मौके पर कार्यों की

भौतिक प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता और तय तकनीकी मानकों के अनुरूप कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य निर्माण कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुसार पूरा कराना और खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने देना रहा। सिटी मजिस्ट्रेट ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए। कार्य में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि तैयार होने वाली खेल सुविधाएं खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुरूप हों और लंबे समय तक उपयोगी बनी रहें।

सिंथेटिक ट्रैक से खिलाड़ियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

स्टेडियम में निमार्णाधीन सिंथेटिक ट्रैक को खेल सुविधाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आधुनिक खेल सुविधाओं के विकास से जिले के खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर आधार मिल सकेगा। इससे एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और प्रतियोगिताओं की तैयारी करने में मदद मिलने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि काम में तेजी लाने के साथ गुणवत्ता का स्तर भी बनाए रखा जाए, जिससे खिलाड़ियों को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी को मिलेगा आधार

खेल सुविधाओं का विकास स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। स्टेडियम में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने से जिले के खिलाड़ियों को अभ्यास के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। प्रशासन का जोर है कि निर्माण कार्य केवल समय पर पूरे ही न हों, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी निर्धारित मानकों के अनुरूप हो, ताकि खिलाड़ियों को उनका वास्तविक लाभ मिल सके।

सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशासन की निगरानी में निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता पर ध्यान दिए जाने से स्टेडियम को बेहतर खेल केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी आने की उम्मीद है।

निरीक्षण के दौरान ये अधिकारी रहे मौजूद

औचक निरीक्षण के दौरान प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह यादव, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड के प्रतिनिधि तथा जिला खेल कार्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। अधिकारियों को निर्माण कार्यों की प्रगति बनाए रखने और गुणवत्ता संबंधी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। अब स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्यों को निर्धारित समय पर पूरा करना और खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना संबंधित विभागों के लिए अहम जिम्मेदारी है।

त्योहारों के मद्देनजर मुजफ्फरनगर पुलिस अलर्ट, बाजारों से रामलीला स्थलों तक पैदल गश्त

संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग; सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर रहेगी निगरानी

मुजफ्फरनगर। आगामी पर्व एवं त्योहारों के मद्देनजर जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में मंगलवार को जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल और मिशन शक्ति महिला पुलिसकर्मियों द्वारा पैदल गश्त की गई। इस दौरान प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की गई।

पैदल गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने मुख्य बाजारों, प्रमुख मार्गों, चौराहों, शराब के ठेकों, रामलीला मंचन स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण किया। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और आमजन से संवाद स्थापित कर सुरक्षा संबंधी जानकारी भी ली। साथ ही, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी विशेष नजर

पुलिस अधिकारियों ने सभी थाना प्रभारियों और पुलिसकर्मियों को सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं पर विशेष निगरानी रखने के साथ अराजक एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखने को कहा गया। किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई करने तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

त्योहारों के दौरान सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक और अफवाह फैलाने वाली पोस्टों पर भी लगातार निगरानी रखेगी। पुलिस अधिकारियों ने निर्देशित किया कि भ्रामक सूचनाएं फैलाकर सामाजिक सौहार्द या कानून व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए।

मुजफ्फरनगर पुलिस ने अपने सभी थाना क्षेत्रों में नियमित गश्त जारी रखने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि आगामी पर्व एवं त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराए जा सकें।

रामपुरी रामलीला में गूंजे श्रीराम के जयकारे, सीता स्वयंवर और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का भव्य मंचन

भगवान श्रीराम ने तोड़ा शिव धनुष, परशुराम के क्रोध और लक्ष्मण के तीखे संवादों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी रामपुरी द्वारा आयोजित श्री रामलीला मंचन के पांचवें दिवस सीता स्वयंवर, शिव धनुष भंग तथा लक्ष्मण-परशुराम संवाद की लीला का भव्य एवं मनोहारी मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। लीला के दौरान पूरा रामलीला प्रांगण प्रभु श्रीराम की भक्ति और जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय किसान यूनियन टिकैत के मुजफ्फरनगर महानगर उपाध्यक्ष हर्ष चौधरी ने विधिवत पूजन, गणेश वंदना तथा श्रीरामायण जी की आरती के साथ किया। पूजन प्रसिद्ध कथावाचक पंडित देवशरण शास्त्री ने संपन्न कराया। लीला में दिखाया गया कि मिथिला के राजा जनक ने माता सीता के विवाह के लिए योग्य वर के चयन हेतु स्वयंवर का आयोजन किया, जिसमें देश-विदेश के अनेक राजा शामिल हुए। स्वयंवर में कोई भी राजा भगवान शिव के दिव्य धनुष को उठाने में सफल नहीं हो सका। इसके बाद गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर प्रभु श्रीराम ने शिव धनुष उठाकर उसे तोड़ दिया। धनुष टूटते ही पूरा रामलीला प्रांगण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। इसके बाद प्रभु श्रीराम और माता जानकी के विवाह प्रसंग का सुंदर

मंचन किया गया। कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लक्ष्मण-परशुराम संवाद ने बांधा समां शिव धनुष टूटने की सूचना मिलने पर भगवान परशुराम जनक दरबार पहुंचे। धनुष खंडित देखकर वे क्रोधित हो उठे और राजा जनक से इसके विषय में पूछताछ करने लगे। इस दौरान लक्ष्मण और परशुराम के बीच तीखे संवाद हुए। दोनों पात्रों के प्रभावशाली अभिनय और दमदार संवाद अदायगी ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। प्रसंग के दौरान दर्शक प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाते रहे और पूरा वातावरण रामभक्ति से सराबोर हो गया।

रामलीला में प्रभु श्रीराम का अभिनय शिवम त्यागी, लक्ष्मण का हर्षित चौरसिया, माता जानकी का उदय ठाकुर, राजा जनक का पिंटू तथा भगवान परशुराम का अभिनय निर्देशक रवि धीमान ने किया। सभी कलाकारों ने अपने अभिनय से पात्रों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसकी दर्शकों ने सराहना की। इस अवसर पर श्री रामलीला कमेटी रामपुरी के अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह, कोषाध्यक्ष दिवाकर त्यागी, महामंत्री डॉ. एसके गौतम, संयोजक प्रमोद पाल, निर्देशक सतेंद्र त्यागी, रवि धीमान, शिवम त्यागी, उदय ठाकुर, माटू धीमान, चंदू धीमान, शानू उपाध्याय, आर्यन, गगन जिंदल, निखिल शर्मा, वंश शर्मा, राकेश कुमार सहित कमेटी के अन्य सदस्य एवं सैकड़ों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

श्री रामलीला कमेटी रामपुरी के अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह ने सभी अतिथियों, कलाकारों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

मिशन शक्ति के मंच पर सम्मानित हुईं 350 महिलाएं, उत्कृष्ट कार्यों को मिला सम्मान

महिला सशक्तिकरण समारोह में पुलिस अधिकारियों ने किया सम्मानित, सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव के प्रति किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलम्बन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-6 के अंतर्गत मंगलवार को महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शारदीय नवरात्र के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं, मेधावी छात्राओं और महिला खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह में करीब 350 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राय और क्षेत्राधिकारी जानसठ ऋषिका सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में विभिन्न विभागों की महिला अधिकारी एवं कर्मचारी, महिला पुलिसकर्मी, अध्यापक, चिकित्सक, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं शामिल हुईं। इसके अलावा जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, मेधावी छात्राओं और खेल के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिला खिलाड़ियों ने भी प्रतिभाग किया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को मिला सम्मान

समारोह के दौरान महिला पुलिसकर्मियों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारी बेहतर ढंग से निभाने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। क्षेत्राधिकारी रूपाली राय, क्षेत्राधिकारी ऋषिका सिंह और विभिन्न विभागों की महिला अधिकारियों ने चयनित महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किए। सम्मान पाकर प्रतिभागियों का

उत्साह बढ़ा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और उनके योगदान को पहचान तथा प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

हेल्पलाइन और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

समारोह में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। लघु फिल्मों के माध्यम से मिशन शक्ति हेल्पलाइन-1090, बच्चों के विकास, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव जैसे विषयों की जानकारी दी गई। उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न महिला सुरक्षा और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया तथा किसी भी परेशानी या आपात स्थिति में इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, जरूरत पड़ने पर सहायता मांगने और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करते समय सतर्कता बरतने का संदेश दिया गया। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के मद्देनजर ऑनलाइन गतिविधियों में सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित एजेंसियों तक पहुंचाने की उपयोगिता भी समझाई गई।

महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलम्बन पर जोर

मुजफ्फरनगर पुलिस की ओर से मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यह समारोह भी इसी अभियान का हिस्सा रहा। कार्यक्रम के जरिए महिलाओं के योगदान को सम्मान देने के साथ-साथ उन्हें सुरक्षा संबंधी सुविधाओं और उपलब्ध सहायता तंत्र की जानकारी देने का प्रयास किया गया।

15 वर्षीय किशोरी लापता, नई मंडी थाने में गुमशुदगी दर्ज

कूकड़ा से तीन दिन पहले घर से बिना बताए निकली थी किशोरी, मोबाइल बंद होने से परिजन परेशान; मां की तहरीर पर पुलिस ने शुरू की तलाश

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के कूकड़ा में रविदास मंदिर के पास रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी के लापता होने के मामले में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। किशोरी आठ अक्टूबर की रात करीब साढ़े आठ बजे घर से बिना बताए चली गई थी। परिजनों ने रिश्तेदारों और अन्य संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। किशोरी का मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है।

कूकड़ा निवासी रविता ने 11 अक्टूबर को थाना नई मंडी पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी गोलो उर्फ शिवि आठ अक्टूबर की रात घर से चली

गई थी। काफी तलाश करने के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद मां ने पुलिस से बेटी की गुमशुदगी दर्ज कर उसे तलाशने की गुहार लगाई।

फूल-पत्ती वाला सलवार-सूट पहने थी किशोरी

तहरीर के अनुसार, लापता किशोरी की उम्र 15 वर्ष, लंबाई करीब पांच फुट और रंग सांवला है। घर से निकलते समय उसने फूल-पत्ती वाला सलवार-सूट पहन रखा था और पैरों में चप्पल थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

2027 के चुनाव से पहले युवा रालोद ने संगठन विस्तार पर बढ़ाया जोर

जिला स्तरीय बैठक में गांवों से बूथों तक युवाओं की टीम खड़ी करने की तैयारी, नए कार्यकताओं को जोड़ने का लक्ष्य

मुजफ्फरनगर। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले युवा राष्ट्रीय लोकदल ने संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने की कवायद तेज करने का संकल्प लिया है। मंगलवार को जिला कार्यालय पर आयोजित युवा रालोद की प्रथम जिला स्तरीय बैठक में युवाओं को संगठन से जोड़ने, गांवों में जनसंपर्क बढ़ाने और बूथ स्तर पर कार्यकताओं की टीम तैयार करने पर जोर दिया गया। बैठक में सैकड़ों पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। संगठन विस्तार के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता युवा रालोद जिलाध्यक्ष मौलिक प्रधान ने की। इस दौरान राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष संजय राठी, क्षेत्रीय मंत्री संचित प्रधान, जिला संयोजक रोबिन लाठियान, वरिष्ठ नेता सुधीर भारतीय, इंद्रध्वज, जिला महासचिव वीर राठी और चरथावल विधानसभा अध्यक्ष दीपक नरवाल सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

चुनावी तैयारी का आधार बनेगा जमीनी जनसंपर्क

बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि संगठन की गतिविधियां केवल बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि गांवों और क्षेत्रों में कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी दिखाई दे। युवा कार्यकताओं से स्थानीय लोगों के बीच पहुंचकर जनहित से जुड़े मुद्दों को समझने और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से युवाओं को परिचित कराने का आह्वान किया गया।युवा जिलाध्यक्ष मौलिक प्रधान

ने नवनियुक्त पदाधिकारियों और कार्यकताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। प्रत्येक पदाधिकारी को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने क्षेत्र में टीम तैयार करनी चाहिए, ताकि संगठन का विस्तार जिला, ब्लॉक और गांव स्तर तक किया जा सके।

युवाओं को जिम्मेदारी देकर सक्रिय करने पर मंथन

बैठक में नए युवाओं को संगठन से जोड़ने के साथ उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका देने पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने आपसी समन्वय, अनुशासन और एकजुटता के साथ काम करने की जरूरत बताई। कार्यकताओं से कहा गया कि वे नियमित जनसंपर्क के माध्यम से संगठन की पहुंच बढ़ाएं और युवाओं को पार्टी की गतिविधियों से जोड़ें।

आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा

वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बैठक में आगामी कार्यक्रमों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श किया गया। मौलिक प्रधान ने कार्यकताओं से अभी से सक्रिय होकर बूथ स्तर तक मजबूत टीम तैयार करने का आह्वान किया। बैठक के अंत में पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

जनगणना-2027 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, फील्ड ट्रेनर्स को दिया प्रशिक्षण

भोपा रोड स्थित एसडी पब्लिक स्कूल में तृतीय बैच के प्रशिक्षण का दूसरा दिन संपन्न, जनगणना कार्य की बारीकियां समझाकर प्रशिक्षकों को किया प्रोत्साहित

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को समयबद्ध और व्यवस्थित तरीके से पूरा कराने के लिए जिला प्रशासन ने प्रशिक्षण प्रक्रिया तेज कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में भोपा रोड स्थित एसडी पब्लिक स्कूल में फील्ड ट्रेनर्स के तृतीय बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, जिम्मेदारियों और कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी गई। जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से आए संयुक्त निदेशक एसएस शर्मा ने प्रशिक्षकों को जनगणना कार्य की बारीकियां समझाईं और उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर्स अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में सुपरवाइजरों और प्रगणकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दें, जिससे जनगणना का कार्य निर्धारित दिशा-निदेशों के अनुरूप शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा कराया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स और जनगणना नोडल अधिकारियों के नेतृत्व में फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना के द्वितीय चरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में प्रत्येक स्तर पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना और जिम्मेदारियों को सही ढंग से समझना आवश्यक है। प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य फील्ड ट्रेनर्स को इस तरह तैयार करना है कि वे अपने क्षेत्रों में जाकर सुपरवाइजरों और प्रगणकों को सही तरीके से प्रशिक्षित कर सकें। इससे जनगणना के दौरान कार्यप्रणाली में एकरूपता बनी रहेगी और निर्धारित दिशा-निदेशों के अनुसार कार्य संपन्न कराने में मदद मिलेगी। जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से आए संयुक्त निदेशक एसएस शर्मा ने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनर्स को

जनगणना कार्य की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षकों को उनके दायित्वों और कार्यप्रणाली को गंभीरता से समझने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे आगे अपने-अपने क्षेत्रों में अन्य कार्मिकों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण दे सकें। प्रशिक्षण के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि जनगणना के प्रत्येक चरण में सही जानकारी, निर्धारित प्रक्रिया और आपसी समन्वय का विशेष महत्व है। प्रशिक्षित कार्मिकों के माध्यम से ही जमीनी स्तर पर जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया जा सकेगा। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में सभी संबंधित चार्ज अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उपयुक्त स्थलों का समय से चयन करने को कहा गया है। साथ ही प्रशिक्षण स्थलों पर बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने प्रशिक्षण में शामिल होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए खान-पान की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने को कहा है। निर्देश दिए गए हैं कि भोजन स्वच्छ, स्वास्थ्यकर और गुणवत्तापूर्ण होने के साथ स्वादिष्ट भी हो, ताकि प्रशिक्षणार्थियों को सुविधाजनक वातावरण मिल सके और वे प्रशिक्षण पर पूरा ध्यान केंद्रित कर सकें। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों में फील्ड ट्रेनर्स की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये प्रशिक्षक अपने निर्धारित क्षेत्रों में सुपरवाइजरों और प्रगणकों को प्रशिक्षण देंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह है कि जनगणना कार्य में शामिल सभी कार्मिक अपनी जिम्मेदारियों, कार्यप्रणाली और निर्धारित दिशा-निदेशों को भली-भांति समझ सकें। प्रशासन की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियां पूरी करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए व्यवस्थाओं की समय से तैयारी और कार्मिकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनगणना-2027 के द्वितीय चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रशिक्षण से लेकर जमीनी स्तर पर कार्य के संचालन तक प्रत्येक चरण निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा किया जाए।

मोरना में स्नातक चुनाव को लेकर भाजपा का मंथन: उपलब्धियों के दम पर मांगेंगे वोट, कार्यकताओं को सौंपा गया दायित्व

शुकतीर्थ, भोपा और बेहड़ा सादात मंडल के पदाधिकारियों की साझा बैठक में घर–घर जाकर मतदाताओं से सीधा संवाद साधने की रणनीति

मोरना (मुजफ्फरनगर)। आगामी स्नातक निर्वाचन चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सांगठनिक तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। मोरना स्थित विकास खंड सभागार में भाजपा की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से शुकतीर्थ मंडल, भोपा मंडल और बेहड़ा सादात मंडल के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने भाग लिया। नेताओं ने कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे क्षेत्र के प्रत्येक स्नातक मतदाता तक पहुंचकर जनसंपर्क अभियान को गति दें। डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों के आधार पर जनता के बीच जाएंगे कार्यकर्ता जिला पंचायत के प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वालबैठक को संबोधित करते हुए जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा कि भारतीय जनता

पार्टी हमेशा विकास और सुशासन के मुद्दे पर जनता के बीच जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने जनहित में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। भाजपा कार्यकर्ता केंद्र व राज्य सरकार की इन्हीं कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों के दम पर स्नातक चुनाव में मतदाताओं से वोट मांगेंगे। विधानसभा प्रभारी अभिषेक चौधरी ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि स्नातक चुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करना ही संगठन का मुख्य लक्ष्य है। चुनाव प्रबंधन को सुचारू बनाने के लिए कार्यकताओं के बीच कार्य विभाजन किया गया और सभी को उनका दायित्व सौंपा गया। बैठक में तय हुआ कि मंडल स्तर पर टीमें बनाकर स्नातक मतदाताओं से घर-घर जाकर व्यक्तिगत संपर्क साधा जाएगा और उन्हें पार्टी की नीतियों से जोड़ा जाएगा। इस महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक में एमएलसी वंदना वर्मा, ब्लॉक प्रमुख अनिल कुमार राठी, विजय प्रजापति, इंदर सिंह कश्यप,

भोकरहेड़ी में घर पर फायरिंग करने वाले 5 आरोपी दबोचे: स्कॉर्पियो, पिस्टल, मस्कट और तमंचे बरामद, मुठभेड़ में एक बदमाश घायल

जौली नहर पटरी पर घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने की पुलिस टीम पर फायरिंग

मोरना (मुजफ्फरनगर)। जनपद के थाना भोपा क्षेत्र अंतर्गत कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नेहरू चौक में बीते शुक्रवार की रात जन्मदिन की पार्टी के दौरान ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर दहशत फैलाने वाले शातिर बदमाशों के साथ पुलिस की भीषण मुठभेड़ हो गई। भोपा थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मंगलवार की बीती रात जौली नहर पुल के पास नहर पटरी पर घेराबंदी कर एक बदमाश को गोली लगने के बाद घायल अवस्था में दबोच लिया। वहीं, कांबिंग के दौरान चार अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। जन्मदिन पार्टी के बाद मचाया था तांडव

प्राप्त आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नेहरू चौक निवासी अभिषेक (पुत्र संजीव) के मकान पर शुक्रवार की रात परिवार व रिश्तेदार जन्मदिन मना रहे थे। जैसे ही पार्टी समाप्त हुई, तभी बिना नंबर प्लेट की काली स्कॉर्पियो में सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने अचानक मकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी थी। अचानक हुई इस अंधाधुंध गोलाबारी से इलाके में हड़कंप मच गया था और घर में मौजूद महिलाओं व बच्चों में चीख-पुकार मच गई थी। पीड़ित की शिकायत पर भोपा पुलिस ने 5 नामजद व अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। एसएसपी मुजफ्फरनगर के निर्देश पर घटना के शीघ्र अनावरण के लिए भोपा पुलिस व एसओजी की कई संयुक्त टीमें लगाई गई थीं।

कांबिंग कर पुलिस ने उत्तराखंड व देवबंद के बदमाशों को दबोचा

मंगलवार की रात भोपा पुलिस व एसओजी टीम को सूचना मिली कि फायरिंग की वारदात में शामिल आरोपी बिना नंबर की काली स्कॉर्पियो से किसी नई वारदात को अंजाम देने या भागने की फिराक में जौली नहर पटरी क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी की, जिस पर बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से सीधी फायरिंग झोंक दी। पुलिस की जवाबी आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल होकर गिर पड़ा, जिसकी पहचान

आर्यन उर्फ सावन (निवासीः ग्राम खेड़ा जट, थाना मंगलौर, जिला हरिद्वार, उत्तराखंड) के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने सघन कांबिंग चलाकर मौके व आसपास से चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लियाः

गिरफ्तार बदमाशों की पहचान

पुलिस मुठभेड़ के बाद पूछताछ के बाद बदमाशों की पहचान बादल कुमार (हाल निवासीः भोकरहेड़ी, मुजफ्फरनगर), निखिल उर्फ फाटा (निवासीः मोहल्ला नेहरू चौक, भोकरहेड़ी, मुजफ्फरनगर), हार्दिक सहरावत (निवासीः मोहल्ला नेहरू चौक, भोकरहेड़ी, मुजफ्फरनगर), आशीष कुमार (निवासीः ग्राम रामूपुर, थाना देवबंद, जिला सहारनपुर) के रुप में की गई। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास और घटनास्थल से भारी मात्रा में अवैध हथियार और प्रयुक्त वाहन जब्त किया है। इसमें 1 अदद अवैध पिस्टल, 1 अदद मस्कट, 2 अदद अवैध तमंचे, 22 अदद विभिन्न बोर के जिंदा कारतूस, 1 खोखा कारतूस व 1 मिस कारतूस, वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की काली स्कॉर्पियो गाड़ी और ड्राइविंग लाइसेंस व कैंटीन कार्ड जब्त किये हैं।

रंजिश में बदला लेने के लिए दिया था वारदात को अंजाम

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस कस्टडी में की गई पूछताछ में मुख्य आरोपी बादल कुमार ने वारदात के पीछे की असली वजह का खुलासा किया। बादल ने बताया कि बीते 2 अगस्त को भोकरहेड़ी में ही अभिषेक उर्फ डेबू ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी और उसके दोस्त निखिल उर्फ फाटा की जमकर पिटाई कर दी थी। इस संबंध में थाना भोपा पर मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसी मारपीट और रंजिश का बदला लेने की नीयत से बादल ने हरिद्वार और सहारनपुर से अपने साथियों को बुलाया और शुक्रवार की रात अभिषेक उर्फ डेबू के घर पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। घायल बदमाश आर्यन उर्फ सावन को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि सभी पांचों अभियुक्तों के खिलाफ वैधानिक कागजी कार्रवाई पूरी कर उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

भोपा के मजलिसपुर तौफीर में पंचायत घर की छत से सोलर प्लेटें चोरी: पंचायत सहायक ने पुलिस में दी तहरीर

शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने दिया वारदात को अंजाम, मुकदमा दर्ज करने की मांग

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव मजलिसपुर तौफीर से चोरी की एक अजीबोगरीब वारदात सामने आई है। गांव स्थित पंचायत घर की छत पर लगी दो कीमती सोलर प्लेटों पर अज्ञात चोरों ने हाथ साफ कर दिया। सरकारी संपत्ति की चोरी का पता चलते ही ग्राम पंचायत और ग्रामीणों में खलबली मच गई है। मामले को लेकर पंचायत सहायक ने स्थानीय भोपा थाने में प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और चोरी हुई सोलर प्लेटों की बरामदगी की मांग की है।

रात के अंधेरे में दिया वारदात को अंजाम प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव मजलिसपुर तौफीर निवासी कुलदीप कुमार पंचायत घर में बतौर पंचायत सहायक तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि बीते शुक्रवार की रात अज्ञात चोर चुपके से पंचायत घर की छत पर

चढ़ गए और वहां ऊर्जा आपूर्ति के लिए लगाई गई दो सोलर प्लेटों को खोलकर ले गए। अगले दिन जब पंचायत घर में सोलर प्लेटें न होने का पता चला, तो उन्होंने आसपास के इलाकों और संदिग्ध स्थानों पर काफी तलाश की। काफी खोजबीन के बाद भी जब प्लेटों का कोई सुराग नहीं लग सका, तो उन्होंने पुलिस की शरण ली। पुलिस से मुकदमा दर्ज करने की मांग

पंचायत सहायक कुलदीप कुमार ने भोपा थाना पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र सौंपकर मामले में मुकदमा पंजीकृत करने की मांग की है। उन्होंने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा अज्ञात चोरों की जल्द से जल्द पहचान कर चोरी गई दोनों सोलर प्लेटों को सकुशल बरामद करने का अनुरोध किया है। स्थानीय पुलिस ने प्रार्थना पत्र प्राप्त कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

रामलीला में श्रीराम-केवट संवाद ने श्रद्धालुओं को किया भावुक, मिशन शक्ति का भी चला अभियान

मीरापुर। श्री रामलीला समिति (रजि.) के तत्वावधान में रामलीला भवन में आयोजित रामलीला में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के वनवास तथा केवट संवाद की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। दुर्गा मंडल सरधना के कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मंचन में भगवान श्रीराम के त्याग, लक्ष्मण के समर्पण और माता सीता की निष्ठा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। वहीं, भगवान श्रीराम और केवट के बीच भक्ति, प्रेम तथा समर्पण से जुड़े प्रसंगों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

इस दौरान मिशन शक्ति फेस-6.0 अभियान के तहत महिला पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं सहायता के प्रति जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102 व 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076,

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी। इस अवसर पर जागरूकता संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में मीरापुर थाने की मिशन शक्ति एवं साइबर टीम से महिला उपनिरीक्षक ज्योति चैधरी, महिला कांस्टेबल प्राची चैधरी, उपासना और अदिति मौजूद रहीं।

कार्यक्रम के दौरान श्री रामलीला समिति की ओर से मीरापुर बिजलीघर में तैनात कर्मचारियों को पटका पहनाकर तथा शील्ड और उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। समिति पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष दीपक गोयल, रोहित माहेश्वरी, अनिरुद्ध गोयल, देवेंद्र, रविंद्र, मिंटू चैधरी, सुभाष चैधरी, सुभाष कंबोज, सुनील भटनागर, मनोज मिश्रा, वरदान गोयल, पार्थ गोयल, पंकज खत्री, विवेक वर्मा, पंकज, अंकित पाल, रमन, विनीत सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मीरापुर में मारपीट के दौरान धारदार हथियार से हमला, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मीरापुर। भूम्मा रोड पर सोमवार दोपहर सैफी और पठान पक्ष के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथापाई हुई। इस दौरान धारदार हथियार से हमला किए जाने पर शहजाद गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आईं। घायल को पहले सीएचसी जानसठ ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी हालत चिंताजनक देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। पुलिस ने घायल के भाई की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहजाद का पुत्र बिलाल सोमवार दोपहर भूम्मा रोड स्थित जॉनी की दुकान पर सिलाई मशीन की मरम्मत कराने गया था। वहां किसी बात को लेकर बिलाल और जॉनी के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद बिलाल ने अपने पिता शहजाद को मौके पर बुला लिया। कुछ ही देर में दूसरे पक्ष के कई लोग भी वहां पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान धारदार हथियार से हुए हमले में शहजाद गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, घायल के भाई तनवीर पुत्र इरशाद की तहरीर पर पुलिस ने सगीर पुत्र सद्दीक, शादाब, समीर और शुऐब पुत्रगण सगीर निवासी भूम्मा रोड, कैथोडा के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। कैथोडा चैकी प्रभारी मोहित कुमार ने बताया कि घायल के भाई की तहरीर के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

स्वास्थ्य विभाग ने ग्रीन अस्पताल किया सील, निरीक्षण में नहीं मिले नामित डीसीएच चिकित्सक

15 माह के बच्चे की मौत के मामले में हुई थी शिकायत, जांच में मिलीं अनियमितताएं; अस्पताल में भर्ती 12 बच्चों को दूसरे अस्पताल ले जाने पर सहमत हुए परिजन

बुढ़ाना। कस्बे में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को ग्रीन अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अस्पताल और बच्चों की नर्सरी को सील कर दिया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, शिकायत के आधार पर की गई जांच के दौरान अस्पताल में कई अनियमितताएं मिली थीं। इसके अलावा अस्पताल में नामित डीसीएच चिकित्सक भी ड्यूटी पर मौजूद नहीं मिले थे। विभाग ने पहले अस्पताल को नोटिस जारी किया था, जिसके बाद मंगलवार को सीलिंग की कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार, शामली निवासी मनु पुंडीर की ससुराल गांव बिराल में है। उन्होंने बताया कि 15 माह का उनका बच्चा बिराल में रहने के दौरान बीमार हो गया था। इसके बाद 18 सितंबर को बच्चे को बुढ़ाना स्थित ग्रीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मनु पुंडीर ने आरोप लगाया कि चिकित्सक की लापरवाही के कारण उनके बच्चे की मौत हो गई। इस मामले में उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिकायत की थी।

जांच में मिली थीं कई अनियमितताएं

सीएमओ सुनील तेवतिया ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद चार दिन पूर्व चिकित्सकों की टीम को जांच के लिए अस्पताल भेजा गया था। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कई अनियमितताएं पाई गईं। साथ ही अस्पताल में नामित डीसीएच चिकित्सक ड्यूटी पर मौजूद नहीं मिले। इन कमियों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पताल को नोटिस जारी किया गया था।

12 बच्चों को दूसरे अस्पताल ले जाने पर सहमत हुए परिजन

मंगलवार को डीसीएमओ महक सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ग्रीन अस्पताल पहुंची। टीम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। उस समय अस्पताल में 12 बच्चे भर्ती मिले। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चों के परिजनों से बातचीत कर उन्हें बच्चों को जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। अधिकारियों के अनुसार, सभी बच्चों के परिजन अपनी सहमति से उन्हें दूसरे अस्पताल में ले जाने के लिए तैयार हो गए। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चों की नर्सरी सहित अस्पताल को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र के निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सकों की उपलब्धता को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

शिवसेना पदाधिकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं हुए तो होगा जन आंदोलन: बिट्टू सिखेड़ा

मुख्यमंत्री के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन, मुरादाबाद प्रशासन की कार्रवाई पर जताई नाराजगी

मुजफ्फरनगर। शिवसेना पदाधिकारियों पर मुरादाबाद में दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग को लेकर मंगलवार, 13 अक्टूबर को शिवसेना के 21 पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा और नरेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में सिटी मजिस्ट्रेट को दिए गए ज्ञापन के माध्यम से पदाधिकारियों ने मुकदमों को अनुचित बताते हुए उन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। शिवसेना नेताओं ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राज्य प्रमुख ललित मोहन शर्मा, मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी सहित कुछ अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ मुरादाबाद प्रशासन द्वारा मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्होंने इस कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मंदिर में जलाभिषेक करना सनातन धर्म को मानने वाले हिंदुओं की धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय है।

शिवसेना के निवर्तमान उप राज्य प्रमुख

प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि राजनीतिक गठबंधन में होने के बावजूद संगठन के पदाधिकारी स्वयं को असहाय महसूस कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग की।

प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा ने चेतावनी दी कि यदि मुरादाबाद प्रशासन ने जल्द ही पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए तो शिवसेना प्रदेश के प्रत्येक जनपद में व्यापक जन आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में आंदोलन की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा, निवर्तमान उप राज्य प्रमुख प्रमोद अग्रवाल, नरेंद्र ठाकुर, आलोक अग्रवाल, मंगतराम सोनकर, देवेंद्र चौहान, विकास कुमार, योगेंद्र कुमार, सोनू वर्मा, जांगी सौदाई, देवांश मलिक, मनोज कुमार, ललित रहेला, संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

शक्ति क्लब की रामलीला में निकली श्रीराम और चारों भाइयों की भव्य बारात, आकर्षक झांकियों ने मोहा मन

श्री सियाराम शक्ति भवन में मिथिलापुरी पहुंचने पर बारातियों का हुआ भव्य स्वागत, भोजन और जलपान की रही विशेष व्यवस्था

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव के अंतर्गत आज भगवान श्रीरामचंद्र जी और उनके भाइयों की भव्य बारात शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा श्रीरामलीला आयोजन स्थल से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। शोभायात्रा में शामिल आकर्षक एवं भव्य धार्मिक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे आयोजन में धार्मिक उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। शोभायात्रा का शुभारंभ शक्ति क्लब के अध्यक्ष पवन पाल, सचिव संजीव दीक्षित, कोषाध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह एडवोकेट, मीडिया प्रभारी नवनीत कौशिक, संयोजक

नीरज शर्मा, सतेंद्र पंवार, अमरीश त्यागी, निर्देशक प्रणव शर्मा, नवनीत वर्मा और अमरेश पांडे सहित अन्य पदाधिकारियों ने भगवान श्रीराम एवं उनके भाइयों की आरती उतारकर किया। इसके बाद भव्य बारात नगर के प्रमुख मार्गों के लिए रवाना हुई।

शोभायात्रा के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में क्लब के उपाध्यक्ष एवं सभासद रविकांत, अखिलेश पाल, नितिन, विजेंद्र पाल, सुनील रुहेला, उपसचिव राजीव अरोरा, नितिन अरोरा, महीपाल तथा सदस्य हर्षित सिंघल, शुभम सैन, सुशील पाल, जॉनी पाल, राकेश पांचाल, शिवकुमार भाई जी और अक्षय पाल सहित अन्य सदस्यों ने पूर्ण सहयोग किया। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए शोभायात्रा को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री सियाराम शक्ति भवन में तैयार की गई मिथिलापुरी में भगवान श्रीराम एवं उनके भाइयों की बारात पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। यहां सचिव संजीव दीक्षित, संयोजक सुनील कपिल और उपाध्यक्ष उमेश चौरसिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने बारातियों का स्वागत-सत्कार किया। बारात में शामिल सभी लोगों के लिए भोजन एवं जलपान की सुंदर व्यवस्था की गई थी। आयोजन में श्रद्धालुओं के आतिथ्य और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। पूरी शोभायात्रा की कवरेज मीडिया प्रभारी नवनीत शर्मा द्वारा की गई। साथ ही, श्रद्धालुओं और आमजन तक इस धार्मिक आयोजन को पहुंचाने के लिए यूट्यूब के माध्यम से शोभायात्रा का लाइव प्रसारण भी किया गया। शक्ति क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सामूहिक प्रयासों से श्रीराम बारात का आयोजन भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन ने नगर में रामलीला महोत्सव की धार्मिक परंपरा और सांस्कृतिक उत्सव की छटा को और अधिक आकर्षक बना दिया।

काली धारी और खड़ी कलगी वाली बोहेमियन वैक्सविंग

बादामी भूरा रंग, एकदम खड़ी कलगी और काली चोंच बाला सुंदर पक्षी है बोहेमियन वैक्सजिंग। इसका वैज्ञानिक नाम बोंबीसिला गैरूलस है। यह मैना के आकार की एक छोटी चिड़िया है जो 19 सेंटीमीटर से लेकर 23 सेंटीमीटर लंबी होती है। इसके पंखों का आयाम 32 से 35 सेंटीमीटर तक होता है और इसका वजन 55 ग्राम तक नापा गया है। ये पेली आर्कटिक क्षेत्र के उत्तरी जंगलों और उत्तरी अमेरिका के जंगलों में प्रजनन करते हैं। इनकी सीडार वैक्सबिंग और जापानी वैक्सविंग नाम की दो प्रजातियां और हैं जो एशिया, यूरोप, जापान, चाइना और रूस में पाई जाती है।

अल्कोहल भी पचा जाते हैं

मुख्य रूप से इसके पंख बादामी भूरे रंग के होते हैं। चेहरे पर काली धारी और एक स्पष्ट खड़ी कलगी इसकी खास पहचान है। शरीर के दोनों तरफ के उड़ने वाले पंख सफेद और गहरे पीले होते हैं जिनके सिरों पर लाल रंग के धब्बे पाए जाते हैं। इसी सीलिंग वैक्स के कारण इन्हें नाम मिला वैक्सविंग। बेरी, चेरी और अन्य रसीले फल पसंद करने वाले यह पक्षी फर्मेंटेशन कर रहे फलों का अल्कोहल भी पी जाती हैं। इनमें अल्कोहल पचाने की क्षमता होती है। कभी-कभी इतनी अधिक मात्रा में पी लेते हैं कि मदहोश हो जाते हैं और खिड़कियों व इमारतों से टकराकर गर भी जाते हैं।

16 दिन बाद छोड़ देते हैं घोंसला

इनके प्रजनन आवास शंकुधारी पेड़ों के जंगल हैं जो पानी के किनारे पाए जाते हैं। नर-मादा मिलकर पेड़ों की शाखाओं पर एक कुपनुमा चिपका हुआ घोंसला बनाते हैं। एक बार में मादा 3 से 7 अंडे देती है। शुरुआत में चूजों को कीट-पतंगे खिलाए जाते हैं बाद में फलों का सेवन कराया जाता है। अंडों से निकलने के 14 से 16 दिन बाद चूजे भी अपना घोंसला छोड़कर उड़ जाते हैं।

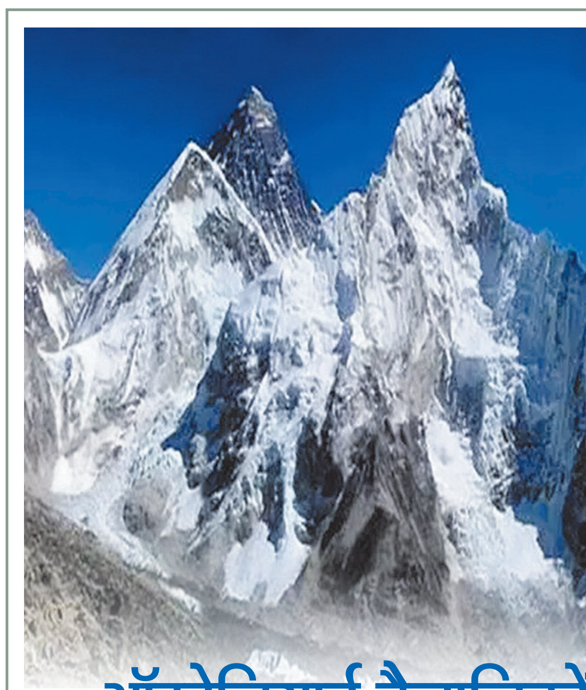

भारत के अनोखे त्योहार
हर रिवाज़ों की अनकही कहानियां

भारत त्योहारों का देश है, जहां हर महीने, हर मौसम में कोई न कोई उत्सव मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, यहां कई ऐसे त्योहार भी हैं, जिनके बारे में शायद आपने कभी सुना ही न हो? ये त्योहार न सिर्फ़ अपने अनोखे रिवाज़ों के लिए मशहूर हैं, बल्कि इनमें छिपी लोककथाएं भी आपको हैरान कर सकती हैं। कुछ त्योहार जहां रंग-बिरंगे कपड़े, गीत-संगीत और स्वादिष्ट पकवानों से भरपूर होते हैं, वहीं कुछ त्योहार अपनी अजीब परंपराओं और रहस्यमयी मान्यताओं के लिए जाने जाते हैं। जानते हैं ऐसे ही भारत के कुछ अनजाने त्योहारों के बारे में, जो आपको हैरानी और उत्सुकता दोनों से भर देंगे।

थेय्यम

केरल का थेय्यम त्योहार देखने लायक अनुभव है। इसमें कलाकार रंग-बिरंगे परिधानों और भव्य मेकअप के साथ देवताओं का रूप धारण करते हैं। यह सिर्फ़ नृत्य नहीं, बल्कि एक धार्मिक अनुष्ठान है, जिसमें दर्शकों को लगता है जैसे भगवान स्वयं धरती पर उतर आए हों। थेय्यम में संगीत, नृत्य और कथा-वाचन का अद्भुत मेल देखने को मिलता है।

फूलौंग देई

उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में मनाया जाने वाला फूलौंग देई, वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। इस दिन बच्चे घर-घर जाकर फूल सजाते हैं और मिठाइयां बांटते हैं। यह त्योहार प्रकृति और समुदाय के बीच के गहरे संबंध को दर्शाता है। खास बात यह है कि इसे मनाने में किसी भव्य सजावट की ज़रूरत नहीं, बस प्रकृति की गोद से तोड़े गए रंग-बिरंगे फूल ही पर्याप्त हैं।

बोनालू

बोनालू तेलंगाना का एक प्रमुख त्योहार है, जो देवी महाकाली को समर्पित है। इस त्योहार के दौरान, महिलाएं देवी महाकाली की पूजा करती हैं और उन्हें बोनालू (भोग) चढ़ाती हैं। यह त्योहार आमतौर पर जून और जुलाई के महीने में मनाया जाता है और इसमें पूरे राज्य की महिलाएं भाग लेती हैं।

हेमिस फेस्टिवल

हेमिस फेस्टिवल लद्दाख का एक प्रमुख त्योहार है, जो बौद्ध धर्म के गुरु पद्मसंभव की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान, लोग हेमिस मठ में इकट्ठे होते हैं और गुरु पद्मसंभव की पूजा करते हैं। यह त्योहार आमतौर पर जून के महीने में मनाया जाता है और इसमें पूरे लद्दाख के लोग भाग लेते हैं।

तिकोना है इस झील का आकार, कहते हैं इसे स्वर्ग का रास्ता

आपने अब तक कई झीलें देखी होगी। ये झीलें या तो गोल होती हैं या चौकोर लेकिन उत्तराखंड में एक ऐसी झील है जिसका आकार तिकोना है। इस अनोखे आकार की झील है संतोपंथ झील।

इस झील का अनूठापन केवल इसके आकार तक ही सीमित नहीं है बल्कि इससे जुड़ी मान्यताओं को रहस्यों से भी जुड़ा हुआ है। इस झील के तिकोने आकार के पीछे की कहानी कही जाती है कि ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने एकादशी के दिन अलग-अलग कोने में डुबकी लगाई थी। इसलिए इसका आकार तिकोना है। इस झील को स्वर्ग की सीढ़ी भी कहा जाता है। धरती से स्वर्ग जाने का इसे रास्ता कहा जाता है। सतोपंथ के आगे पांच किमी दूर स्वर्गारोहिणी ग्लेशियर है और इस ग्लेशियस पर सीढ़ियां नजर आती है। मान्यता यह भी है कि महाभारत के काल में पांडवों ने स्वर्ग जाने से पहले इसी झील में स्नान किया था। कहा जाता है कि युधिष्ठिर को शरीर स्वर्ग जाने के लिए आकाशीय वाहन यहां से मिला था। आज के समय में यहां ट्रेकिंग के उद्देश्य पर्यटक पहुंचते हैं। यह झील समुद्रतट से 15 हजार फीट की ऊंचाई पर है।

ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों का दावा, कभी धरती पर थे सुपरमाउंटेंस

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने सुपरमाउंटेन की खोज की है। उन्होंने दावा किया है कि यह सुपरमाउंटेन हिमालय से भी 3 गुना बड़े थे। ऑस्ट्रेलिया के नेशनल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता जियी झू और उनके साथियों ने यह जांच की है। वैज्ञानिकों ने जिरकॉन्स के अवशेषों के जरिए इसकी जांच की है। कम ल्यूटेशियम वाला यह खनिज पदार्थ मिनरल और रेअर अर्थ मिलकर बनकर बनता है। यह विशाल पहाड़ों के नीचे दबाव वाले स्थान पर पाया जाता है। शोधकर्ताओं को रिसर्च के दौरान पता चला है कि सबसे पहले 2 से 1.8 अरब साल पहले तब सुपरमाउंटेन का निर्माण हुआ था जब नूना महाद्वीप जम रहा था। दूसरी बार 65 करोड़ से 50 करोड़ साल पहले सुपरमाउंटेन बना बना जब गोंडवाना महाद्वीप का निर्माण हुआ था। हालांकि वर्तमान में ऐसे कोई सुपरमाउंटेन नहीं हैं पर जियी झू का कहना है कि प्राचीन सुपरमाउंटेंस की रेंज 2400 किलोमीटर में फैले हिमालय से कई गुना अधिक थी।

सिर्फ दो ही देशों में खिलता है यह फूल

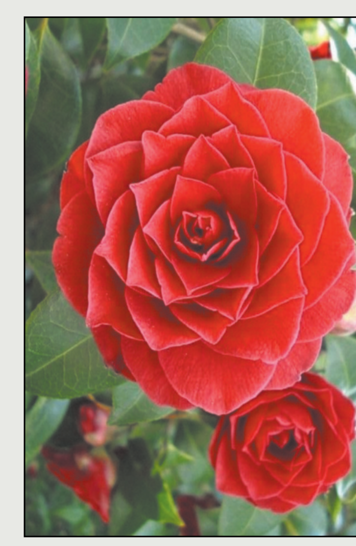

लाल गुलाब जैसा दिखने वाला यह फूल है 'मिडिलमिस्ट रेड'। इसे दुनिया का सबसे दुर्लभ फूल माना जाता है और उसकी वजह है कि यह पूरी दुनिया में सिर्फ दो ही जगहों (न्यूजीलैंड और ब्रिटेन) पर खिलता है। बता दें कि मिडिलमिस्ट रेड एक तरह का स्प्रिंग रोज यानी गुलाब का फूल है।

साल 1804 में जॉन मिडलमिस्ट नाम के एक शख्स ने इस फूल को चीन से लिया था और इंग्लैंड लेकर आए थे। उन्होंने अपने नाम पर इस फूल का नाम मिडिलमिस्ट रेड रखा। एक वक्त में यह फूल बेहद कीमती और दुर्लभ था। यह इंग्लैंड के उन अमीर लोगों के घर में ही पाया जाता था जो इसे खरीद सकते थे। उस वक्त इस फूल की कीमत 3 लाख रुपए से ज्यादा थी। मिडिलमिस्ट ने इस फूल को लंदन के कियू गार्डन में डोनेट किया था मगर ना जाने कैसे ये फूल वहां से गायब हो गया। साल 1823 तक ये फूल सिर्फ इंग्लैंड के चिस्विक हाउस और गार्डन में ही पाया जाने लगा। माना जाता है कि इस फूल का मूल देश चीन है जहां ये सबसे पहले पाया जाता था मगर आज तक इस बात को कोई नहीं जान पाया कि ये फूल चीन से पूरी तरह कैसे गायब हो गया। यह भी कोई नहीं जानता कि इस प्रजाति का एक फूल न्यूजीलैंड कैसे पहुंचा जहां ये खिलना शुरू हो गया और दो सदी से ज्यादा वक्त से वहां खिल रहा है। न्यूजीलैंड में ये फूल वैटांगी के ट्रीटी हाउस में खिलता है। यहां ये पहली बार साल 1833 में खिला था।

खून जैसा राल निकलता है इस पेड़ से, लोगों को चौंकाते हैं इसके आकार और उम्र

650 सालों तक जिंदा रहता है ड्रैगन ब्लड ट्री

ड्रैगन ब्लड ट्री एक आकर्षक और रहस्यमय पौधा है जो सोकोट्रा द्वीप समूह के बेमिसाल इकोसिस्टम में पनपता है. इन पेड़ों की विशेषता इसकी छतरी के आकार का ऊपरी हिस्सा और मोटी, चिकना तना है जो हरी पत्तियों के घने समूह में फैलता है. पेड़ की आकर्षक मौजूदगी और इसके आसपास की लोककथाओं ने इसे वनस्पति विज्ञानियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए रोचक बना दिया है.

यमन के सोकोट्रा द्वीपसमूह पर पाए जाने वाले 'ड्रैगन ब्लड ट्री' कुदरत के करिश्मे का एक नूमना है। किसी छाते की तरह नजर आने वाले ये पेड़ 650 साल तक जिंदा रह सकते हैं और इनकी ऊंचाई 33 से 39 फीट तक हो सकती है। जहां दूसरे पेड़ों को काटने पर सफेद और पीला गोंद निकलता है, वहीं इस पेड़ को काटने पर लाल रंग का रेजिन निकलता है जो खून की तरह लगता है और इसी वजह से इन्हें ड्रैगन ब्लड ट्री नाम दिया गया है। सोकोट्रा टापू पर पेड़ों की कम से कम 37% ऐसी प्रजातियां हैं, जो दुनिया में कहीं और नहीं पाई जातीं।

सोकोत्रा द्वीप समूह का मूल निवासी ड्रैगन ब्लड ट्री पेड़ से गहरे लाल रंग का राल निकलता है जिसे अक्सर 'ड्रैगन का खून' कहा जाता है, जिसे सदियों से पारंपरिक चिकित्सा, रंगाई और अनुष्ठान समारोहों सहित इसके विभिन्न उपयोगों के लिए बेशकीमती माना जाता रहा है. ड्रैगन ब्लड ट्री सोकोट्रा द्वीपसमूह का मूल निवासी है, जो हिंद महासागर में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है. इस पेड़ की सबसे खास विशेषताओं में से एक इसकी छतरी जैसा पत्तियों और शाखाएं हैं. जो सर्पिल रूप से व्यवस्थित समूह होते हैं. यह आकार इसे अन्य पेड़ों प्रजातियों से अलग करता है और इसके रहस्य को बढ़ाता है.

ड्रैगन ब्लड ट्री सोकोट्रा निवासियों की लोककथाओं और परंपराओं में एक अहम स्थान रखता है, जिन्होंने इसके रहस्यमय गुणों और औषधीय लाभों के लिए इसका सम्मान किया है. यह पीढ़ियों से स्थानीय रीति-रिवाजों और मान्यताओं का एक अभिन्न अंग रहा है. सूखे हालातों में पनपने वाले, ड्रैगन ब्लड ट्री ने अपने कठोर वातावरण में जीवित रहने के लिए खुद को बेहतरीन तरीके से ढाला है. अपने तने में पानी जमा करने और कम से कम संसाधनों का उपयोग करने की इसकी काबिलियत कठोर जलवायु में इसके लचीलेपन को दिखाती है. अपने कठोर मिज़ाज के बावजूद, इस पेड़ की वृद्धि दर धीमी है, कुछ नमूनों को परिपक्व होने में दशकों लग जाते हैं. यह धीमी वृद्धि इसकी प्राचीन ज्ञान की भावना में योगदान देती है.

आर्थिक रूप से भी विशेष

कई विशेषताओं से परिपूर्ण ये पेड़ सदियों से आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण रहे हैं। स्थानीय लोग इसे पशुओं के आहार के लिए इस्तेमाल करते हैं। इसके फल से गायों और बकरियों की सेहत भी अच्छी रहती है।

संकट में है वजूद

इतनी विशेषताओं के बावजूद भी इन पेड़ों का भविष्य संकट में है। इसकी सबसे बड़ी वजह है जलवायु परिवर्तन जिसके चलते सोकोट्रा द्वीपसमूह सूख रहा है। एक्सपर्ट्स को डर है कि 2080 तक इनके रहने के 45% इलाके खत्म हो जाएंगे।

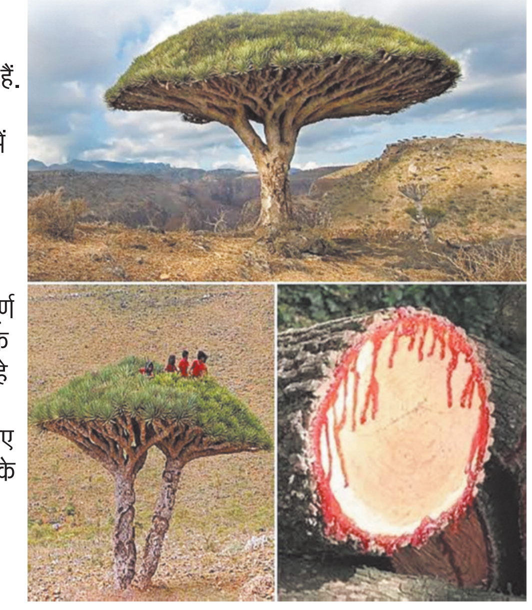

महाराजा अग्रसेन जयंती पर हुआ हवन, प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं का सम्मान एवं माता की चौकी

नोएडा। सेक्टर 33 स्थित अग्रसेन भवन में अग्रवाल मित्र मंडल नोएडा द्वारा प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं का सम्मान किया गया वहीं सेक्टर 51 स्थित डायमंड क्राउन में माता की चौकी का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ हवन एवं महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माला एवम पुष्प अर्पित करके किया गया। संस्था के अध्यक्ष मूलचंद गुप्ता ने बताया कि हमारी संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष वैश्य समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का जो दसवीं, बारहवीं के साथ साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, एमबीए आदि में अच्छा प्रदर्शन करते हैं उन सभी प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया जाता है, इस वर्ष जिन बच्चों ने 99.6% से ज्यादा अंक प्राप्त किया

महासचिव भूपेन्द्र मित्तल ने बताया कि नवरात्रि के पहले दिन आयोजित माता की चौकी में माँ का गुणगान जे.डी. सूफी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा किया गया, माता की चौकी में संस्था के सभी सदस्यों के साथ - साथ शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस आयोजन में नेत्रपाल अग्रवाल कोषाध्यक्ष, संयोजक मुकेश गुप्ता, एडवोकेट विकास बंसल, मनोज अग्रवाल (सी.एम.डी. प्रिया गोल्ड), डी. के. मित्तल, राजकुमार गुप्ता, पंकज अग्रवाल कार्यक्रम अध्यक्ष- मनोज गुप्ता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा नोएडा

मुख्य अतिथि- डॉ0 महेश शर्मा (सांसद गौतमबुद्धनगर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री), पंकज सिंह (विधायक- नोएडा), कैप्टन विकास गुप्ता दर्जा प्राप्त मंत्री उ0प्र0 सरकार, श्रीमती विमला बॉथम (पूर्व विधायक नोएडा), अति विशिष्ट अतिथि- अमित गुप्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन, महेश चौहान जिला अध्यक्ष भाजपा महानगर नोएडा, डी0डी0 मंगल अपर आयुक्त जी.एस.टी, जय भगवान गोयल चेयरमैन, ग्लोबल वैश्य फडरेशन, अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, युनाइटेड हिन्दू फ्रंट, विनय वर्मा (विधायक शोहरतगढ), अशोक गोयल, संदीप अग्रवाल, संजय गोयल, राजेंद्र जैन,बलराज गोयल, महेश अग्रवाल, आर.एस अग्रवाल,सुनील गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, श्रीकांत बंसल, परमात्मा शरण बंसल, टी.एन गोविल, राजीव अग्रवाल, देवेंद्र गंगल, केशव गंगल, प्रताप मेहता, प्रदीप मेहता, सुशील सिंघल,अनुज गुप्ता, डॉ वी.के गुप्ता, अमीश राजवंशी, रोहतास गोयल, मनोज अग्रवाल बृजवासी, पुनीत गर्ग, राधेश्याम गोयल, सत्यनारायण गोयल, गिर्राज अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, निशांत गर्ग, पंकज जिंदल, सुधीर गुप्ता, राजीव जैन, लघु अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, आकाशदीप, प्रदीप अग्रवाल, संदीप अग्रवाल सेश 10, मनोज गोयल सेश9, निखिल अग्रवाल, सचिन मित्तल, संयम जैन, तुषार गोयल, लोविश गर्ग, महिला शक्ति सविता गोयल, पूनम मित्तल, अनीता अग्रवाल, मोनिका गुप्ता, तृष्णा बंसल,कमलेश जैन, वंदना गुप्ता, सुरभि अग्रवाल, अंजु अग्रवाल, मंजु अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, संगीता गर्ग, कंचन अग्रवाल, सुनीता मित्तल, मीनाक्षी गुप्ता, कविता गोयल, सीमा जिंदल, चंचल अग्रवाल, नीरजा सिंघल, पूजा मित्तल, रचना अग्रवाल, रुचि गर्ग, सीमा, पारुल पालीवाल, तृप्ति गर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पदाधिकारी मौजूद रहे।

भगवान राम के जीवन से मिलने वाली प्रेरणाएं अनेक जन्मों के संस्कारों का संगम है: विकास जैन

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 नोएडा द्वारा 10 वर्षों से शुरू की गई रामलीला के तीसरे दिन यानी मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता जितेंद्र कसाना और अति विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, मुकेश कुमार, दीपक श्रीवास्तव, प्रमोद गुप्ता, गौरव छाबरा आदि ने दीप प्रज्वलित कर रामलीला का शुभारंभ कराया।

तीसरे दिन की रामलीला में मंगलवार को रामलीला ग्राउंड पहुंचकर मुख्य अतिथि लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता यतेंद्र कसाना ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान राम के आदर्शों पर सभी को चलना चाहिए ,उन्होंने कहा कि लोगों को अधर्म की बजाय धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए और रामलीला हमें यही सिखाती है। उन्होंने आयोजन समिति के सभी पदाधिकारी को इस प्रकार के आयोजन करने के लिए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूदउत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि प्रभु श्री राम के जीवन से मिलने वाली प्रेरणाएं अनेक जन्मों के संस्कारों का संगम है, उन्होंने कहा कि रामलीला का मंचन केवल आज मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि आने वाली पीढियां के संस्कारों के लिए सजाया जाता है, उन्होंने रामलीला कमेटी के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिर्राज अग्रवाल और उनकी टीम ने स्वागत किया।

इस अवसर पर तीसरे दिन की रामलीला का मंचन पंडित कृष्ण स्वामी ने करते हुए धनुष यज्ञ की लीला का मंचन कराया, जिसमें सभी देश देशांतर के राजा महाराजा धनुष तोड़ने का प्रयास करते हुए ,परंतु धनुष नहीं टूटा। अंत में प्रभु राम गुरु वशिष्ठ से आज्ञा प्राप्त करके धनुष तोड़ते हैं, इसके बाद सीता का स्वयंवर होता है ।इसके पश्चात भगवान परशुराम जी का आगमन लक्ष्मण जी के साथ उनकी नोक झोक होना लीला का बेहतर तरीके से मंचन किया गया। रामलीला देखने वालों की तीसरे दिन काफी भीड़ रही। वहीं सुरक्षा की कमान खुद एसीपी प्रवीण कुमार संभाले हुए थे।

इस अवसर पर आए हुए अतिथि और रामलीला मंचन देखने आए भक्तों का रामलीला समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर आयोजन समिति के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ,सीएम डी,प्रिया गोल्ड,वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल ,संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघ, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा रामरतन शर्मा, डॉ योगेंद्र सिंह अरुण चौहान सुमित अग्रवाल डॉक्टर श्वेता गोयल शुभम गर्ग रमेश गोयल शेषनाथ मिश्रा आदि मौजूद थे।

वॉल्वो कार इंडिया ने लॉन्च की अपनी पहली सॉफ्टवेयर डिफाइंड व्हीकल (एसडीवी) और पूरी तरह इलेक्ट्रिक लक्जरी एसयूवी ईएक्स90

नोएडा। वॉल्वो कार इंडिया ने अपनी नई ऑल-इलेक्ट्रिक लग्जरी फ्लैगशिप एसयूवी ईएक्स90 को आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया है। इसकी कीमत 1.26 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। छह सीटों वाली इस लग्जरी फैमिली एसयूवी में स्कैंडिनेवियाई मिनिमलिस्ट डिजाइन, सुरक्षा के उन्नत मानक, शानदार ड्राइविंग रेंज और अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। ईएक्स90 भारतीय बाजार में वॉल्वो की पहली सॉफ्टवेयर-डिफाइंड व्हीकल (एसडीवी) है। इसे वॉल्वो के नए एसपीए2 प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है।

वॉल्वो ईएक्स90 की बुकिंग शुरू कर दी गई है। कस्टमर एक्सपीरियंस और टेस्ट ड्राइव के लिए इसे नवंबर, 2026 से उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं इसकी डिलीवरी जनवरी, 2027 से शुरू करने की तैयारी है। इसके अलावा, 31 दिसंबर, 2026 तक की गई सभी बुकिंग पर एक इंट्रोडक्टरी ऑफर भी दिया जा रहा है। इस ऑफर में 11 किलोवॉट का वॉल बॉक्स चार्जर और तीन साल का सर्विस पैकेज शामिल है। साथ ही, वॉल्वो कार्स की डीलरशिप की तरफ से तीन साल बाद गाड़ी की कीमत के 65% तक के बायबैक ऑफर भी मिल रहा है।

रामलीला के तृतीय दिवस पर भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का मंचन

नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा द्वारा आयोजित रामलीला के तृतीय दिवस पर भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रसंगों का भावपूर्ण एवं आकर्षक मंचन किया गया। मंचन के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के जीवन, आदर्शों, मर्यादा एवं धर्म के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। तृतीय दिवस के कार्यक्रम में दशरथ दरबार, श्रीराम एवं लक्ष्मण की शिक्षा, विश्वामित्र आश्रम में आगमन, ताड़का वध, मारीच एवं सुबाहु से संबंधित प्रसंग, राम-लक्ष्मण को विश्वामित्र जी के साथ भेजना, अहिल्या उद्धार तथा जनकपुर में स्वागत जैसे महत्वपूर्ण दृश्यों का मंचन किया गया।

रामलीला के दौरान विश्वामित्र आश्रम में राक्षसों द्वारा यज्ञ में विघ्न डालने और प्रभु श्रीराम द्वारा ताड़का वध सहित अन्य प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। सीता जन्म से संबंधित प्रसंग को भी मंचन में शामिल किया गया। इन दृश्यों ने दर्शकों को रामायण की महत्वपूर्ण घटनाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण के आदर्शों, गुरु के प्रति सम्मान, धर्म की रक्षा तथा अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा द्वारा आयोजित यह आयोजन भारतीय सांस्कृतिक धार्मिक परंपराओं एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बना।

रामलीला कार्यक्रम के तृतीय दिवस में श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा के चेयरमैन डा. टी. एन. गोविल, अध्यक्ष टी. एन. चौरसिया, महासचिव संजय बाली, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज, कोषाध्यक्ष अल्पेश गर्ग, रमेश कुमार, एस.के.एस. राणा, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, पंकज जिंदल, मित्रा शर्मा, विपिन मलन, जनक भाटिया, तरूण राज, नवीन सोनी, जे.सी माहेष्वरी, समीर अग्रवाल, वीरेन्द्र मेहता, नरेन्द्र चोपड़ा, मनीष अग्रवाल, पवनदीप सिंह, वपिन बंसल, अनिल गुप्ता, विनय शर्मा, सौरभ गोविल, महेन्द्र कटारिया, राजीव अजमानी, संजय गोयल, विकास जैन, अखिलेष बधोरिया, जितेन्द्र सिंह, महेष चौहान, प्रमोद शर्मा, अषोक मिश्रा, राकेष गुपता, अषोक चौहान, राजेष भारद्वाज, राधा किषन गर्ग, तरूण राज, समीर अग्रवाल, रविंदर गुप्ता, अर्चना राय, केशव गंगल, अतुल वर्मा, तरुण राज, जतिन, रोहित श्रीवास्तव, पवन सिंह, सुन्दर सिंह राणा, एन. के अग्रवाल, पुनीत शुक्ला, प्रमोद रंगा, चन्द्रपाल सिंह, श्रेया चतुर्वेदी, विनोद शर्मा, सुनील कुमार, देवेन्द्र गंगल, कुलदीप गुप्ता, मुकेष गुप्ता, योगेन्द्र शर्मा, सुनील कुमार, अतुल मित्तल, डा. एस.पी जैन, संजय जैन, अमित पोरवाल, मनोज पोरवाल, नरेष बंसल, छाया राय, विषाल कष्यप, लोकेष कष्यप, कुलदीप गोयल, पुष्कर शर्मा, उदय जैन, सन्नी अग्रवाल, मनोज उपाध्याय, माधव तुली, आदित्य अग्रवाल, तुषार गोयल, पी.के गुप्ता, चन्द्रपाल, गिरिजा सिंह, महेन्द्र कटारिया, राम कुमार शर्मा, रवि यादव, बबलू यादव, षिवांष श्रीवास्तव, अविनाष, रोहित ठाकुर, भारत भूषण भारद्वाज आदि काफी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक उपस्थित रहें।

ताड़का का वध कर सीता स्वयंवर में जनकपुर पहुंचे राम लक्ष्मण

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा आयोजित श्रीरामलीला के तीसरे दिन मुख्य अतिथि नोएडा प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी इंदुप्रकाश सिंह,सेवानिवृत्त अपर पुलिस महानिदेशक एवं संत स्वामी ब्रह्मबोधि जी महाराज,भाजपा नोएडा के जिलाध्यक्ष महेश चौहान, आलोक द्विवेदी अध्यक्ष नोएडा मीडिया क्लब द्वारा दीप प्रज्जवलित कर रामलीला का शुभारंभ हुआ। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

प्रथम दृश्य में राक्षसी तड़का, मारीच व सुबाहु, विश्वामित्र जी, श्रीराम जी और लक्ष्मण जी पर आक्रमण कर देते है। श्रीराम धनुष-बाण उठाकर सुबाहु और तड़का का वध कर देते है और मारीच को दूर दक्षिण दिशा में समुद्र किनारे फ़ेक देते है।

अगले दृश्य में मुनि विश्वामित्र के साथ चलते-चलते जनकपुर के निकट पहुंच जाते हैं। जनकपुर पहुंचकर श्रीराम एवं लक्ष्मण जनक बाजार में पहुंचते हैं जहाँ तरह तरह की दुकानें सुसज्जित थी विभिन्न प्रकार के पकवान एवं तरह तरह की मिठाईयां देख उनका मन प्रसन्न हो गया ।

अगले दृश्य में पुष्प वाटिका में श्री राम का माता सीता से मिलन होता है। दर्शको में इस मनमोहक दृश्य को देख प्रसन्नता की लहर उठ आती है।अगले दृश्य मे माता सीता मनचाहे वर के लिए माता गौरी की पूजा करती हैं ताकि उन्हें राम वर के रुप मे प्राप्त हो और वह अपना मन चाहा वर प्राप्त कर सकें इसके साथ ही तीसरे दिन की लीला का समापन होता है।

मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता जी ने बताया कि कल 14 अक्टूबर को राजा जनक द्वारा राजाओं का स्वागत, धनुष भंग करने का प्रयास, जनक के ऊपर लक्ष्मण का क्रोध, रावण का विवाह मंडप में आगमन, राम द्वारा धनुष भंग, परशुराम क्रोध आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा।

इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, अजीत चाहर, गौरव मेहरोत्रा, आत्माराम अग्रवाल, मुकेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, अनंत वर्मा, मनोज शर्मा, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेडिया, चक्रपाणि गोयल, राजेश माथुर, साहिल चौधरी, कुलदीप गुप्ता, शांतनु मित्तल, सुधीर पोरवाल, मोतीराम गुप्ता, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती, दीपक अग्रवाल, दयाशंकर तिवारी सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

विज्ञापन के प्रचार के लिए वर्षों पुराने नीम के पेड़ों का विनाश दुर्भाग्यपूर्ण, हो कठोर कार्यवाही: पवन यादव

नोएडा। सेंचुरी अपार्टमेंट, सेक्टर-100 नोएडा के निकट 75 मीटर रोड पर गेट के पास लगाए गए एक विज्ञापन बोर्ड को लेकर पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पिछले लगभग दो वर्षों में इस बोर्ड के प्रचार-प्रसार के लिए 10-12 वर्ष पुराने 6-7 नीम के पेड़ों को नुकसान पहुँचाया गया, जिनमें कई पेड़ों के मोटे तने काट दिए गए और कुछ पेड़ पूरी तरह नष्ट हो गए।

फोनरवा के कोषाध्यक्ष और पर्यावरण प्रहरी पवन यादव ने इस मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय निवासी इन पेड़ों को लंबे समय से खाद-पानी देकर संरक्षित करने का प्रयास कर रहे थे। वर्षों की मेहनत से तैयार हुए इन पेड़ों का इस तरह नष्ट होना पर्यावरण के प्रति गंभीर लापरवाही है।

उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार और नोएडा प्राधिकरण वृक्षारोपण एवं हरियाली बढ़ाने के लिए अभियान चलाते हैं, वहीं दूसरी ओर यदि विज्ञापन बोर्ड लगाने या उसे प्रचारित करने के लिए पुराने पेड़ों को नुकसान पहुँचाया जाता है, तो इसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।

पवन यादव ने जिला वन अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर से मांग की है कि मामले का तत्काल संज्ञान लेकर स्थल का निरीक्षण कराया जाए, पेड़ों को नुकसान पहुँचाने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान की जाए और दोष सिद्ध होने पर उनके विरुद्ध संबंधित कानूनों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाए।

उन्होंने नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग से भी इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की है। साथ ही विज्ञापन बोर्ड की अनुमति की जाँच कर नियमों के विपरीत पाए जाने पर उसे तत्काल हटाने तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जाँच करने का अनुरोध किया है।

पवन यादव ने कहा, 'एक पेड़ को बड़ा होने में वर्षों लगते हैं। जिन नीम के पेड़ों को स्थानीय निवासी अपने परिवार की तरह सींचकर बड़ा करते हैं, उन्हें किसी विज्ञापन के लिए नष्ट कर देना बेहद दुखद है। यदि पेड़ों की कटाई या उन्हें नुकसान पहुँचाने में किसी व्यक्ति अथवा अधिकारी की भूमिका सामने आती है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। 'उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि वर्षों से खड़े पेड़ों की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है।

प्रमुख मांगें:

- नष्ट एवं क्षतिग्रस्त नीम के पेड़ों की तत्काल जाँच।
- पेड़ों को नुकसान पहुँचाने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान।
- दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई एवं प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग।
- विज्ञापन बोर्ड को तत्काल हटाया जाए।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सनसनी, अलग-अलग इलाकों से 3 नाबालिग किशोरियां लापता

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग इलाकों से तीन नाबालिग किशोरियों के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने के गंभीर मामले सामने आए हैं। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी जब किशोरियों का कोई सुराग नहीं लगा, तो उन्होंने संबंधित थानों में गुहार लगाई। परिजनों की लिखित शिकायतों के आधार पर सेक्टर-49, बीटा-2 और सेक्टर-24 थाना पुलिस ने मामले दर्ज कर लिए हैं। पुलिस की कई टीमें सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से लापता किशोरियों की तलाश में जुट गई हैं।

पहला मामला थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के अंतर्गत कश्यप कॉलोनी, सेक्टर-48 से सामने आया है। थाना प्रभारी राम प्रकाश शर्मा ने बताया कि कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने थाने में आकर शिकायत दर्ज कराई कि उनकी 15 वर्षीया नाबालिग बेटी बीते 8 अक्टूबर से अचानक घर से लापता है। परिजनों के मुताबिक, किशोरी का किसी बात को लेकर घर में विवाद हुआ था, जिसके बाद वह गुस्से में आकर बिना किसी को बताए घर छोड़कर चली गई। रिश्तेदारों व संभावित ठिकानों पर काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने केस दर्ज कर किशोरी की खोजबीन शुरू कर दी है।

अल्फा-1 की 16 वर्षीय छात्रा लापता: दूसरा मामला ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा-2 क्षेत्र से जुड़ा है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अल्फा-1 सेक्टर निवासी एक पिता ने अपनी 16 वर्षीया बेटी के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित पिता के अनुसार, उनकी बेटी द्यश्ष्ड्डद्य ज्ञान ज्योति स्कूल की छात्रा है और 6 अक्टूबर से रहस्यमय ढंग से लापता है। शिकायतकर्ता पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी के साथ उसी स्कूल में पढ़ने वाला एक सहपाठी छात्र उसे बहला-फुसलाकर अगवा कर कहीं ले गया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर छात्र व किशोरी की लोकेशन ट्रेस करना शुरू कर दिया है।

मोरना गांव से 17 वर्षीय किशोरी गायब: तीसरी घटना थाना सेक्टर-24 क्षेत्र स्थित मोरना गांव की है। थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश नैथानी ने बताया कि गांव निवासी एक महिला ने थाने में आकर अपनी 17 वर्षीया बेटी के लापता होने के संबंध में शिकायत दी है। मां के मुताबिक, उनकी बेटी 11 अक्टूबर से अचानक घर से गायब है। आसपास और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन के बाद भी जब बेटी का कुछ पता नहीं चला, तो मां ने आशंका व्यक्त की है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर कहीं भगा ले गया है। पुलिस ने सभी तीनों मामलों में सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमे पंजीकृत कर लिए हैं और लापता किशोरियों की सकुशल बरामदगी के लिए टीमों का गठन कर जांच तेज कर दी है।

कैराना सम्मेलन में गुर्जर समाज की एकजुटता का आह्वान, दिल्ली रैली को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प

कैराना। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की जनपद शामली कार्यकारिणी के तत्वावधान में पवन गार्डन में भव्य सम्मेलन आयोजित किया गया। समाज की एकजुटता, सामाजिक उत्थान और युवा पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित इस सम्मेलन में राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव राकेश चपराना, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगवीर दौला एवं केपी कसाना, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी तथा राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष मनीष चौहान ने भी शिरकत की। आयोजकों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों का पारंपरिक पगड़ी पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल चौहान ने की तथा संचालन जिलाध्यक्ष मास्टर श्रीपाल आर्य ने किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए हरिश्चंद्र भाटी ने शिक्षा, संगठन और सामाजिक जागरूकता को समाज की प्रगति का मूल आधार बताया। उन्होंने समाज को एकजुट रखने, संगठन को मजबूत बनाने तथा युवा पीढ़ी को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में आगामी 27 अक्टूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देशभर में समाज की एकता, जागरूकता और संगठनात्मक शक्ति का संदेश देगा।

वक्ताओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रनिर्माण में योगदान को याद करते हुए कहा कि देशी रियासतों के एकीकरण और भारत की अखंडता को मजबूत बनाने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्रीय एकता, आपसी भाईचारे और सामाजिक सहयोग को मजबूत करना चाहिए।

अन्य वक्ताओं ने भी शिक्षा के प्रसार, युवाओं के मार्गदर्शन और समाज के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से अपनी प्रतिभा और परिश्रम के माध्यम से समाज एवं देश की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया।

सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने आगामी दिल्ली रैली में अधिकाधिक भागीदारी कर आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बाबू करतार सिंह, असलम प्रधान, मोहसिन प्रधान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समाज के लोग मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

महर्षि नगर में रामलीला के दूसरे दिन श्रीराम जन्म से अहिल्या उद्धार तक का हुआ भावपूर्ण मंचन

नोएडा। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नोएडा के सेक्टर-110 स्थित महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव में भक्ति, श्रद्धा और भारतीय संस्कृति की अनुपम छटा देखने को मिल रही है। आयोजन के दूसरे दिन, 12 अक्टूबर को श्रीरामलीला के मंचन में भगवान श्रीराम के जन्म से लेकर अहिल्या उद्धार तक के प्रसंगों को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। श्रीराम जन्म, नामकरण संस्कार, महर्षि विश्वामित्र का आगमन, श्रीराम की शिक्षा-दीक्षा, राक्षसों के अत्याचार, ताड़का ह्नवध, सुबाहु वध और अहिल्या उद्धार के प्रसंगों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के जीवन और आदर्शों से परिचित कराया।

रामलीला के इन प्रसंगों के माध्यम से धर्म की स्थापना, अधर्म के विनाश, गुरु के प्रति सम्मान और मानव जीवन में संस्कारों के महत्व को दर्शाया गया। भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप से लेकर ऋषि-मुनियों की रक्षा के लिए उनके द्वारा किए गए पराक्रम तक के प्रसंग को दर्शकों को रामायण की गौरवशाली परंपरा से जोड़ा। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। ए के लाल मीडिया प्रभारी ने बताया रामलीला के दूसरे दिन भगवान श्रीराम के जन्म और नामकरण के प्रसंग से मंचन की शुरुआत हुई। इसके बाद महर्षि विश्वामित्र के अयोध्या आगमन और भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण को अपने साथ ले जाने की कथा4 प्रस्तुत की गई। शिक्षा-दीक्षा प्राप्त करने के बाद गुरु विश्वामित्र के साथ वन की ओर प्रस्थान और ऋषि-मुनियों के यज्ञ में बाधा डालने वाले राक्षसों के अत्याचारों का प्रसंग भी मंचित किया गया।

ताड़का वध और सुबाहु वध के दृश्यों के माध्यम से भगवान श्रीराम के शौर्य, साहस और धर्म की रक्षा के संकल्प को दर्शाया गया। वहीं, अहिल्या उद्धार के प्रसंग ने करुणा, आस्था और भगवान की कृपा का संदेश दिया। इन प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को यह प्रेरणा दी कि सत्य, साहस और धर्म के मार्ग पर चलते हुए समाज में न्याय एवं सद्भाव की स्थापना की जा सकती है।

रामलीला के माध्यम से नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के जीवन, मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्शों से परिचित कराने का अवसर मिल रहा है। यह आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में सत्य, धर्म, अनुशासन और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा भी देता है।

इस अवसर पर महर्षि संस्थान के अध्यक्ष श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव जी उपस्थित थे। इसके साथ ही श्री दुर्गा पूजा,विजया दशमी एवं श्री रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेन्द्र सचान विनोद श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव, शिशिर श्रीवास्तव, विनोद दीक्षित, एस.पी. गर्ग, मनोज श्रीवास्तव, एल.एस. सोम, लल्लन पाठक, दयाशंकर गुप्ता, राजेंद्र शुक्ला अरुण चौबे, श्रीकांत ओझा, संतोष श्रीवास्तव, कमलेश यादव, रजनीश यादव, नरेश श्रीवास्तव, राजेंद्र खंतवाल और नरेंद्र सिंह सहित गेझा और भंगेल निवासी अनेक गणमान्य लोग और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद थी।

पानी की किल्लत से जूझ रही झुग्गी बस्तियों की महिलाएं, 15 अक्टूबर को करेंगी नोएडा प्राधिकरण का घेराव

नोएडा। सेक्टर 8, 9, 10, 5 नोएडा की झुग्गी बस्तियों में पानी की ज्वलंत समस्या को लेकर आज अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति, गौतम बुद्ध नगर कमेटी ने सेक्टर-8 कार्यालय पर बैठक की।

बैठक को समिति की दिल्ली एनसीआर राज्य अध्यक्ष आशा यादव, जिला अध्यक्ष रेखा चौहान, जिला सचिव चंदा बेगम आदि ने संबोधित किया।

बैठक में बस्तियों में रहने वाली महिलाओं ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा बस्तियों में पानी की आपूर्ति सही तरीके से नहीं की जा रही है, जिससे हजारों परिवारों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पीने के पानी के लिए महिलाओं को घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 15 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग कार्यालय, सेक्टर-5, नोएडा पर जोरदार प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा।

महिला समिति ने मांग की है कि बस्तियों में नियमित और पर्याप्त पानी की आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित की जाए, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

नोएडा सिग्नेचर ब्रिज के नीचे बनेगा अंडरपास

नोएडा। नोएडा के पर्थला चौक और एफएनजी कॉरिडोर पर रोज लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। यहां सिग्नेचर ब्रिज के नीचे 6 लेन का अंडरपास बनाया जाएगा। इसकी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट अगले हफ्ते नोएडा प्राधिकरण को मिल जाएगी। इसके बाद रिपोर्ट बोर्ड के सामने रखी जाएगी। मंजूरी मिलने पर टेंडर जारी कर निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

अंडरपास बनाने पर करीब 80 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। प्राधिकरण इसका डिजाइन जारी कर चुका है। डिजाइन की जांच आईआईटी दिल्ली से कराई जा रही है। इसके बाद प्रोजेक्ट की वास्तविक लागत तय होगी। फिर मिट्टी की जांच समेत निर्माण से जुड़ी दूसरी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी।

710 मीटर लंबा होगा अंडरपास: प्रस्तावित अंडरपास करीब 710 मीटर लंबा होगा। इसमें दोनों तरफ तीन-तीन लेन बनाई जाएंगी। योजना के मुताबिक, 110 मीटर लंबा आरसीसी बॉक्स, 20 मीटर का खुला हिस्सा और दोनों तरफ 280-280 मीटर लंबे पहुंच मार्ग बनाए जाएंगे। बारिश में पानी भरने की समस्या से निपटने के लिए दो संप और पंपिंग सिस्टम भी लगाया जाएगा। निर्माण में डायफ्राम वॉल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे खुदाई के दौरान आसपास की जमीन और मौजूदा ढांचे को स्थिर रखने में मदद मिलेगी।

पर्थला चौक पर दिनभर रहता है वाहनों का दबाव: पर्थला चौक एफएनजी कॉरिडोर और विकास मार्ग का प्रमुख जंक्शन है। यहां से गाजियाबाद, एनएच-9, मेरठ एक्सप्रेसवे, नोएडा और ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की ओर जाने वाले वाहन गुजरते हैं। भविष्य में फरीदाबाद की ओर जाने वाली कनेक्टिविटी बढ़ने से भी इस रास्ते की अहमियत बढ़ेगी। अभी सुबह और शाम के व्यस्त समय में यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।

शाहदरा में विकास जैन का सम्मान, जैन, वैश्य एवं व्यापारी समाज से की विकास जैन को समर्थन देने की अपील

दिल्ली। जैन युवा परिषद द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन एवं नवरात्रि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन को जैन समाज दिगंबर के अध्यक्ष सुदेश जैन ने सम्मानित किया। इस अवसर पर सामाजिक राजनैतिक एकता, समाज के उत्थान और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के दौरान सुदेश जैन ने नोएडा एवं एनसीआर में रहने वाले जैन समाज के लोगों से विकास जैन के साथ खड़े होने और समाज की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जैन समाज, वैश्य समाज, अग्रवाल समाज और व्यापारी समाज आपसी एकता एवं सहयोग के साथ आगे आएं, ताकि समाज की प्रतिष्ठा बढ़े और जनहित के कार्यों को नई दिशा मिल सके।

सुदेश जैन ने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, आपसी विश्वास और सेवा भावना में निहित है। जब विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक वर्ग मिलकर काम करते हैं, तो शिक्षा, व्यापार, सामाजिक सेवा और जनकल्याण के क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में भी विकास जैन को सहयोग देने की अपील की और सामाजिक एकजुटता के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर विकास जैन ने सम्मान के लिए जैन समाज एवं आयोजक समिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना, व्यापारियों की समस्याओं को उठाना और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देना उनकी प्रतिबद्धता है।

विश्व मानक दिवस पर सलाम नमस्ते में 'मानक की बात' कार्यक्रम का आयोजन

नोएडा। विश्व मानक दिवस के अवसर पर आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते एवं भारतीय मानक ब्यूरो नोएडा के सहयोग से 'मानक की बात' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। 'बी द मानक नेक्स्टजेन 2047' अभियान के अंतर्गत आयोजित इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों को भारतीय मानकों, उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकारों तथा सतत विकास के प्रति जागरूक करना है। आज के कार्यक्रम के दौरान बीआईएस नोएडा के वरिष्ठ निदेशक कौशिक दत्ता ने मानकों की दैनिक जीवन में उपयोगिता, उत्पादों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा, प्रमाणन चिह्नों की पहचान और ऊर्जा दक्षता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किया।

मानक दिवस पर अपने संदेश में आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि गुणवत्ता और मानकों के प्रति जागरूकता एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। युवाओं को मानकों की महत्ता समझने के साथ-साथ इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए। हम इन पहलों के माध्यम से जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य युवाओं को जागरूक नागरिक और जिम्मेदार उपभोक्ता बनाना है, जो सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण समाज के निर्माण में योगदान दे सकें।

कार्यक्रम के दौरान कौशिक दत्ता ने दैनिक जीवन में मानकों की उपयोगिता, उत्पादों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा, प्रमाणन चिह्नों की पहचान और ऊर्जा दक्षता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि मानक गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित उत्पादों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उपभोक्ताओं को उत्पाद खरीदते समय संबंधित गुणवत्ता चिह्नों और प्रमाणन के प्रति जागरूक रहना चाहिए। मानकों की जानकारी न केवल सही निर्णय लेने में मदद करती है, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार उपभोग को भी प्रोत्साहित करती है। '

वहीं सलाम नमस्ते सामुदायिक रेडियो की स्टेशन हेड वर्षा छबाड़िया ने बताया कि हमारा उद्देश्य सामुदायिक रेडियो के माध्यम से सरल और प्रभावी तरीके से जन-जन तक पहुंचाना है। 'मानक की बात' जैसी पहल के माध्यम से हम युवाओं और आम नागरिकों को गुणवत्ता, सुरक्षा तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना चाहते हैं, ताकि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार एवं समुदाय में भी जागरूकता फैलाएं।

निजी कंपनी में महिला कर्मचारियों ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

नोएडा। कासना थाना क्षेत्र की एक निजी कंपनी से जुड़ा महिला कर्मचारियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें महिलाएं पिछले छह महीने से उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगा रही हैं। महिलाओं का आरोप है कि शिकायत के बाद आरोपी वरिष्ठ के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, लेकिन अब वह दोबारा कंपनी पहुंच गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

महिला कर्मचारियों का आरोप है कि उन्होंने पहले कंपनी प्रबंधन से मामले की शिकायत की थी। प्रबंधन की ओर से सहयोग का आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। महिलाओं का दावा है कि पुलिस ने आरोपी को पकड़ा था, लेकिन इसके बाद उन्हें सात दिन तक इंतजार करने के लिए कहा गया। आरोप है कि कंपनी में उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। शिकायत के बावजूद एक सप्ताह बीतने पर भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई।

शिकायत करने वाली कर्मचारियों को आरोपी पक्ष की ओर से धमकाया जाता है। उनके मुताबिक उत्पीड़न, गाली-गलौज और अभद्रता की शिकायत करने वाली महिलाओं के खिलाफ ही कार्रवाई की जाती है। उन्होंने पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और कार्यस्थल पर सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं कासना कोतवाली प्रभारी पंकज शर्मा का कहना है कि महिलाओं के कृत्य से कंपनी को नुकसान हुआ था। उनके अनुसार, महिलाएं थर्ड पार्टी के माध्यम से अनुबंध पर काम कर रही हैं। आरोप लगाने वाली महिला कोतवाली पहुंची थी और उन्होंने बताया कि अब कोई समस्या नहीं है। मामले की जांच की जा रही है।

स्वास्थ्यकर्मियों की हड़ताल के कारण टेलीमेडिसिन विभाग ठप

नोएडा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदाकर्मियों की हड़ताल के कारण टेलीमेडिसिन विभाग सात दिनों से ठप पड़ा हुआ है, जिससे फोन पर मरीजों को परामर्श नहीं मिल पा रहा है। एनएचएम कर्मी नियमितीकरण, एक समान काम एक समान वेतन सहित कई मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं।

जिले में जिला अस्पताल और बाल चिकित्सालय में टेलीमेडिसिन विभाग काम करता हैं। दोनों चिकित्सकीय संस्थानों में टेलीमेडिसिन स्वास्थ्य विभाग के तहत काम करता हैं। हड़ताल के बाद से यह बंद है, जिससे करीब ढ़ाई हजार से अधिक मरीज इस स्वास्थ्य सेवा से वंचित रहे। एक महीने में करीब 10 हजार मरीज टेलीमेडिसिन के माध्यम से परामर्श लेते हैं। विभाग में सात डॉक्टर कार्यरत हैं, जिन्हें एनएचएम के तहत रखा गया है। वहीं 57 आरोग्य केंद्रों में भी टेलीमेडिसिन सेवा बंद है, यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी ओपीडी के साथ ही टेलीमेडिसिन सेवा के माध्यम से भी मरीजों को परामर्श देते हैं। सीएमओ डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी ने बताया कि टेलीमेडिसिन सेवा प्रभावित है। जल्द ही इस विभाग में पहले की तरह काम शुरू होगा।

एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के कर्मचारी भी हड़ताल पर: राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हैं। सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में काम करने वाले 10 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर हैं। सुबह आठ बजे से दस बजे तक काउंसलिंग सहित अन्य कार्य नहीं हो रहे। आवश्यक सेवा होने के कारण इसके बाद काली पट्टी बांधकर कर्मचारी कार्य कर रहे हैं, जिससे एचआईवी से संबंधित जांच, काउंसलिंग आदि के कार्य दो घंटे देरी से हो रहे हैं। एड्स नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े मनोज गुप्ता, रश्मि आदि सहित सभी कर्मचारी मंगलवार को भी दो घंटे कार्य बहिष्कार किया।

सीवर ओवरफ्लो व बदबू से मिलेगी निजात : अशोक चौहान

नोएडा। मंगलवार को गांव नंगली वाजिदपुर में सीवर लाईन डालने का कार्य ग्राम विकास संगठन नोएडा के संयोजक डीपी चौहान के द्वारा नारियल तोड़ कर कराया गया। ग्राम विकास संगठन नोएडा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि गांव नंगली वाजिदपुर सैक्टर-135 व सैक्टर- 130 के 5 प्रतिशत सैक्टर में सीवर ओवर फ्लो की समस्या से सभी निवासी जूझ रहे थे। गांव नंगली वाजिदपुर और सेक्टर 130 की सीवर ओवरफ्लो की समस्या के समाधान के लिए निरंतर नोएडा प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों से नोएडा दिवस, ग्राम चौपाल एवं पत्राचार के माध्यम से अवगत कर रहे थे। जिसका परिणाम है कि आज गांव नंगली वाजिदपुर के बारात के पास 45 मीटर चौडी सड़क में सीवर लाइन डालने का कार्य शुरू हो गया है आशा ओर उम्मीद है कि उपरोक्त सीवर लाइन डालने के बाद गांव नंगली वाजिदपुर एवं सेक्टर 130 में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का समाधान हो जायेगा ओर निवासियों को सीवर की बदबू छूट कारा मिलेगा ना ही सीवर के गन्दे पानी के बीच से भी नहीं गुजरना पडेगा।

इस अवसर पर जल विभाग के जेई दयानंद उपाध्याय, कुलवीर, ग्राम विकास संगठन नोएडा के संयोजक डीपी चौहान, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान, सतेन्द्र चौधरी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नवरात्र के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने की मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना

नोएडा। शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन मंगलवार को शहर में मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की गई। मंदिरों में पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर सुख-शांति और परिवार की खुशहाली की कामना की। सुबह से ही घरों और मंदिरों में पूजा-पाठ की जा रही हैं। श्रद्धालु मंदिरों में मां को फूल और प्रसाद अर्पित कर रहे है। सेक्टर-62 स्थित विनायक मंदिर में दक्षिण भारतीय परंपरा गोलू उत्सव के तहत देवी-देवताओं की प्रतिमाएं सजाई गई हैं। इन प्रतिमाओं को तमिलनाडु से मंगाया गया है। नवरात्र के उपलक्ष्य में प्रतिदिन सुबह महिलाएं मंदिर में एकत्र होकर श्री ललिता सहस्त्रनामम् का पाठ कर रही है। मंदिर के सेवादार एस.वैंकटेश ने बताया कि इस आयोजन के जरिए दक्षिण भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से नई पीढ़ी को परिचित कराया जा रहा है। सेक्टर-110 के महर्षि नगर में भी नवरात्र के अवसर पर प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में आकर भजन-कीर्तन कर मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की। सेक्टर-81 के सलापुर गांव में दुर्गा पूजा प्रांगण में जय मां दुर्गा सेवा समिति द्वारा 13वीं नवरात्र पूजा आयोजित की जा रही है, जिसमें मंगलवार को मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की गई। इसके अलावा शहर के सनातन धर्म मंदिर, लाल मंदिर और लक्ष्मी नारायण मंदिर समेत शहर के अन्य मंदिरों और घरों में श्रद्धालु नवरात्रि के त्यौहार को उत्साह के साथ बना रहे है।

प्रेमी की पत्नी से मारपीट में युवती की जान गई

नोएडा। याकूबपुर गांव में 10 दिन पूर्व हुई युवती की गैर इरादतन हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस को जांच में पता चला है कि युवती अपने प्रेमी और उसकी पत्नी के साथ रह रही थी। प्रेमी की पत्नी उसे साथ नहीं रखना चाहती थी। वह उससे आए दिन झगड़ा करती थी। पांच अक्तूबर की शाम दोनों के बीच मारपीट हुई, जिसमें युवती मौत हो गई। पुलिस अब तक दंपति को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

पुलिस के मुताबिक याकूबपुर गांव की गली नंबर-12 स्थित कर्मवीर भाटी के घर की चौथी मंजिल पर बने एक कमरे में पांच अक्तूबर को युवती का शव मिला था। मृतका की पहचान जिला कासगंज निवासी मनीषा के रूप में हुई थी। मकान की रखवाली करने वाले जितेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया था कि करीब एक सप्ताह पूर्व नितिन नामक व्यक्ति किराये पर कमरा लेने आया था। उसके साथ शीला और मनीषा भी थीं। उसने शीला को पत्नी और मनीषा को साली बताया था। उसने बताया था कि वह टैक्सी चलाता है। पांच अक्तूबर की शाम नितिन ने जितेंद्र को फोन किया। उसने कहा था कि शीला और मनीषा का आपस में झगड़ा हो गया है। वह कमरे में जाकर देख ले। जितेंद्र कमरे पर पहुंचा तो बाहर से ताला लगा था। ताला तोड़कर अंदर घुसकर देखा तो मनीषा का शव पड़ा था। उसकी नाक से खून बह रहा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया था। घटना के बाद से नितिन और शीला फरार चल रहे हैं।

पुलिस ने परिजन से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि नितिन और मनीषा दोनों के बीच प्रेम संबंध थे, लेकिन किन्हीं कारणवश नितिन की शादी शीला से हो गई। शादी के बाद भी नितिन और मनीषा अक्सर मिलते थे। नितिन ने मनीषा को साथ रहने के लिए शीला को मना लिया था। उसे साथ रखना चाहता था। तीनों साथ रहने लगे थे, लेकिन मनीषा और शीला के बीच आए दिन झगड़ा होता था। पांच अक्तूबर को झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच मारपीट हो गई। इसी बीच मनीषा जमीन पर गिर गई और उसके सिर से खून बहने लगा। इसके चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस जल्द दोनों को पकड़ने का दावा कर रही है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर युवक पर हमला

नोएडा। सदरपुर में गाली-गलौज का विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावर ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-39 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-45 सदरपुर निवासी रोहित ने पुलिस को बताया कि वह 12 अक्तूबर की रात रास्ते से जा रहा था। इसी दौरान युनुस पठान वहां पहुंचा और उससे हाथ मिलाने लगा। आरोप है कि बातचीत के दौरान युनुस गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने नुकीली चीज से हमला कर रोहित को घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में अज्ञात व्यक्ति की मौत

नोएडा। सेक्टर-113 थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में सोमवार सुबह अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। उसका शव सोरखा गांव में एफएनजी की तरफ सड़क किनारे मिला। पुलिस ने पहचान के लिए शव को पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक ठेला संचालक ने सोमवार सुबह सेक्टर-113 थाने की पुलिस को सूचना दी कि सड़क किनारे एक अधेड़ अचेत हालत में पड़ा है। पुलिस वहां पहुंची तो उसके पास पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला। उसे फौरन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की उम्र लगभग 50 वर्ष है। लोगों ने पुलिस को बताया कि अधेड़ मजदूरी करता था और अत्यधिक शराब का सेवन करता था।

यूपी रेरा ने 15 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी

नोएडा। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने मंगलवार को लखनऊ समेत आठ जिलों में 15 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनमें 1226.57 करोड़ रुपये के निवेश से 1549 आवासीय और व्यावसायिक इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि 216वीं बैठक में सबसे ज्यादा सात परियोजनाएं लखनऊ में मंजूर हुईं। यहां 471.24 करोड़ के निवेश से 599 फ्लैट और दुकानें बनेंगी। दूसरे नंबर पर वाराणसी है, जहां दो परियोजनाओं एक आवासीय और एक मिश्रित में 166.73 करोड़ का निवेश और 330 इकाइयां बनेंगी।

संक्षिप्त समाचार

संविधान को ध्यान में रखकर करूंगा काम: दुष्यंत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री और पूर्व राज्यसभा सांसद दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है. राष्ट्रपति की ओर से पांच राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति की घोषणा के बाद दुष्यंत गौतम को नई संवैधानिक जिम्मेदारी सौंपी गई है. उनकी नियुक्ति की खबर सामने आते ही समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल देखने को मिला.

नियुक्ति की घोषणा के बाद दिल्ली के शाहदरा स्थित दुष्यंत गौतम के आवास पर बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया. समर्थकों और शुभचिंतकों ने उनसे मुलाकात कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं. इस नियुक्ति को उनके राजनीतिक जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है.

राज्यपाल पद की नियुक्ति होने के बाद दुष्यंत गौतम ने पीएम मोदी का धन्यवाद किया. उन्होंने कहा हमें जो जिम्मेदारी दी गई है उसको पूरी ईमानदारी से निभाएंगे और अपनी संस्कृति को बचाने का प्रयास करेंगे. मैं संविधान को ध्यान में रखते हुए ही वहां की मौजूदा सरकार के साथ मिलकर राज्य को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे. बता दें कि दुष्यंत गौतम भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं. पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद के तौर पर उनकी राजनीतिक पहचान रही है. अब सिक्किम के राज्यपाल के रूप में उनकी नई भूमिका पर राजनीतिक हलकों और उनके समर्थकों की नजर रहेगी.

दिल्ली में एसआईआर वाली टेंशन कम हो रही

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने सोमवार को कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से छूटे पात्र मतदाताओं के लिए 18 और 25 अक्तूबर को विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इनमें जवाब दाखिल कर निस्तारण करा सकेंगे, वहीं पात्र लोग फॉर्म-6 भरकर जमा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि फॉर्म-6 के साथ जरूरी दस्तावेज जमा करने वाले सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर नहीं छूटेगा।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के मुताबिक 33 लाख नोटिस पाने वाले मतदाताओं में से करीब 20 लाख मतदाताओं के नोटिस का निस्तारण किया जा चुका है। सोमवार को हुई समीक्षा बैठक में सभी एसडीएम ने अपने-अपने क्षेत्रों में जारी नोटिस के निस्तारित हो चुके मामलों की जानकारी दी। सीईओ कार्यालय का कहना है कि तार्किक विसंगतियों और नो-मैपिंग के कारण जिन मतदाताओं को नोटिस जारी हुए थे, उनकी ओर से दस्तावेज जमा कराकर नोटिस का निस्तारण कराया जा रहा है। अब तक ऐसे चार विशेष कैंप लगाए जा चुके हैं।

पिछले हफ्ते मिले थे विपक्षी दल

इससे पहले इंडिया गठबंधन के नेताओं ने बीते बुधवार को दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की थी और एसआईआर को रद्द करने और राष्ट्रीय राजधानी की मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 47.56 लाख लोगों के नाम पुन: जोड़ने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु से पूछा

सूखे के हालात में कर्नाटक बकाया पानी कैसे पूरा कर सकता है?

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्य में पानी का संकट है और मुख्य सवाल यह है कि इसे आपस में कैसे बांटा जाए, जबकि कर्नाटक सरकार ने दलील दी कि कावेरी नदी के 11 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी की कमी को पूरा करने के लिए तमिलनाडु की मांग को पूरा करना मुश्किल होगा. कर्नाटक सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि यह कम बारिश वाला साल है और कई क्षेत्रों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है.

इस मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने की. कर्नाटक सरकार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि जमीनी स्तर पर 15 दिनों का मूल्यांकन एक असली समस्या है और बिलीगुंडलु में एक केंद्रीय जल मापन केंद्र मौजूद है.

तमिलनाड सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गुरु कृष्ण कुमार ने कहा, 'संकट है. सवाल यह है कि इसे कैसे बांटा जाए? समस्या वहीं है... उन्हें पानी छोड़ना ही होगा. '

जाना चाहिए, जो कि नहीं किया जा रहा है और कामचलाऊ तरीका अपनाया जा रहा है. जब भी कोई संकट आता है, उन्हें हमेशा उनकी पात्रता से अधिक मिलता है, और मुझे मेरी पात्रता से कम मिलता

पीठ ने इस बात पर सहमति जताई कि जल संसाधनों पर कर्नाटक का नियंत्रण है. दीवान ने कहा कि बिलीगुंडलु में एक केंद्रीय जल मापन केंद्र है. कुमार ने कहा, 'इसे आनुपातिक रूप से किया

है...' कर्नाटक सरकार ने दलील दी कि 'कमी' को पूरा करने के लिए तमिलनाडु को 11 हजार मिलियन क्यूबिक फीट कावेरी नदी का पानी छोड़ने की मांग को पूरा करना मुश्किल होगा.

पीठ ने इस बात पर सहमति जताई कि जल संसाधनों पर कर्नाटक का नियंत्रण है.

दीवान ने कहा कि बिलीगुंडलु में एक केंद्रीय जल मापन केंद्र है. कुमार ने कहा, 'इसे आनुपातिक रूप से किया जाना चाहिए, जो कि नहीं किया जा रहा है और कामचलाऊ तरीका अपनाया जा रहा है. जब भी कोई संकट आता है, उन्हें हमेशा उनकी पात्रता से अधिक मिलता है, और मुझे मेरी पात्रता से कम मिलता है...' कर्नाटक सरकार ने दलील दी कि 'कमी' को पूरा करने के लिए तमिलनाडु को 11 हजार मिलियन क्यूबिक फीट कावेरी नदी का पानी छोड़ने की मांग को पूरा करना मुश्किल होगा. तमिलनाडु सरकार ने कहा कि वह संकट की अवधि के दौरान प्राप्त प्रवाह में सिर्फ अपना वैध आनुपातिक हिस्सा और अपने पिछले बैकलॉग की मांग कर रही है. यह तर्क दिया गया कि मौसम संबंधी और जल विज्ञान संबंधी संकट का पूरा बोझ निचले तटवर्ती राज्य पर नहीं डाला जा सकता, जबकि कर्नाटक सिंचाई और अन्य आवश्यकताओं के लिए उपलब्ध भंडारण और जल प्रवाह का उपयोग करना जारी रखता है.

बिजली सब्सिडी लेने के लिए आधार कार्ड नंबर अनिवार्य, ऊर्जा विभाग ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बिजली सब्सिडी का लाभ लेने के लिए अब सभी उपभोक्ताओं को अपना आधार कार्ड देना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्हें आधार नंबर की जानकारी बिजली कंपनियों एवं

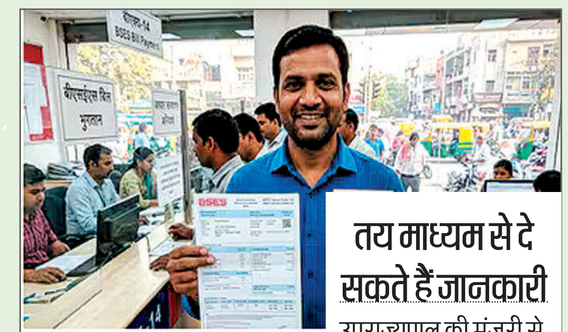

दिल्ली सरकार के साथ साझा करनी होगी। वह पोर्टल पर जाकर या दिल्ली सरकार द्वारा तय किए गए निर्देश के अनुसार, अपने आधार की जानकारी दे सकेंगे। इसे लेकर दिल्ली सरकार के ऊर्जा विभाग ने उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद अधिसूचना जारी कर दी है। ऊर्जा विभाग की तरफ से जारी की गई अधिसूचना में कहा गया है कि विश्वसनीय पहचान साबित करने के लिए आधार संख्या का उपयोग कई दस्तावेजों की आवश्यकता को खत्म करता है।

तय माध्यम से दे सकते हैं जानकारी

उपराज्यपाल की मंजूरी से यह अधिसूचित किया जा रहा है कि उपभोक्ता को सब्सिडी का लाभ प्राप्त करने के लिए आधार की जानकारी अनिवार्य रूप से देनी होगी। वह वेब पोर्टल पर या दिल्ली सरकार द्वारा तय किए गए किसी अन्य माध्यम से इसकी जानकारी दे सकते हैं। अगर किसी के पास आधार कार्ड नहीं है तो वह इसके लिए आवेदन कर सकता है ।

दिल्ली में प्रदूषण पर सीएक्यूएम सख्त

एमसीडी को मिला अल्टीमेटम, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्दियों की दस्तक के साथ दिल्ली-एनसीआर में हवा जहरीली होने का खतरा फिर से मंडराने लगा है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट अब पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गया है। सीएक्यूएम ने दिल्ली नगर निगम को सख्त लहजे में 31 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम दे दिया है। आयोग का आदेश है कि शहर की सड़कों, डिवाइडरों, फुटपाथों और खुले मैदानों पर जमा धूल, कूड़ा और निर्माण का मलबा हर हाल में साफ होना चाहिए। अगर प्रदूषण नियंत्रण के इन उपायों को लागू करने में अधिकारियों या एजेंसियों ने जरा भी कोताही बरती, तो उनके खिलाफ मुकदमा चलाने जैसी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जमीनी स्तर पर सफाई अभियान तेज प्रदूषण के इस बड़े संकट से निपटने के लिए दिल्ली नगर निगम ने भी अपनी रिपोर्ट कार्ड और आगे की रणनीति पेश की है। सीएक्यूएम के साथ हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में एमसीडी के नरेला, रोहिणी, करोल बाग, पुरानी दिल्ली और शाहदरा समेत सभी 12 जोनों के उपायुक्त मौजूद थे।

आयोग का क्या निर्देश है?

सीएक्यूएम ने सिर्फ धूल हटाने तक खुद को सीमित नहीं रखा है, बल्कि उन बुनियादी कमियों को सुधारने पर भी जोर दिया है जहां से धूल पैदा होती है। आयोग ने निर्देश दिए हैं कि टूटी सड़कों और गड्ढों की तुरंत मरम्मत की जाए। जो हिस्से कच्चे हैं, उन्हें पक्का किया जाए और वहां ज्यादा से ज्यादा हरियाली विकसित की जाए। सर्दियों में खुले में कूड़ा जलाने और अवैध रूप से मलबा फेंकने पर भी कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है। प्रदूषण पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए सीएक्यूएम ने एमसीडी को लोक निर्माण विभाग, डीडीए , दिल्ली जल बोर्ड और रेलवे जैसी अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने का भी निर्देश दिया है।

रामलीला मैदान को हल्के में मत लेना

दो बार कांग्रेस सरकार की नींव हिला चुकी है यह जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों की राजनीति एक बार फिर चर्चा में है। जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में लिस्ट से हटा दिया गया है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने धरना-प्रदर्शन के लिए तीन वैकल्पिक जगहों का नाम दिया है। इनमें मध्य दिल्ली का रामलीला मैदान भी शामिल है। इसके अलावा उत्तर दिल्ली का बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी मैदान भी प्रदर्शन स्थलों के रूप में तय किए गए हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच यह फैसला आया है। जंतर-मंतर लंबे समय से विरोध-प्रदर्शनों की प्रमुख जगह रहा है, लेकिन रामलीला मैदान का इतिहास भी आंदोलनों और राजनीतिक बदलावों से जुड़ा रहा है। इस मैदान पर दशकों के अंतराल में दो बड़े जन आंदोलन हुए, जिन्होंने कांग्रेस की राजनीति को चुनौती दी। इनमें पहला आंदोलन 1975 में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में उठा, जबकि दूसरा 2011 में अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के रूप में सामने आया।

जब जेपी के आंदोलन के बाद लगा आपातकाल- रामलीला मैदान का राजनीतिक इतिहास 25 जून 1975 की उस विशाल रैली से जुड़ा है, जिसे समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण ने संबोधित किया था। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। जेपी ने रैली में सरकार के खिलाफ प्रतिरोध का आह्वान किया था। इसी रात इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगा दिया। इस दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं को निलंबित किया गया और विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई तेज हुई। आपातकाल के बाद 1977 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को केंद्र में पहली बार हार का सामना करना पड़ा। जनता पार्टी सत्ता में आई।

2011 में अन्ना हजारे के आंदोलन ने बढ़ाया दबाव

करीब 36 साल बाद रामलीला मैदान एक बार फिर बड़े जन आंदोलन का केंद्र बना। इस बार आंदोलन का मुद्दा भ्रष्टाचार था और नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे कर रहे थे। 2011 में अन्ना हजारे ने मजबूत लोकपाल कानून की मांग को लेकर देशव्यापी आंदोलन शुरू किया। आंदोलन की शुरुआत जंतर-मंतर से हुई, लेकिन बाद में यह रामलीला मैदान पहुंचा। यहां अन्ना हजारे ने भूख हड़ताल की, जिस पर देशभर का ध्यान गया। उस समय कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार पहले से ही भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रही थी। अन्ना आंदोलन ने सरकार पर राजनीतिक दबाव और बढ़ा दिया। इस आंदोलन से आम आदमी पार्टी के उभार के लिए भी माहौल बना। बाद में आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस और भाजपा, दोनों को चुनौती दी और राजधानी की राजनीति का समीकरण बदलने में अहम भूमिका निभाई। इतना ही नहीं, अन्ना आंदोलन के बाद कांग्रेस अपने सबसे निचले स्तर पर चली गई। 2014 से लगातार तीन बार पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा केंद्र की सत्ता पर काबिज है।

पहले खुद लूटी आबरू, फिर जीजा संग मिलकर गैंगरेप

दिल्ली में 7वीं क्लास की छात्रा से दरिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जहांगीरपुरी में इंस्टाग्राम पर दोस्त बने एक युवक और उसके जीजा पर 15 वर्षीय किशोरी से गैंगरेप करने का आरोप लगा है। आरोपियों ने वीडियो वायरल करने और तेजाब से चेहरा जलाने की धमकी देकर किशोरी को डराया। पुलिस ने शनिवार को रेप, गैंगरेप और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित किशोरी सातवीं क्लास में पढ़ती है और इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती जहांगीरपुरी में रहने वाले से दोस्ती हुई थी। आरोप है कि 15 अगस्त को रज्जाक उसे सी-ब्लॉक स्थित अपने जीजा करीम के फ्लैट पर ले गया।

वहां तेजाब फेंकने की धमकी देकर दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया। उसे वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी गई। डर के कारण किशोरी ने किसी को कुछ नहीं बताया। आरोप है कि 8 अक्टूबर को रज्जाक ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर किशोरी को दोबारा

उसी फ्लैट पर मिलने बुलाया। किशोरी जब फ्लैट पर पहुंची तो वहां रज्जाक और उसके जीजा करीम दोनों ने उसके साथ गैंगरेप किया। आरोपियों ने इस दौरान भी उसका वीडियो बनाया गया, फिर उसे धमकी देकर घर भेज दिया।

बुजुर्ग को रेप केस में फंसा 50 लाख रुपये मांगे

वहीं, दिल्ली के ही रणहौला इलाके में दामाद की संपत्तियों की देखभाल कर रहे बुजुर्ग को दुष्कर्म के आरोप में फंसाने और 50 लाख रुपये मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य साजिशकर्ता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि 30 सितंबर को बपरौला इलाके के फ्लैट से युवती ने दुष्कर्म की सूचना दी थी। युवती ने बताया कि 74 वर्षीय रमेश चंद्र उसे ब्लैकमेल करके फ्लैट पर लाया और दुष्कर्म किया। पीड़िता के अनुसार, उसे जबरन शराब भी पिलाई गई। इंस्पेक्टर अजय की देखरेख में एसआई रजत की टीम ने बयान लेकर जांच शुरू की। इस दौरान युवती ने अपने बयान भी बदले और मालूम हुआ कि पुलिस को सूचना देने से पहले कुछ लोग भी फ्लैट पर आए थे। ये लोग युवती के लगातार संपर्क में थे। फिर पूछताछ में युवती ने सच स्वीकार कर लिया।

दिल्ली के क्लब में मार डाला गया 29 साल का दलजीत, बाउंसर्स ने पीट-पीटकर ली जान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इंद्रलोक स्थित एक अवैध बार में कथित तौर पर बार मैनेजर की पत्नी के पास से गुजरने पर 29 वर्षीय युवक दलजीत की बुरी तरह पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना में मृतक के दो दोस्त भी घायल हुए थे। सराय रोहिल्ला पुलिस ने हत्या के मामले में बार मैनेजर समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बार को सील कर दिया है। इसके साथ ही चौकी प्रभारी योगेश यादव को भी लाइन हाजिर किया गया है। पुलिस के अनुसार, दलजीत शुक्रवार रात दोस्तों के साथ इंद्रलोक स्थित टोरस हाउस अंबर बार में पार्टी कर रहा था। बार मैनेजर गौरव भी वहां पत्नी के जन्मदिन की पार्टी कर रहा था। आरोप है कि बाथरूम जाते समय दलजीत मैनेजर की पत्नी के पास से गुजरा तो गौरव नाराज हो गया। इसके बाद उसने बाउंसर की मदद से दलजीत की पिटाई कराई। शनिवार तड़के करीब 4 बजे हुई मारपीट में दलजीत को बचाने आए उसके दोस्त पवन और नीशू भी घायल हो गए।

बीयर गिरने को लेकर हुआ था विवाद: सूत्र

वहीं, भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि शनिवार देर रात सराय रोहिल्ला थाना क्षेत्र के एक नाइट क्लब में महिला पर बीयर गिरने को लेकर हुए विवाद के दौरान बाउंसर की पिटाई से कैब ड्राइवर दलजीत की मौत हो गई। सूत्र ने बताया कि मृतक की पहचान रघुवीर नगर निवासी दलजीत के रूप में हुई है। उसके परिवार में पत्नी, आठ साल का बेटा और पिता हैं।

सरकार का लक्ष्य आरएसईटीआई के माध्यम से 6 लाख से अधिक ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित करना

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के लिए देश के ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरएसईटीआई) को 6.35 लाख ग्रामीण युवाओं के प्रशिक्षण का लक्ष्य दिया गया है, जो 2025-26 के लिए निर्धारित प्रशिक्षण लक्ष्य से अधिक है। ग्रामीण उद्यमिता को मजबूत करने और स्थायी आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय रुडसेटी अकादमी के साथ एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इसका उद्देश्य देश भर में आरएसईटीआई में एकसमान प्रशिक्षण मानक स्थापित करना, गुणवत्तापूर्ण प्रशासन सुनिश्चित करना और व्यवस्थित क्षमता निर्माण को सुगम बनाना है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस साझेदारी का

मुख्य उद्देश्य कौशल पंजी के माध्यम से उम्मीदवारों के पंजीकरण में सुधार करना और आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) के माध्यम से आधार-आधारित चेहरे के प्रमाणीकरण को बेहतर बनाना होगा, साथ ही आरएसईटीआई के माध्यम से दिए जाने वाले प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाना होगा।

इसमें राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे के अनुरूप नए जमाने के पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन, उद्योग-मानकीकृत प्रशिक्षण-सहायक सामग्री और उपकरणों को अपनाना और ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा अधिसूचित मुख्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) पाठ्यक्रमों का संचालन शामिल होगा। यह साझेदारी प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी), एकीकृत पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षकों के मूल्यांकन और प्रमाणीकरण को भी मजबूत करेगी और मंत्रालय द्वारा अधिसूचित सामान्य मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करेगी।

तेजस्वी यादव का अलग अंदाज

दिल्ली में ऑटोरिक्शा में सफर करते नजर आए लालू के लाल

पटना। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का एक अलग अंदाज देश की राजधानी दिल्ली में नजर आया है। आम तौर पर अपने सुरक्षाकर्मियों और स्कॉट गाड़ियों के बीच घिरे रहने वाले तेजस्वी यादव नई दिल्ली में ऑटोरिक्शा में सफर करते नजर आए। ऑटो की पिछली सीट पर बैठ कर सफर कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव का वीडियो काफी वायरल हुआ है।

यह वीडियो रात के समय रिकॉर्ड किया गया है। वीडियो में ऑटो के अंदर राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ऑटो में बैठे हैं और दिल्ली की सड़क पर उनकी ऑटो फर्राटा भर रही है। तेजस्वी यादव के साथ ऑटो के अंदर उनके कुछ सुरक्षाकर्मी भी नजर आ रहे हैं। तेजस्वी यादव इस वीडियो में पीछे से आवाज आने पर मुस्कुराते हुए भी दिख रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने खुद इस वीडियो को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर शेयर किया है। बता दें कि देश में एसआईआर और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगभग सभी विपक्षी दलों ने पिछले कुछ दिनों से आंदोलन छेड़ रखा है। विपक्ष के सांसदों और नेताओं ने, सैकड़ों समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ, सोमवार को वोट चोरी के आरोप, और सीईसी के खिलाफ याचिका सौंपने के लिए शीर्ष अदालत तक लोकतंत्र के लिए मार्च किया था।

संक्षिप्त समाचार

डरबन टेस्ट

स्टीव स्मिथ को हेलमेट पर लगी चोट की जांच होगी

डरबन । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का कनकशन अवलोकन किया जा रहा है। स्मिथ को दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे की गेंद से हेलमेट पर चोट लगी थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में खेले जा रहे टेस्ट में स्मिथ को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के दौरान एनरिक नोर्त्जे का बाउंसर लगा था।

स्मिथ की उम्मीद के मुताबिक नोर्त्जे की गेंद नहीं उठी थी, गेंद देखकर वह झुके थे, लेकिन गेंद सीधे उनके हेलमेट से जा टकराई थी। उस समय उन्होंने अपनी इनिंग सिर्फ चार गेंद खेली थीं। उस समय उनके कनकशन की जांच की गई और उन्हें अपनी इनिंग जारी रखने की इजाजत दे दी गई। हालांकि, जब ऑस्ट्रेलिया ने फील्डिंग शुरू की तो स्मिथ वापस नहीं आए। उम्मीद है कि अगले 24 घंटों में उनके कनकशन की जांच होगी। चौथे दिन स्टंप्स के समय ब्यू वेबस्टर स्मिथ की फिटनेस के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने उम्मीद जताई कि स्मिथ मंगलवार को मैदान पर उतर सकते हैं।

हरजिंदर कौरः कबड्डी छोड़ चुनी वेटलिफ्टिंग

नई दिल्ली । भारतीय महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर का नाम काफी लोकप्रिय है। हरजिंदर ने लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीते हैं। हरजिंदर कौर का जन्म 14 अक्टूबर 1996 को पंजाब के पटियाला जिले में नाभा के पास मेहास में हुआ था।

हरजिंदर का परिवार खेती से जुड़ा रहा है। शुरुआत में हरजिंदर कबड्डी खेला करती थीं और प्रशिक्षण के लिए प्रतिदिन 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर सेंटर जाया करती थीं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण उन्हें प्रशिक्षण छोड़ना पड़ा। वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर काफी देर से आईं। 2016 में पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की। राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन के बाद हरजिंदर कौर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

टी20 में फील्डिंग सुधारने के लिए टीम इंडिया के कल्चर में बदलाव जरूरीः आर श्रीधर

नई दिल्ली । भारत की सीनियर पुरुष टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर मानते हैं कि टी20 फॉर्मेट में फील्डिंग के स्तर में आ रही गिरावट को ठीक करने के लिए राष्ट्रीय टीम को अपने कल्चर में पूरी तरह बदलाव की जरूरत है। श्रीधर ने यह भी कहा कि 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे से पहले टीम में शामिल

नए खिलाड़ी फील्डिंग के मामले में पूरी तरह तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 में टी20 मुकाबलों में भारत की फील्डिंग का स्तर गिरा है। कैच पकड़ने की क्षमता के मामले में भारत टॉप 10 देशों में दूसरे–आखिरी स्थान पर है (73.4 प्रतिशत)। टीम ने चौंकाने वाले 58 कैच छोड़े हैं। भारतीय फील्डरों ने भले ही 129 रन बचाए हों, लेकिन कैच छोड़ने और ग्राउंड–फील्डिंग की गलतियों के कारण 226 रन अतिरिक्त बने, जिससे कुल मिलाकर 97 रनों का नुकसान हुआ।

शुभमन गिल और शेफाली वर्मा ने पुरुष और महिला वर्ग में

जीता आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार

दुबई । भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सितंबर महीने के लिए पुरुष और महिला श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। यह तीसरी बार है जब भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ किसी महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। गिल ने पांचवीं बार यह सम्मान हासिल किया है। उन्होंने पुरुष कैटेगरी में सबसे ज्यादा बार यह खिताब जीतने के अपने रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाया है। शेफाली वर्मा ने विमेंस एशिया कप और एशियन गेम्स में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद दूसरी बार महीने के श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है।

गिल को मिले इस नए अवॉर्ड ने उन्हें वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ खड़ा कर दिया है। मैथ्यूज ने भी पांच बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 110 रन बनाए थे, जबकि दूसरे मैच में 133 गेंदों पर शानदार 223 रनों की पारी खेली थी। पुरस्कार जीतने के बाद गिल ने कहा, 'अपना पांचवां आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस सम्मान के लिए पैनल का शुक्रगुजार हूं। इतने रन बनाना बहुत अच्छा लगा और अपने घरेलू फैंस के सामने सफल रन चेज का हिस्सा बनना और भी खास था, जिनका सपोर्ट हमें हमेशा अतिरिक्त बूस्ट देता है।' उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट की गति काफी बढ़ गई है। आपको तुरंत सोचना होता है, कंडीशन का जल्दी से अंदाजा लगाना होता है और पिच और टारगेट की जरूरतों के हिसाब से खुद को ढालना होता है। अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप के साथ, हम अपने स्तर को बेहतर करते रहने और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम एक मजबूत और संतुलित टीम बनाने के लिए दृढ़ हैं।'

शेफाली वर्मा ने कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड फिर से जीतना एक अविश्वसनीय सम्मान है। एशिया कप और एशियन गेम्स में हमारी जीत में अपना रोल निभाना बहुत अच्छा लगा, और यह अवॉर्ड जीतने से ये जीत और भी खास हो गई हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं आने वाले महीनों को लेकर उत्साहित हूं। अगले साल फरवरी में होने वाली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी में अपना बेस्ट परफॉर्मेंस जारी रखने का पक्का इरादा है। यह एक और टूर्नामेंट है, जिसका मुझे इंतजार है। वर्ल्ड कप जीतने की याद अभी भी बहुत ताजा और खास है। मैं अपनी धरती पर आईसीसी टूर्नामेंट के लिए मैदान पर वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।'

सितंबर की शॉर्टलिस्ट में पुरुषों की कैटेगरी में गिल के अलावा भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को नामित किया गया था, जबकि महिलाओं में शेफाली के अलावा श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू और भारत की लेफ्ट-आर्म स्पिनर श्री चरणी को नामित किया गया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से

पंत बाहर, कुशाग्र को मौका मिला

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत लेफ्ट-साइड स्ट्रेन के कारण न्यूजीलैंड के आगामी दौरे पर इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी सोमवार को दी। पंत का इस दौरे पर खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर था। 1-4 अक्टूबर के बीच ईरानी कप में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए उन्हें वायरल बुखार हो गया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि 29 वर्षीय पंत मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और लिंकन में 7 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'वह बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। पुरुष चयन समिति ने पहले दो मुकाबलों के लिए पंत की जगह कुमार कुशाग्र को चुना है।'

झारखंड के 21 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कुशाग्र, ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली इंडिया-ए की टीम में शामिल हुए हैं। इस टीम में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, आकिब नबी, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मानव सुथार और वाशिंगटन सुंदर जैसे सितारे भी मौजूद हैं।

कुशाग्र पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए के रेड-बॉल मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करके आ रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में 113 और 46 रन बनाकर इंडिया-ए को जीत दिलाई थी।

इंडिया-ए की अपडेटेड टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन स्मरण, वाशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, मानव सुथार, मुकेश चौधरी, साई सुदर्शन, यश राठौड़, मुकेश कुमार और कुमार कुशाग्रा (विकेटकीपर) (पहले और दूसरे मैच के लिए)।

पाक टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका टीम का ऐलान

कुसल मेंडिस करेंगे कप्तानी

कोलंबो । पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम की कमान कुसल मेंडिस संभालेंगे। यह पहला मौका है जब कुसल श्रीलंका टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे। मेंडिस को वनडे और टी20 टीम की कमान सौंपे जाने के बाद अब टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। ऐसे में एक विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ ही बतौर कप्तान भी उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं।

मेंडिस को कप्तानी पिछले सप्ताह धनंजय डी सिल्वा के टेस्ट कप्तान का पद छोड़ने के बाद सौंपी गई है। डी सिल्वा जनवरी 2024 से इस फॉर्मेट में श्रीलंका की कप्तानी कर रहे थे। उन्होंने अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने की जरूरत बताई थी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) सिलेक्शन कमिटी ने गुरुवार को बोर्ड के मुख्यालय में हुई मीटिंग में मेंडिस की बतौर टेस्ट कप्तान नियुक्ति की। विकेटकीपर–बल्लेबाज को सबसे लंबे फॉर्मेट में काफी अनुभव है। वह 75 टेस्ट मैचों में 4,836 रन बना चुके हैं, जिसमें 10 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। मेंडिस को मई में श्रीलंका का वनडे और टी20 कप्तान बनाया गया था। उन्होंने वनडे कप्तान के रूप में चरिथ असलांका और टी20 में दासुन शनाका की जगह ली थी। टेस्ट कप्तान के तौर पर उनकी नियुक्ति अब उन्हें तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में कप्तान बनाती है।

एमएस धोनी में क्रिकेट बाकी

आईपीएल 2027 में खेलने का फैसला उनका होगाः सीएसके सीईओ विश्वनाथन

चेन्नई । आईपीएल की सफलतम फ्रेंचाइजी में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन का मानना है कि पूर्व कप्तान एमएस धोनी में अभी क्रिकेट बाकी है। वह टीम के लिए एक अभी भी एक खिलाड़ी हैं, आप जानते हैं।' धोनी ने आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेला था। वह 45 साल के हो चुके हैं। ऐसे में धोनी के आगामी सीजन में खेलने पर सवाल उठते रहते हैं।

आखिरी सीजन खेलने की पूरी कोशिश करेंगे। धोनी इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। चेन्नई में मीडिया से बात करते हुए विश्वनाथन ने कहा कि धोनी अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं, यह फैसला फ्रेंचाइजी ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के चांस हैं। वह एमएस धोनी आईपीएल 2027 में सीएसके के लिए खेलेंगे या नहीं, इस पर टीम के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि वह धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखना चाहते हैं। चेपॉक में सीएसके के पारंपरिक लैप ऑफ ऑनर में धोनी के हिस्सा लेने के बाद, रैना ने कहा कि उन्होंने आईपीएल 2027 के लिए उनसे वापसी करने की गुजारिश की थी। रैना ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 को मिस कर दिया। यह नहीं गिना जाएगा।

ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 की सीईओ सिंडी हुक अपना पद छोड़ेंगी

नई दिल्ली । ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ सिंडी हुक ने घोषणा की है कि वह अपने चार साल के कॉन्ट्रैक्ट के खत्म होने पर अपने पद से हट जाएंगी। हुक को फरवरी 2023 में नियुक्त किया गया था। उनका चार साल का कॉन्ट्रैक्ट अगले साल की शुरुआत में खत्म होने वाला है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, आने वाले महीनों में एक नई नियुक्ति की घोषणा होने की उम्मीद है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी बोर्ड ने हुक के कॉन्ट्रैक्ट समाप्त होने के बाद पद छोड़ने के फैसले को मान लिया है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, 'लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक से ठीक एक साल पहले एक आसान बदलाव सुनिश्चित करने के लिए और ब्रिस्बेन 2032 के अपने शुरुआती प्लानिंग और कैपेबिलिटी बिल्डिंग फेज से ऑपरेशन्स, प्रोजेक्ट और इवेंट डिलीवरी के अगले महत्वपूर्ण फेज में जाने के लिए एक नए लीडर को बैटन सौंपने का यह सही समय है।' हुक ने एक बयान में कहा, 'पिछले चार सालों में, मैंने वह सब कुछ हासिल किया है जिसकी हमने उम्मीद की थी और इस दौरान मुझे कई अद्भुत अनुभव हुए।'

ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ के तौर पर, सिंडी गेम्स के ऑर्गनाइजेशन के सभी पहलुओं को लीड करने के लिए जिम्मेदार थीं, ताकि एथलीट और दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव बनाया जा सके और ब्रिस्बेन, साउथईस्ट क्वींसलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लिए एक पॉजिटिव विरासत छोड़ी जा सके।

उनकी जिम्मेदारियों में गेम्स की प्लानिंग, स्पॉन्सरशिप, टिकटिंग और मर्चेंडाइज के जरिए राजस्व जुटाना, वेन्यू के ऑपरेशन को मैनेज करना, इवेंट सुरक्षा, वॉलंटियर रिक्रूटमेंट आदि शामिल हैं।

भारत बनाम वेस्टइंडीजः आईसीसी ने पॉवेल और रदरफोर्ड को फटकारा

खाते में डिमेरिट अंक भी जुड़ा

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मैच के दौरान 'आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट' तोड़ने पर वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड को आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई। इसके साथ ही दोनों खिलाड़ियों के खाते में एक-एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। आईसीसी के अनुसार, पॉवेल को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फ़िक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। पॉवेल को आउट होने के बाद अपने बल्ले से गेंद को दूर मारने के लिए सजा दी गई। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के छठे ओवर में हुई, जब भारत के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पॉवेल को बोल्ड कर दिया।

वहीं, रदरफोर्ड ने आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। रदरफोर्ड को मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए फटकार लगाई गई। पारी के 13वें ओवर के दौरान एक गेंद को रदरफोर्ड वाइड मान रहे थे, लेकिन उसे वैलिड करार दिए जाने के बाद कैरेबियन खिलाड़ी अंपायर पर आक्रामक रूप से चिल्लाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अपराध स्वीकार करते हुए एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरीज के प्रकाश भट्ट द्वारा प्रस्तावित सजी को मान लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी ने यह भी पुष्टि की कि दोनों खिलाड़ियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक-एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह दोनों का पहला अपराध था। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम करने के बाद भारत ने टी20 सीरीज का पहला मैच 8 विकेट से जीता, जिसके बाद रांची में खेले गए दूसरे मुकाबले को वेस्टइंडीज ने 6 विकेट से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-1 से बराबरी की।